शुभ लाभ

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । मंगलवार, 21 मई, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-141

वैश्विक शांति और सुरक्षा हमारे लिए अहम : पीएम मोदी

जी-7 और यूक्रेन शांति सम्मेलन में भाग लेगा भारत, वैश्विक संवाद को आकार देने का अवसर

भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ी जा रही जंग काफी गंभीर, एजेंसियों को अपना काम करने देना चाहिए

नई दिल्ली, 20 मई (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई गंभीर है और जांच एजेंसियों को बिना हस्तक्षेप के अपना काम करने दिया जाना चाहिए। एक न्यूज एजेंसी को दिए एक साक्षात्कार में पीएम ने कहा कि अडाणी-अंबानी' वाली टिप्पणी की पुष्टि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अधीर रंजन चौधरी ने भी की है। उन्होंने स्वीकार किया कि अगर अडाणी-अंबानी बहुत सारा पैसा भेजते हैं तो वे उनके खिलाफ नहीं बोलेंगे। इसके साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले महीने जी-7 बैठक और यूक्रेन शांति शिखर सम्मेलन में भाग लेने वाले हैं। उन्होंने इसका जिक्र करते हुए कहा कि भारत वैश्विक शांति, सुरक्षा और विकास के एजेंडे को बढ़ावा देने वाले सभी महत्वपूर्ण शिखर सम्मेलनों में भाग लेगा।

एक साक्षात्कार में पीएम मोदी ने कहा कि भारत इन शिखर सम्मेलनों में वैश्विक संवाद को आकार देने, मानव केंद्रित विकास, समृद्धि और शांतिपूर्ण दुनिया की दृष्टि को आगे बढ़ाने के लिए ग्लोबल साउथ की आवाज बनेगा। उन्होंने आगे कहा, भागीदारी का स्तर समय, लॉजिस्टिक और सामानांतर प्रतिबद्धताओं का कारक होगा।

बता दें कि इटली 13 से 15 जून तक जी-7 बैठक की मेजबानी कर रहा है, जबकि यूक्रेन शांति सम्मेलन की मेजबानी 15 से 16 जून तक स्विट्जरलैंड में करेगा। पीएम मोदी ने कहा कि शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए भारत को निमंत्रण दिया गया, जो कि अंतरराष्ट्रीय मामलों में इसके महत्व और योगदान को दर्शाता है। उन्होंने आगे कहा, ये वसुधैव कुटुंबकम (दुनिया एक परिवार है) के हमारे विचार को ध्यान में रखते हुए हमारे मजबूत वैश्विक जुड़ाव को दर्शाते हैं। पीएम मोदी ने कहा कि भारत वैश्विक शांति, सुरक्षा और विकास के एजेंडे को बढ़ावा देने वाले सभी अहम शिखर सम्मेलनों में हिस्सा लेगा।

▶9पर

बीजद सरकार ने ओड़ीशा को बर्बाद किया : मोदी

बीजद ने कोयला माफिया, रेत माफिया और खनन माफिया को दिया बढ़ावा

चिटफंड घोटाले के जरिए प्रदेश के गरीब लोगों को धोखा देकर लुटे करोड़ों रुपए

कटक, 20 मई (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को ओड़ीशा में नवीन पटनायक के नेतृत्व वाली बीजू जनता दल (बीजद) सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि माफिया राज और भ्रष्टाचार ने प्रदेश को बर्बाद कर दिया।श्री मोदी ने ओड़ीशा में अपने तीसरे दौर के चुनाव प्रचार के दौरान कटक के प्रसिद्ध बाली यात्रा मैदान में विजय संकल्प समावेश को संबोधित करते हुए कहा कि अपने 25 साल के शासन के दौरान बीजद ने केवल कोयला माफिया, रेत माफिया और खनन माफिया को बढ़ावा दिया है, जिससे राज्य की बर्बादी हुई है। उन्होंने लोगों से राज्य के विकास के लिए धीमी गति से चलने वाली बीजद सरकार को त्यागने और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तेज गति वाली डबल इंजन सरकार को चुनने का आग्रह किया।

▶9पर

लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण में मतदान 57.47%

पश्चिम बंगाल में सर्वाधिक 73% और महाराष्ट्र में सबसे काम 49.01% पड़े वोट

नई दिल्ली, 20 मई (एजेंसियां)।

लोक सभा चुनाव के पांचवें चरण में विभिन्न क्षेत्रों में भीषण गर्मी और लू के बीच सोमवार को आठ राज्यों एवं केन्द्रशासित प्रदेशों की 49 सीटों पर औसतन 57.47 प्रतिशत मतदान हुआ। चुनाव आयोग के अनुसार सुबह सात बजे से शाम छह बजे तक चला मतदान कुल मिलाकर शांतिपूर्ण रहा। पांचवें चरण में ओड़ीशा विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण में 35 सीटों पर भी मतदान कराया गया, जिसमें इन सीटों के 60.70 प्रतिशत मतदाताओं ने भाग लिया।आयोग द्वारा द्वारा रात साढ़े सात बजे जारी आंकड़ों के अनुसार पांचवें चरण में पश्चिम बंगाल की सात सीटों पर सर्वाधिक 73.00 प्रतिशत मतदान हुआ जबकि सबसे धीमा मतदान महाराष्ट्र में हुआ, जहां मत प्रतिशत 49.01 है। आयोग के सूत्रों के अनुसार, मतदान कुल मिलाकर शांति पूर्ण रहा। इस चरण में बिहार की कुल 40 सीटों में कुल पांच सीटों के लिये मतदान में 52.60 प्रतिशत वोट डाले गये। झारखंड में 14 में तीन सीटों पर कराये गये मतदान में 63.00 प्रतिशत मतदान हुआ। महाराष्ट्र की कुल 48 में से 13 सीटों पर 49.01 प्रतिशत मतदाताओं ने मताधिकार का इस्तेमाल किया। ओड़ीशा में आज लोकसभा की 21 में से

▶9पर

राज्य/ केंद्रशासित प्रदेश....मतदान प्रतिशत	
बिहार	52.69
जम्मू-कश्मीर.....	59.00
झारखंड	63.00
लद्दाख	67.15
महाराष्ट्र.....	49.04
ओडिशा.....	60.72
उत्तर प्रदेश.....	57.98
पश्चिम बंगाल.....	73.00

बारामुला में 40 वर्षों में सबसे अधिक हुआ मतदान

श्रीनगर, 20 मई (एजेंसियां)।

उत्तरी कश्मीर की बारामुला लोकसभा सीट पर पिछले 40 वर्षों में सबसे अधिक मतदान हुआ है। खास बात यह है कि पिछले 40 सालों के आंकड़े तीन बजे ही टूट गए। इस सीट पर तीन बजे तक 44.90% वोटिंग हुई। वहीं, पांच बजे तक मत प्रतिशत बढ़कर 54.21 फीसदी पर पहुंच गया है। आखिरी एक घंटे में इसमें कुछ और बढ़ोत्तरी भी होने जा रही है।1984 में हुए 58.84 प्रतिशत मतदान हुआ है। वहीं, 2019 में 34.89 प्रतिशत, 2014 में 39.13%, 2009 में 41.84% और 2004 में 35. 65 प्रतिशत मतदान हुआ था। जम्मू-कश्मीर के मुख्य चुनाव अधिकारी ने एक बयान में कहा कि बारामुला संसदीय क्षेत्र में शांतिपूर्ण मतदान हुआ है। इस सीट में चार जिलों के 18 विधानसभा क्षेत्र शामिल हैं। इस बार बारामुला सीट पर हर मतदान केंद्र पर बढ़चढ़ कर लोग लोकतंत्र पर्व में हिस्सा लेने के लिए शामिल हो रहे हैं। बारामुला सीट के मतदाताओं ने श्रीनगर सीट के मतदाताओं को भी पीछे छोड़ दिया है।

▶9पर

हेलिकॉप्टर दुर्घटना में ईरान के राष्ट्रपति और विदेश मंत्री की मौत

उपराष्ट्रपति मो. मोखबर कार्यवाहक राष्ट्रपति नियुक्त

पीएम मोदी और विदेश मंत्री जयशंकर ने जताया दुख

तेहरान, 20 मई (एजेंसियां)।

ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रायसी और विदेश मंत्री हुसैन अमीर-अब्दुल्लाहियन की रविवार को हुई एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना में मौत हो गई है। मेहर समाचार एजेंसी ने यह जानकारी दी। राष्ट्रपति रायसी और विदेश मंत्री अब्दुल्लाहियन को ले जा रहा हेलीकॉप्टर रविवार को पूर्वी अजरबैजान के ईरानी प्रांत के घने जंगली इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। हेलीकॉप्टर में सवार होने वालों में राष्ट्रपति रायसी, विदेश मंत्री अब्दुल्लाहियन, ईरान के पूर्वी अजरबैजान प्रांत के गवर्नर मालेक रहमती और पूर्वी अजरबैजान प्रांत में इस्लामी क्रांति के नेता के प्रतिनिधि अयातुल्ला मोहम्मद अली आले-हाशेम के साथ कई अन्य लोग शामिल थे। राष्ट्रपति इब्राहिम रायसी की हेलीकाप्टर दुर्घटना में मृत्यु हो जाने के कारण देश में पांच दिनों के शोक की घोषणा की गई है।

इधर, भारत सरकार ने देश में 21 मई को 1 दिन के शोक की घोषणा की है। इस दौरान राष्ट्रीय ध्वज को आधा झुकाया जाएगा। ईरान के राष्ट्रपति रईसी की मौत भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुख जताया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए कहा, रईसी की अचानक मौत से स्तब्ध हूं। उन्होंने भारत-ईरान के द्विपक्षीय रिश्तों को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई। उनके परिवार और ईरान के लोगों के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं। भारत इस मुश्किल घड़ी में ईरान के साथ खड़ा है। वहीं भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भी रईसी की मौत पर दुख जताया है। उन्होंने कहा, मैंने जनवरी में ही उनके मुलाकात की थी।

▶9पर

अहमदाबाद हवाई अड्डे पर आईएसआईएस के चार आतंकी गिरफ्तार

आतंकवादी हमले को अंजाम देने के लिए आए थे भारत, फिदायीन हमले में हैं शातिर

अहमदाबाद में छिपाया गया भारी मात्रा में गोला-बारूद और पाक निर्मित पिस्तौलें बरामद

अहमदाबाद, 20 मई (एजेंसियां)।

गुजरात पुलिस के एंटी टेररिस्ट स्क्वॉड (एटीएस) ने सोमवार को अहमदाबाद एयरपोर्ट से आईएसआईएस के 4 आतंकियों को गिरफ्तार किया है। एटीएस से मिली जानकारी के मुताबिक, इन चारों लोगों को केंद्रीय एजेंसी से मिले इनपुट के आधार पर अरेस्ट किया गया है।

एटीएस ने बताया कि चारों आतंकी मोहम्मद नुसरत, मोहम्मद नुफरान, मोहम्मद फारिस और मोहम्मद राजदीन मूल रूप से श्रीलंका के रहने वाले हैं। चारों किस मकसद से अहमदाबाद आए थे और किन-किन लोगों के संपर्क में थे। इसकी जांच की जा रही है। उन्होंने आगे कहा कि हमें मिली जानकारी के मुताबिक चारों पहले ट्रेन से 18 या 19 मई को अहमदाबाद पहुंचने वाले थे। हमने चेन्नई से ट्रेन के पैसेंजर्स की लिस्ट मंगवाई है।

गुजरात के डीजीपी विकाश सहाय ने बताया, सूचना मिली थी कि चार लोग मोहम्मद नुसरत, मोहम्मद नुफरान, मोहम्मद फारिस और मोहम्मद राजदीन श्रीलंकाई नागरिक हैं और प्रतिबंधित आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट के सक्रिय सदस्य हैं। सभी आईएसआईएस विचारधारा से कट्टरपंथी हैं। वे आतंकवादी हमले को अंजाम देने के लिए भारत आने वाले थे।जानकारी के मुताबिक, वे 18 या 19 मई को रेलवे या फ्लाइट से अहमदाबाद पहुंचने वाले थे। प्राप्त जानकारी के आधार पर रणनीति बनाई गई और दक्षिण से आने वाली ट्रेनों और उड़ानों की यात्री सूची पर नजर बनाई गई। सभी चार लोग इंडिगो की उड़ान से एक ही पीएनआर नंबर पर चेन्नई से अहमदाबाद की यात्रा कर रहे थे। पुष्टि के लिए कोलंबो से भी सत्यापन किया गया है।उन्होंने बताया कि फरवरी 2024 से ये चार लोग अबू नाम के एक शख्स के संपर्क में थे, जो पाकिस्तान में रहता है और आईएसआईएस नेता है। वे सोशल मीडिया के जरिए उसके संपर्क में थे। अबू ने उन्हें भारत में आतंकी हमले को अंजाम देने के लिए उकसाया। वे इतने कट्टरपंथी थे कि आत्मघाती बम विस्फोट के लिए भी तैयार हो गए। पाकिस्तानी निवासी अबू ने उन्हें श्रीलंकाई मुद्रा में चार लाख रुपए भी दिए। उनके पास से दो मोबाइल फोन बरामद हुए हैं। फोन में उनके खिलाफ सबूत के लिए तमाम तस्वीरें और वीडियो हैं। मोबाइल फोन में अहमदाबाद के पास नाना चिलोडा क्षेत्र की एक तस्वीर थी। इससे पता चला कि यहां आतंकवादी हमले को अंजाम देने के लिए गोला-बारूद छिपाया गया था। यहां से पाकिस्तान निर्मित गोला-बारूद बरामद किया गया है। तीन पाकिस्तान निर्मित पिस्तौल और 20 सक्रिय कारतूस भी बरामद की गई हैं।

उल्लेखनीय है कि अहमदाबाद में 21 मई को आईपीएल का क्वॉलिफॉयर 1 मैच खेला जाना है। इससे पहले 6 मई को अहमदाबाद के 36 स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। बताते चलें कि पिछले साल अगस्त में एटीएस ने अलकायदा से कथित संबंधों के आरोप में राजकोट से तीन लोगों को गिरफ्तार किया था।

प्रथम दृष्टया वे प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन के लिए लोगों को कट्टरपंथी बनाने और भर्ती करने के लिए एक बांग्लादेशी हैंडलर के लिए काम कर रहे थे।

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 76,450/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 94,300/- (प्रति किलोग्राम)

शेयर मार्केट

बीएसई : 74,005.94

+88.91 +0.12% ↑

एनएसई :22,502.00

35.90 (0.16%) ↑

रामकृष्ण मिशन और भारत सेवाश्रम संघ पर ममता की टिप्पणी को लेकर सियासी बवाल

कार्तिक महाराज ने ममता को भेजा मानहानि का नोटिस

कोलकाता, 20 मई (एजेंसियां)।

पश्चिम बंगाल की राजनीति में रामकृष्ण मिशन और भारत सेवाश्रम संघ को लेकर सियासी बवाल खड़ा हो गया है। बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। पहले पीएम मोदी ने जमकर निशाना साधा। वहीं अब उन्हें टिप्पणी करने के लिए कानूनी नोटिस भेजा गया है। हालांकि इन सबके बीच ममता बनर्जी ने सफाई दी है। बनर्जी ने परोपकारी कार्यों के लिए रामकृष्ण मिशन या भारत सेवाश्रम संघ की प्रशंसा की। उन्होंने सोमवार को कहा कि वह किसी संस्था के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन राजनीति में शामिल होने के लिए एक या दो लोगों की आलोचना की है।

कार्तिक महाराज के नाम से मशहूर भारत सेवाश्रम के साधु महाराज स्वामी प्रदीप्त नंद ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को उनकी हालिया कथित टिप्पणी के लिए सोमवार को मानहानि का नोटिस भेजा जिसमें कहा गया है कि इससे संस्था और स्वयं (स्वामी प्रदीप्त) की छवि खराब हुई है। कार्तिक महाराज मुर्शिदाबाद जिले के औरंगाबाद से जुड़े भारत सेवाश्रम संघ के सचिव हैं। सुश्री बनर्जी ने गत शनिवार को एक चुनाव प्रचार में श्री नंद पर इलाके के एक मतदान केंद्र से तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी)

▶9पर

ईडी ने गृह मंत्रालय को सौंपी रिपोर्ट में किया खुलासा

आपा को अमेरिका, कनाडा के साथ खाड़ी देशों से हुई करोड़ों की अवैध फंडिंग

नई दिल्ली, 20 मई (एजेंसियां)।

दिल्ली में आम आदमी पार्टी की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। पहले पार्टी के नेता जेल गए और अब एक नई मुसीबत सामने आ गई है। दरअसल कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक खबर चल रही है कि प्रवर्तन निदेशालय ने एक रिपोर्ट गृह मंत्रालय को सौंपी है, जिसमें इस बात का जिक्र है कि 2014 से 2022 के बीच आम आदमी पार्टी को विदेशों से बड़ी संख्या में विदेशी फंडिंग हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक पार्टी को अमेरिका, कनाडा, न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया, सउदी अरब, यूएई, कुवैत और ओमान से फंड मिला है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी)

ने सोमवार को केंद्रीय गृह मंत्रालय को पत्र लिखकर कहा कि आम आदमी पार्टी (आपा) ने कथित तौर पर विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम (एफसीआरए) का उल्लंघन करके 7 करोड़ रुपए से अधिक की विदेशी धनराशि प्राप्त की। कई मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि ड्रग्स से संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग जांच में पंजाब के पूर्व आप विधायक सुखपाल सिंह खैरा और अन्य शामिल हैं। ईडी ने 2021 में जांच शुरू की और खैरा को गिरफ्तार कर लिया, जो बाद में कांग्रेस में शामिल हो गए हैं।

ईडी ने गृह मंत्रालय को बताया कि आपा को 7.08 करोड़ रुपए की फंडिंग हुई। पार्टी ने यह फंड हासिल कर एफसीआरए, आरपीए और आईपीसी का उल्लंघन किया है। इतना ही नहीं पार्टी ने दान देने वालों की पहचान को छिपाया, उससे छेड़खानी की और गलत पहचान बताई। ईडी के आरोप पर आम आदमी पार्टी का भी बयान आया है। दिल्ली सरकार में मंत्री आतिशी ने कहा कि शराब घोटाले और स्वाति मालीवाल प्रकरण फेल होने के बाद अब भाजपा ये नया मामला लाई है। कल एक और मामला आएगा। इस से साफ जाहिर है भाजपा दिल्ली और पंजाब की सभी बीस सीट हार रही है। ये सब चलने वाला नहीं है। मोदी जी से जनता बहुत नाराज है। ये ईडी नहीं भाजपा की कार्यवाही है। ये कई साल पुराना मामला, जिस पर सारे जवाब ईडी, सीबीआई, गृह मंत्रालय और चुनाव आयोग को दिए जा चुके हैं।

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 29^0

न्यूनतम : 22^0

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

प्रेरणा महिला साहित्यिक मंच ने नौवां वार्षिकोत्सव मनाया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

प्रेरणा महिला साहित्यिक मंच ने अपने दोनों शाखाओं प्रेरणा लोकमंच एवं प्रेरणा बाल प्रतिमा प्रतिभा मंच के साथ रविवार को शोभा अपार्टमेंट के सभागार में नौवां वार्षिकोत्सव बहुत ही धूमधाम से मनाया। कार्यक्रम दो सत्रों में हुआ।

प्रथम सत्र की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार उर्मिला श्रीवास्तव उर्मी ने की तो बतौर मुख्य अतिथि शिक्षाविद् कोयल विश्वास थी। बतौर विशिष्ट अतिथि साहित्यकार कविता प्रभा एवं नीलिमा दूबे थी। कार्यक्रम का संयोजन वीणा मेदनी ने किया तो स्वागत गीता चौबे गूँज ने किया। वीणा मेदनी द्वारा मंत्र उच्चारण, बेबी पलोड़ एवं वल्लरी पलोड़ के द्वारा राष्ट्रीय गीत एवं कमल अरोड़ा की सरस्वती वंदना से कार्यक्रम की शुरुआत हुई। सर्वप्रथम सम्मान समारोह हुआ, जिसमें प्रेरणा साहित्य शिरोमणि सम्मान 2024 डॉक्टर मंजू रूस्तगी, प्रेरणा शिखर सम्मान 2024 डॉक्टर सुनील परीट, प्रेरणा साहित्य सम्राट सम्मान 2024 पूनम मनु, प्रेरणा साहित्य सारथी सम्मान 2024 विभा रानी श्रीवास्तव एवं सुधा भार्गव, प्रेरणा साहित्य सारस्वत सम्मान 2024 प्रतीक्षा तिवारी, प्रेरणा महादेवी वर्मा स्मृति सम्मान 2024 डॉक्टर शुभदा पांडे, प्रेरणा प्रेमचंद स्मृति सम्मान 2024 पवित्रा अग्रवाल, प्रेरणा दुष्यंत कुमार स्मृति सम्मान 2024 पंकज कर्ण, प्रेरणा साहित्य रत्न सम्मान 2024 अलका गुप्ता, प्रेरणा साहित्य प्रहरी सम्मान 2024 अनुपमा अनुश्री एवं यशोधरा भटनागर, प्रेरणा बाल प्रतिभा, किशोर प्रतिभा सम्मान 2024 काशवी दत्ता एवं नीतिका निधि, मातोश्री राजो देवी स्मृति सम्मान 2024 मंजू बंसल, पिताश्री राधा रमण प्रसाद स्मृति सम्मान 2024 देवानंद साहा, प्रेरणा साहित्य चेतना सम्मान 2024 डॉ राम प्रकाश तिवारी, पुष्पा पांडे, गोविंद पाल, सुमित्रा गुप्ता, भगवती सक्सेना गौड़, रितु अग्रवाल, सुमन झा, संध्या तिवारी, डॉक्टर लता अग्रवाल तुलजा, डॉक्टर सुधा दीक्षित, उमा विश्वकर्मा, डॉ कनकलता तिवारी, रुणा रश्मि दीप्त, अपराजिता रंजना, डॉक्टर संध्या जावली एवं प्रेरणा साहित्य साधक सम्मान 2024 गीता चौबे गूँज एवं गीता सिन्हा गीतांजलि को दिया गया। यह सम्मान प्रविष्टियों के आधार पर चयनित किया गया था।

निर्णायक मंडल में रचना उनियाल, मंजु गुप्ता लता, भाऊ राव महंत, भारती जैन, मेघा राठी, प्रो लता चौहान, डॉ शशि मंगल एवं निर्मला कर्ण थी। निर्णायक मंडल को सम्मानित किया गया। रचना उनियाल एवं मंजु लता गुप्ता ने निर्णय लेने के अनुभव को बताया। साथ ही संस्था की स्मारिका एवं भगवती सक्सेना गौड़ द्वारा अनुवादित पुस्तक पंकज का विमोचन हुआ। दूसरे सत्र में कविता पाठ हुआ। जिसकी अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार ज्ञानचंद मर्मज्ञ ने की एवं विशिष्ट अतिथि साहित्यकार रघुवीर अग्रवाल थे। सामूहिक राष्ट्रगान सहित कार्यक्रम संपन्न हुआ।

श्री अखिल भारतीय जैन संस्कृति रक्षक संघ का चुनाव सम्पन्न

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री अखिल भारतीय जैन संस्कृति रक्षक संघ, कर्नाटक शाखा के त्रिवार्षिक चुनाव चामराजपेट स्थित श्री सुधर्मा पौषधशाला भवन में संपन्न हुई। चुनाव पर्यवेक्षक के रूप में हैदराबाद से रुपचंद कटारिया और विशाखापत्तनम से नवरतन सिंघवी पधारें। निर्विरोध रूप से सुधर्म श्रावक संघ, कर्नाटक शाखा के अध्यक्ष महेन्द्र बांठिया और विजय राज भंसाली महामंत्री चुने गए। यह जानकारी सुधर्म प्राध्यापक शुभम मास्टर ने दी।

अभिनव सामायिक एवं सघन निवृत्ति साधना शिविर का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

आचार्य श्री महाश्रमणजी के संयम पर्याय के 50 वर्ष की परिसंपन्नता के उपलक्ष में राजराजेश्वरी नगर, तेरापंथ भवन में अभिनव सामायिक एवं सघन निवृत्ति साधना शिविर का आयोजन साध्वी सिद्धप्रभाजी एवं साध्वी उदितयशा जी के सानिध्य में किया गया। जिसमें साधक-साधिकाओं की संख्या ने एक माला के मनकों (108) को भी पार कर दिया। प्रातः 9 बजे से 1 बजे तक चले इस शिविर को 4 जोन में बांटा गया। जैसे प्रथम जीवन निर्माण जोन में साध्वी संगीतप्रभा जी ने आचार्य महाश्रमण की साधना की पराकाष्ठा की चर्चा करते हुए उनके जीवन के उन प्रसंगो को सुनाते हुए सबको भाव विभोर कर दिया। छोटे-छोटे संकल्पों के साथ श्रावकों को जोड़ा। दूसरे प्रेरक जोन में साध्वी भव्ययशाजी ने रोचक प्रयोग करवाये। मैत्री की अनुप्रेक्षा का प्रयोग चारां दिशाओं में सभी प्राणियों के साथ क्षमायाचना करवाई। कायोत्सर्ग के द्वारा भेद विज्ञान का अभ्यास कराया गया। तीसरे समाधि जोन में साध्वी उदितयशा जी ने असमाधि के कारणों तथा परिवार में पैदा होने वाले प्रसंगों की चर्चा करते हुए समाधि के लिए आत्मावलोकन के प्रयोग करवाए। चौथे जिज्ञासा-समाधान जोन में साधक-साधिकाओं की साधना के मार्ग में आने वाली समस्याओं से संबंधित जिज्ञासाओं का समाधान दिया। प्रेरणापाथेय जोन में साध्वी सिद्धप्रभाजी ने सभी को साधना के क्षेत्र में आगे बढ़ते रहने के लिए सतत अभ्यास की प्रेरणा दी। अध्यक्ष छतरसिंह सेठिया ने इसे एक अद्भुत साधना बताया। 4 घंटे चले इस शिविर में श्रावक समाज का उत्साह उल्लेखनीय था।

जप व सामायिक से उपाध्याय श्री केवलमुनिजी की 30वीं पुण्यतिथि मनाई

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

गुरु केवल भक्त परिवार द्वारा साहित्यकार कविरत्न उपाध्याय श्री केवलमुनिजी की 30वीं पुण्यतिथि सामूहिक जाप, सामायिक साधना व गुरुगुणगान के साथ दोड्ड निकुंदी स्थित श्री बेंगलूरु गौ रक्षण शाला के प्रांगण में उत्साह पूर्वक पूज्य गणेशलालजी की सुशिष्या साध्वी सुशीलकंवरजी, साध्वी चैतन्यश्रीजी की पावन निश्रा में मनाई गई। धर्म सभा का संचालन करते हुए अरुणा चौरड़िया ने उक्त आयोजन की प्रारंभिक भूमिका रखने के साथ उपाध्याय केवलमुनिजी को हित शिक्षा प्रेरक, सम्यक् ज्ञान का प्रचारक तथा नारी शिक्षा उत्थान का मसीहा बताया।

कार्यक्रम का शुभारंभ पूज्य महासती वृन्द के नवकार महामंत्र के उच्चारण से हुआ। मंगलाचरण गीत लेखा कोठारी ने व्यक्त किया। पूज्य महासती सुबोधिश्री जी व महासती धृतिश्रीजी द्वारा मारवाड़ी तर्ज पर सुमधुर गीतिका प्रस्तुत की गई। चिक्कबल्लापुर निवासी उत्तमचन्द कोठारी ने समस्त गुरु भक्त परिवार की तरफ से स्वागत भाषण प्रस्तुत किया एवं ओजस्वी गुरु गुण गीतिका प्रस्तुत की। शांतिनगर बेंगलूरु की कल्पना मुथा ने गुरु महिमा गीत सुन्द तरीके से प्रस्तुत किया। बेंगलूरु के वरिष्ठ स्वाध्यामी प्रवक्ता गौतमचन्द ओस्तवाल (मोक्षद्वार) ने पूज्य उपाध्याय केवलमुनिजी के बहुआयामी व्यक्तित्व का बखान करते हुए बेंगलूरु सिटी चिकपेट के सन 1992 व हलसूर बेंगलूरु के 1993 के चातुर्मास की स्मृति गुणग्राही ढंग से प्रस्तुत की। पुण्योत्सव कार्यक्रम के लाभार्थी सिरेमल पानीबाई मुथा, मोहनलाल, तरूणकुमार मुथा की स्मृति में मैनाबाई मुथा, कल्पना - महावीरचन्द मुथा, उषा-राजेशकुमार मुथा, जागृति-शंखेशजी मुथा, ध्वनि आदि समस्त मुथा परिवार बंगड़ीनगर, शांतिनगर-बेंगलूरु का परिचय देते हुए कहा कि महासतीवृन्द लम्बा विहार कर, महति कृपा करके पधारें। गुरु केवल भक्त परिवार ने यह सुअवसर प्रदान किया। अनेक संघों को शुभकामनाएं प्राप्त हुई। बेंगलूरु गौरक्षण शाला का आभार माना, शांतिनगर पधारने की विनंती की। इस प्रसंग पर गुरु केवल भक्त परिवार द्वारा विहार सेवी टीमों का स्वागत सम्मान किया एवं प्रशस्ति पत्र का वाचन अभय कुमार बांठिया ने किया। इस प्रसंग पर रायचन्द छाजेड, किशनलाल कोठारी, प्रकाशचन्द मुथा, महावीरचन्द मरलेचा, प्रेमचन्द कोठारी, नेमीचन्द चोरड़िया, तखतराज बाफणा, अशोककुमार धोका, पदमचन्द आच्छा, संपतराज धारीवाल, महावीरचन्द धारीवाल, गौतमचन्द धारीवाल, रिखबचन्द मेहता, राममूर्तिनगर से सिंघवी उत्तमचन्द मुथा, गुलाबचन्द पगारिया, पन्नालाल कोठारी, प्रेमचन्द खींचा आदि अनेक श्रद्धालुगण अच्छी संख्या में उपस्थित हुए। लामार्थी मुथा परिवार के मैनाबाई मोहनलाल मुथा एवं महावीरचन्द मुथा आदि का भी सम्मान किया गया।

आदिनाथ जैन सर्वोत्तम सेवा मंडल का चुनाव सम्पन्न

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री आदिनाथ जैन श्वेताम्बर मंदिर ट्रस्ट चिकपेट के अंतर्गत चल रही संस्था श्री आदिनाथ जैन सर्वोत्तम सेवा मंडल का चुनाव सोमवार को निर्विरोध एवं निर्विघ्न पूर्वक सम्पन्न हुआ। नए सदस्यों में अध्यक्ष रमेश कर्नावट, उपाध्यक्ष प्रकाश सुंदेशा मूथा, सचिव कैलाश बंधा मूथा, सहसचिव तुषार सोलंकी और कोषाध्यक्ष के रूप में महेंद्र चौहान को नियुक्त किया गया।

महिला को गोद में बैठाकर बाइक चलाने के आरोप में एक व्यक्ति गिरफ्तार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शहर में रविवार को एक 21 वर्षीय व्यक्ति को एक महिला, कथित तौर पर उसकी मंगेतर, को अपनी गोद में बैठाकर बाइक चलाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया।

हेब्बल फ्लाईओवर पर हुई यह घटना स्टंट का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद सामने आई। सोशल मीडिया यूजर्स ने वायरल पोस्ट के तहत बेंगलूरु पुलिस को टैग किया और उनसे कार्रवाई करने का आग्रह किया।

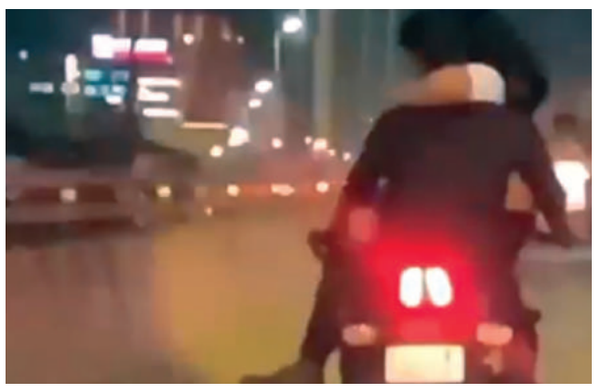

वीडियो में, आदमी को तेज गति से बाइक चलाते देखा जा सकता है और महिला उसकी गोद में बैठी है, दोनों बिना हेलमेट के हैं।

सीसीटीवी फुटेज देखने के बाद पुलिस ने बाइक के नंबर प्लेट के जरिए उस शख्स का पता लगाया। सवार की पहचान शामपुरा के एमवी लेआउट निवासी 21 वर्षीय सिलंबरसेन के रूप में हुई। येलहंका पुलिस ने सिलंबरसेन के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 279 (तेजी से या लापरवाही से गाड़ी चलाना ताकि मानव जीवन को खतरे में डालना) समेत अन्य धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है।

बाइक-टिपर ट्रक की टक्कर में एक की मौत, दो घायल

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

जिले के करकला तालुक के पल्ली गराडी के पास सोमवार को एक बाइक और टिपर ट्रक के बीच हुई दुर्घटना में बाइक सवार की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतक की पहचान खबर लिखने तक नहीं हो पाई थी।

घायल व्यक्तियों की पहचान नेपाली मूल के प्रसन्ना (26) और बेचन डिसूजा (26) के रूप में की गई है। बताया गया है कि क्रशर साइट से आ रहे टिपर ट्रक चालक की तेज रफ्तार इस दुखद दुर्घटना का कारण है। मृतक के शव को करकला सरकारी अस्पताल ले जाया गया। करकला शहर पुलिस ने घटनास्थल का दौरा किया और मामला दर्ज किया। आगे की जांच पड़ताल जारी है।

वृद्धाश्रम में सेवा कार्य

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। तेरापंथ युवक परिषद् राजराजेश्वरी नगर ने अपने सामाजिक दायित्व के तहत तारा ओल्ड एज होम राजराजेश्वरी नगर में निवासित निराश्रितों को पवन भूरा परिवार बेंगलूरु के सहयोग से भोजन करवाया। कार्यक्रम का शुभारम्भ सामूहिक नमस्कार महामंत्र के संगान के साथ किया। परिषद मंत्री धर्मेश नाहर ने प्रायोजक परिवार का स्वागत एवं सम्मान किया। पवन भूरा ने परिषद् द्वारा आयोजित सेवा कार्य की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार का सेवा कार्य कर मन को प्रसन्नता होती है। इस अवसर पर परिषद् से मंत्री धर्मेश नाहर, सह मंत्री सरल पटावरी ने अपने समय का विसर्जन कर सेवा कार्य में सहयोग दिया। साथ ही भूरा परिवार का आभार व्यक्त किया गया।

साल एक समस्याएं एक सौ एक : आर.अशोक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विपक्षी दल के नेता आर. अशोक ने कांग्रेस सरकार के एक साल पूरे होने पर कहा कि अलविदा-अलविदा कहने का मतलब यह नहीं है कि उनकी सरकार का कार्यकाल खत्म हो गया है। मल्लेश्वरम में भाजपा के राज्य कार्यालय जगन्नाथ भवन में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, उन्होंने विश्लेषण किया कि यदि आप उनके चेहरे को देखते हैं, तो ऐसा लगता है जैसे वह सरकार के आखिरी कार्यकाल का सामना कर रहे हैं। कांग्रेस सरकार का एक साल ठगों के लिए खुशी भरा है। एक वर्ष में एक सौ एक समस्याएं पैदा हुई हैं। कांग्रेस की सरकार आई, लेकिन लोगों के चेहरे पर कोई खुशी नहीं है। लोग हिसाब लगा रहे हैं कि कांग्रेस ने कितने करोड़ लूटे। नेहा, मीना, अंजलि ने जान गवा दिया। उन्होंने कहा, हमारी बेटियां उत्सुकता से इंतजार कर रही हैं कि अगला कौन होगा। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई विजयेंद्र, भाजपा प्रदेश मुख्य प्रवक्ता अश्वथ नारायण उपस्थित थे।

जैन शासन स्थापना दिवस मनाया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। वैशाख सुद ग्यारस यानी जैन धर्म के शासन का स्थापना दिवस, जिस दिन चतुर्विध संघ की स्थापना श्री महावीर स्वामी प्रभु ने की थी। इस दिन से 24वें तीर्थंकर प्रभु श्री महावीर स्वामी का शासन प्रारंभ हुआ था। इसके पहले 23वें तीर्थंकर श्री पार्श्वनाथ प्रभु का शासन था। इस बार बेंगलूरु महासंघ से बेंगलूरु के सभी संघों को चिकपेट पेढ़ी से धर्मचक्र युक्त पंचरंगी ध्वज लहराने की भी प्रेरणा दी गई थी, जिसके चलते तकरीबन 25 संघों ने इस दिन को उत्सव के रूप में मनाया। श्री आदिनाथ जैन श्वेताम्बर संघ चिकपेट के अंतर्गत कार्यरत अर्हम्-ग्रुप के युवाओं ने ध्वज पहुंचाने में, जागृति लाने में और कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए खूब मेहनत की। चिकपेट श्रीसंघ से प्रभात फेरी का आयोजन किया गया। तपस्वी प्रवर्तक मुनिराज श्री बोधिप्रभविजयजी और साध्वी श्री अरिहंतप्रभाश्रीजी ने निश्रा प्रदान की। संगीतकार अमन भाई और संवेदनाकार तरुण भाई को आमंत्रित किया गया था। भद्रंकरप्रभविजयजी ने शासन स्थापना का महत्व बताया। सरगम ग्रुप ने ढोल नगाड़ों के साथ प्रभात फेरी में योगदान दिया। श्री आदिनाथ जैन श्वेताम्बर संघ, चिकपेट और बेंगलूरु महासंघ के अध्यक्ष ने सभी की अनुमोदना की और साधार्मिकों के उत्थान की बात कही।

एक साल में गारंटी के अलावा आपने और क्या हासिल किया: कुमारस्वामी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी ने आलोचना करते हुए कहा कि राज्य की कांग्रेस सरकार एक साल से आईसीयू में है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के कार्यकाल का एक साल पूरा हो गया है। उन्होंने सवाल किया कि सरकार ने 5 गारंटी के अलावा और क्या हासिल किया है। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा कि मीडिया में पांच गारंटी का विज्ञापन करना और दूसरी ओर केंद्र सरकार के खिलाफ रोजाना लड़ना एक और उपलब्धि है। राज्य में भीषण सूखे की मार झेल रहे किसानों को हिम्मत देने का काम नहीं किया गया। ऐसा कहीं देखने को भी नहीं मिला। उन्होंने कहा कि आज एक किसान ने आत्महत्या की है। सुनने में आ रहा है कि सूखा राहत के लिए दिया गया पैसा किसानों द्वारा लिए गए कर्ज में उड़ाया जा रहा है। दुग्ध उत्पादकों को प्रोत्साहन के रूप में 600 से 700 करोड़ का भुगतान नहीं किया गया। कई विभागों में दो-तीन माह से वेतन का भुगतान नहीं हुआ है। उन्होंने सवाल किया कि प्रभारी मंत्री ने संबंधित जिलों में कितनी बैठकें कीं और अधिकारियों को प्रशासन और विकास की प्रगति के संबंध में निर्देश दिए।

भूमि पूजा का भी कोई उदाहरण नहीं

पिछले एक साल में राज्य सरकार का प्रदर्शन शून्य : बीवाई विजयेन्द्र

8-10 महीने से डेयरी सब्सिडी भी नहीं दी गई

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई.विजयेंद्र ने आरोप लगाया कि पिछले एक साल में राज्य सरकार का प्रदर्शन शून्य रहा है। मल्लेश्वरम में भाजपा के राज्य कार्यालय जगन्नाथ भवन में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि पिछले एक साल में एक भी विकास परियोजना शुरू नहीं की गई है। उन्होंने आपत्ति जताई कि भूमि पूजा का भी कोई उदाहरण नहीं है। राज्य में स्पष्ट बहुमत के साथ सत्ता में आने पर कांग्रेस नेताओं को काफी उम्मीदें जगी थीं। इस सरकार के आने के बाद लोगों को काफी विकास कार्य होने की उम्मीद जगी थी। कांग्रेसी अपनी पीठ यह कहकर थपथपा रहे हैं कि यह सरकार जैसा कहती है वैसा ही काम करती है। वे विज्ञापन के माध्यम से खुद को बढ़ावा देने और विकास को चित्रित करने का काम कर रहे हैं। मुख्यमंत्री और मंत्री प्रदेश की कांग्रेस सरकार की एक साल की उपलब्धि का बखान कर रहे हैं। वहीं उन्होंने विश्लेषण करते हुए कहा कि भाजपा के साथ-साथ इस देश की आम जनता भी कई सवाल पूछ रही है कि राज्य सरकार ने पिछले एक साल में क्या हासिल किया है। विकास को गारंटी के तौर पर पेश किया जा रहा है। सूखे के मामले में सरकार का व्यवहार अक्षम्य अपराध है। विजयेंद्र ने इस बात पर आपत्ति जताई कि किसानों को कभी ऐसा नहीं लगा कि वे चुनी हुई सरकार की जिम्मेदारी और मुख्यमंत्री की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। राज्य में 692 से ज्यादा किसानों ने आत्महत्या की। हालाँकि, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि राज्य सरकार कृषि ऋण और फसल क्षति का मुआवजा देने में गंभीर या जिम्मेदार सरकार के रूप में कार्य नहीं कर रही है। किसानों के प्रति सरकार का उदासीन रवैया दिख रहा है। क्या सरकार ने जिम्मेदारी से काम किया है? उन्होंने मुख्यमंत्री से सवाल किया कि क्या उन्होंने अपनी जिम्मेदारी पूरी की है। 8-10 महीने से डेयरी सब्सिडी भी नहीं दी गई है। गारंटी लागू करने की आपाधापी में विकास को पूरी तरह भुला दिया गया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार आर्थिक कठिनाइयों के भंवर में फंस गयी है। सीएम समेत मंत्री कर्नाटक सरकार को देश के विकास का मॉडल बताने की कोशिश कर रहे हैं। दूसरी ओर, कांग्रेस के एक नेता कह रहे हैं कि हमने असंभव को हासिल कर लिया है। उन्होंने कहा कि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष होने के नाते हमारा कर्तव्य है कि हम इस सरकार की विफलताओं को उजागर करें। यदि आप मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री की बात सुनें, तो वे यह दिखाने की कोशिश कर रहे हैं कि इस राज्य के विकास की गारंटी है।

उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि राज्य सरकार पिछले एक साल में गारंटी का प्रचार-प्रसार कर राज्य के सर्वांगीण विकास का दिखावा करने की कोशिश कर रही है।

विजयेंद्र ने आलोचना करते हुए कहा कि इस सरकार की उपलब्धि यह है कि इसने केंद्र सरकार के साथ टकराव का रास्ता अपनाया है। मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री ने आपत्ति जताई कि राज्य सरकार केंद्र सरकार की आलोचना करने, उल्लू बनकर बैठने, हर मामले में अपनी जिम्मेदारियों से बचने और केंद्र सरकार पर दोष मढ़ने में सफल रही है। राज्य सरकार ने महंगाई का योगदान जनता को दिया है। उन्होंने स्टांप पेपर दरें, बिजली दरें और टिकट शुल्क बढ़ा दिए हैं। जब येदियुरप्पा के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार थी तो किसानों को ट्रांसफार्मर लेने के लिए 25,000 रुपये ही काफी थे। अब राज्य सरकार ने ऐसी स्थिति ला दी है कि इसे लेने के लिए 2.5 लाख से 3 लाख तक खर्च करने पड़ेंगे। उन्होंने इसे एक घटिया फैसला बताते हुए इसकी आलोचना की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार सुखे के दौरान भी किसान विरोधी साबित हुई है। यह दावा करते हुए कि सुप्रीम कोर्ट का आदेश है, उन्होंने तमिलनाडु को अपना धान पकाने के लिए पर्याप्त पानी छोड़ा है। राज्य के किसानों के हितों की अनदेखी करते हुए, तमिलनाडु में पानी छोड़ दिया गया और राज्य के किसानों के बढ़ती फसलों के लिए पानी नहीं था। उन्होंने इस बात पर आपत्ति जताई कि जिन किसानों ने संघर्ष किया उन्हें जेल में डाल दिया गया। उन्होंने किसानों पर घड़ियाली आंसू बहाने वाली सरकार को किसान विरोधी बताया। पूरे देश में ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी यह बात सुनी जा रही है कि कर्नाटक ठगों की सरकार है। राज्य सरकार निष्क्रिय है जबकि हत्या के मामले बढ़ रहे हैं। लव जिहाद मामले में गैरजिम्मेदाराना बयान दिया जा रहा है। सवाल उठता है कि क्या राज्य सरकार ठगों को सशक्त बनाने का काम कर रही है? महिला सुरक्षा को लेकर सवाल खड़ा हो गया है। कोई विकास नहीं। किसानों की कोई चिंता नहीं है।

हत्या में दिन-ब-दिन बढ़ोतरी हो रही

विजयेंद्र ने कहा कि लोग सरकार की गैरजिम्मेदारी के बारे में बात कर रहे हैं, जबकि लव जिहाद और हिंदू कार्यकर्ताओं की हत्या में दिन-ब-दिन बढ़ोतरी हो रही है। हुब्बल्ली कॉलेज परिसर में नेहा की हत्या का मामला, अंजलि के घर में घुसकर हत्या, कोडागु में छात्रा की गला काटकर हत्या, चुनाव के दौरान कार से कुचलकर भाजपा कार्यकर्ता की हत्या का मामला सामने आया है। इस सरकार के आने के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं पर अत्याचार और क्रूरता लगातार बढ़ी है। 3-4 महीने में 450 से ज्यादा हत्या के मामले हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि इससे ऐसी स्थिति पैदा हो गई है कि राज्य को देश के सामने सिर झुकाना पड़ रहा है। अनुसूचित जाति एवं जनजाति के लिए आरक्षित 25 हजार करोड़ की राशि अन्यत्र स्थानांतरित कर अन्याय किया गया है। इतना ही नहीं भाजपा शासन में किसान सम्मान योजना के तहत किसानों को दिए जाने वाले अतिरिक्त 4,000 को भी रोक दिया है।

देवेगौड़ा के बारे में हल्की बात करने वाले पूर्व सांसद शिवराम गौड़ा पर भड़के निखिल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जेडीएस युवा इकाई के प्रदेश अध्यक्ष निखिल कुमारस्वामी ने आरोप लगाया है कि पूर्व सांसद शिवराम गौड़ा ने जिस भी मुद्दे पर बात की है उसमें राज्य सरकार का हाथ है। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि सरकार के एक महत्वपूर्ण व्यक्ति का नाम प्रस्तावित किया गया है। उन्होंने कहा कि जिस ऑडियो में शिवराम गौड़ा ने बात की है, उसमें पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा के बारे में हल्की-फुल्की बात कही है। राजनीति अलग है। लेकिन उन्होंने इस बात पर नाराजगी जताई कि किसी की मौत की कामना करना उनकी संस्कृति लगती है। कुछ लोग चुनाव में समझौता कर लेते हैं। इसका भी खुलासा किया जायेगा। लेकिन हमारे पिता पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी ने कभी ऐसा नहीं सोचा था। वह हमेशा राज्य की जनता के बारे में सोचते हैं। कई लोग समायोजित हो गए हैं और अच्छी स्थिति में हैं। उन्होंने कहा कि हमारे यहां ऐसी कोई समायोजन संस्कृति नहीं है। उन्होंने पेन ड्राइव मामले पर टिप्पणी करते हुए कहा कि पीड़ित महिलाओं के चेहरे धुंधले नहीं थे। राजनीति के लिए ऐसा करना ठीक नहीं है। पेन ड्राइव लीक करने वाले की जांच क्यों नहीं हो रही? इसमें कौन शामिल है इसका पता लगाना और कानूनी कार्रवाई करना सरकार का कर्तव्य है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पारदर्शी जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इस मामले के सभी आरोपियों को एसआईटी जांच का सामना करना चाहिए।

वर्षा आपदा की आशंका वाले 47 संवेदनशील इलाकों पर नजर: तुषार गिरिनाथ

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बीबीएमपी के मुख्य आयुक्त तुषार गिरिनाथ ने सोमवार को कहा कि हम शहर के 47 संवेदनशील इलाकों पर बारीकी से काम करेंगे जहां बारिश के मौसम में बहुत सारी आपदाएं होती हैं। उन्होंने कहा कि शहर के 74 हिस्सों में सबसे ज्यादा बारिश की आपदाएं हो रही हैं, जिनमें से 47 इलाकों में पानी न रुके, इसके लिए कर्मियों को तैनात किया गया है, जिन्हें अत्यधिक संवेदनशील क्षेत्रों के रूप में पहचाना गया है। बारिश रुकने के बाद निचले इलाकों में जमा पानी को पंप सेट के माध्यम से बाहर निकाला जायेगा और किसी भी इलाके में पानी जमा न हो, यह सुनिश्चित करने का निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिया गया है। उन्होंने यलहंका के विभिन्न इलाकों का दौरा और निरीक्षण करते हुए संवाददाताओं से बात की, जहां रविवार की बारिश के कारण बारिश का पानी घरों में घुस गया। यहां के कुछ विला में भी पानी भर गया है। सुबह पंप लगाकर पानी निकाला गया। वर्तमान में राजकालुवे का निर्माण पुत्तेनहल्ली झील क्षेत्र में किया जा रहा है। इस पृष्ठभूमि में, यह पुट्टेनहल्ली झील बीबीएमपी के दायरे में नहीं आई है। उन्होंने बताया कि यह वन विभाग का है। इसी मौके पर उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा कि बाढ़ से घिरे किसी भी विला पर अतिक्रमण नहीं हुआ है। पिछले 15 दिनों की बारिश में शहर में 5500 गड्ढे हो गए हैं। बरसात के मौसम में गड्ढे को बंद करना संभव नहीं है। उन्होंने बताया कि 66 स्थानों पर बड़े-बड़े गड्ढे हैं। बारिश के कारण सड़क पर बने गड्ढे अब मिट्टी से ढक गए हैं। उन्होंने कहा कि बारिश रुकते ही गड्ढे को तारकोल से ढक दिया जायेगा।

यौन शोषण मामले में पूर्व मंत्री एचडी रेवन्ना को बड़ी राहत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

हासन जिले के होलेनरसीपुर की एक महिला के साथ कथित यौन उत्पीड़न के मामले में अदालत ने पूर्व मंत्री एचडी रेवन्ना को सशर्त जमानत दे दी है। बेंगलूरु की 42वीं एसीएमएम कोर्ट के जस्टिस जे. प्रीत ने सोमवार को सुरक्षित फैसला सुनाते हुए 5 लाख और एक जमानतदार मुहैया कराने का निर्देश देते हुए जमानत दे दी। मैसूरु जिले के केआर नगर तालुक में एक महिला के अपहरण और बलात्कार के मामले में अदालत पहले ही रेवन्ना को जमानत दे चुकी है। अब दोनों मामलों में रेवन्ना को कोर्ट से जमानत मिल गई है इसलिए वह फिलहाल पुलिस हिरासत से मुक्त हैं। पिछले शुक्रवार को रेवन्ना की ओर से बहस करने वाले वरिष्ठ वकील नागेश ने कहा कि उनके मुवक्किल के खिलाफ पुलिस द्वारा दर्ज किए गए सभी मामले जमानती मामले हैं। उन्होंने कहा कि वह जांच में सहयोग कर रहे हैं और कहीं भी सुनवाई में शामिल हुए। प्रथम दृष्टया मामला राजनीति से प्रेरित प्रतीत होता है।

देवेगौड़ा के खिलाफ शिवराम गौड़ा के अपमानजनक बयान के खिलाफ प्रदर्शन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जेडीएस ने सोमवार को शहर के फ्रीडम पार्क में कुवेम्पु प्रतिमा के पास विरोध प्रदर्शन किया, जिसमें आरोप लगाया गया कि पूर्व सांसद शिवराम गौड़ा ने पूर्व प्रधान मंत्री एचडी देवेगौड़ा के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की थी। बेंगलूरु शहर में जेडीएस द्वारा किए गए विरोध प्रदर्शन में प्रदर्शनकारियों ने शिवराम गौड़ा और उपमुख्यमंत्री डी.के.शिवकुमार के खिलाफ नारे लगाए। आरोप था कि डीके शिवकुमार ने शिवराम गौड़ा को देवेगौड़ा के खिलाफ अपमानजनक

बयान देने के लिए प्रोत्साहित किया था। शिवराम गौड़ा और शिवकुमार के खिलाफ लिखी तख्तियां प्रदर्शित की गईं। बेंगलूरु महानगर जेडीएस इकाई के अध्यक्ष एचएम रमेश गौड़ा, पार्टी नेता टीएन जवराई गौड़ा, गोपाल, रेवन्ना, शैला, कन्याकुमारी और अन्य ने विरोध प्रदर्शन किया और अपना गुस्सा निकाला और शिवराम गौड़ा का पुतला जलाया। वकील देवराजे गौड़ा से फोन पर बात करते हुए शिवराम गौड़ा की देवेगौड़ा के बारे में अपमानजनक बात कहने के लिए निंदा की गई।

प्रज्वल रेवन्ना जहां भी हों वापस आएं: कुमारस्वामी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी ने खुला आह्वान किया है कि सांसद प्रज्वल रेवन्ना को अपने देश वापस आना चाहिए और एसआईटी जांच में सहयोग करना चाहिए। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए उन्होंने कहा कि मैं पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा की ओर से यह खुला आह्वान कर रहा हूं। उन्होंने कहा कि वह अगले 24 घंटे या 48 घंटे के अंदर वापस आएं और जांच का सामना करें। इस देश के कानून से ऊपर कोई नहीं है। उन्होंने कहा कि जो आरोप सुने गए हैं उनकी सच्चाई जांच से सामने आनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अश्लील पेन ड्राइव बांटने का आरोप है और इसके वितरण के पीछे केपीसीसी अध्यक्ष डीके शिवकुमार का हाथ है, इसका खुलासा पूर्व सांसद शिवराम गौड़ा और वकील देवराजे गौड़ा के बीच हुई बातचीत से हुआ। हमारे आसपास के 45 लोगों के फोन टैप किए जा रहे हैं। पूर्व मंत्री एचडी रेवन्ना का नाम उछाला जा रहा है। प्रज्वल पर लगे आरोप की भनक लगते ही पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा को काफी नुकसान उठाना पड़ा और वह राज्यसभा सीट से इस्तीफा देने वाले थे। उन्होंने कहा कि मैंने उन्हें आश्वस्त किया है कि राज्य की भलाई के लिए आपको राज्यसभा में होना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर वह यह साबित कर दें कि मैने अपने मुख्यमंत्री कार्यकाल के दौरान सत्ता का दुरुपयोग किया है तो राजनीति से संन्यास ले लेंगे। उन्होंने मांग की कि अगर एसआईटी से पारदर्शी जांच करनी है तो शिवराम गौड़ा और शिवकुमार के खिलाफ मामला दर्ज किया जाना चाहिए।

वादे के मुताबिक काम करते हुए हमने एक साल पूरा कर लिया: सीएम

कन्नड़वासियों को दिल से धन्यवाद

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने जैसा कहा था वैसा ही किया है। लेकिन उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य भाजपा नेताओं ने केंद्र सरकार के साथ मिलकर हमारी ताकत को कमजोर करने की कोशिश की है। उन्होंने राज्य सरकार के एक साल पूरे होने पर सोशल मीडिया पर अपनी राय साझा की और राज्य के सात करोड़ कन्नड़वासियों को दिल से धन्यवाद दिया, जिन्होंने एक साल तक हमारी सरकार का सफलतापूर्वक नेतृत्व किया। यह राज्य के मतदाताओं की चेतना है कि उन्होंने कांग्रेस पार्टी पर भरोसा किया और सरकार बनाने के लिए स्पष्ट बहुमत दिया ताकि असुरक्षा का कोई डर न रहे। जब हमने भ्रष्टाचार, कुशासन और सांप्रदायिकता से पंगु हो चुके राज्य के प्रशासन को पटरी पर लाने की बड़ी जिम्मेदारी अपने कंधों पर उठाई तो हमें बोझ का

एहसास हुआ। जनता से किया वादा पूरा करने के लिए हमें संघर्ष करना पड़ा।

हमारे हाथों को कमजोर करने के लिए प्रदेश भाजपा द्वारा केंद्र सरकार के साथ मिलकर हरसंभव प्रयास किये गये हैं। ऐसी चुनौतियों के बावजूद, हमने अपनी पांच गारंटी लागू की हैं और अपना वादा निभाया है। हमारा संकल्प सिर्फ योजनाओं की गारंटी देना नहीं है, बल्कि विकास के रथ को गारंटी से आगे ले जाकर प्रदेश को खुशहाल और आत्मनिर्भर बनाना है। हमारे विपक्षी दल, जो उपलब्धि के बल पर हमारा मुकाबला नहीं कर सकते, वे जाति-धर्म को राजनीति का आधार बनाकर हम पर हमला कर रहे हैं।

मेरा एकमात्र अनुरोध यह है कि राज्य के बुद्धिमान लोगों को इस विभाजनकारी और विनाशकारी एजेंडे का शिकार नहीं बनना चाहिए और राज्य को सभी जातियों के लिए शांति का उद्यान बनाए रखने में सहयोग करना चाहिए। राज्य का सर्वांगीण विकास हम पर छोड़ दें। उन्होंने वादा किया है कि हम वैसे ही चले हैं जैसे हमने बोला है, हम वैसे ही चल रहे हैं जैसे हमने बोला है, और हम वैसे ही चलते रहेंगे जैसे हमने बोला है। इससे पहले कांग्रेस सरकार के कार्यकाल का एक साल पूरा होने पर बेंगलूरु के प्रेस क्लब द्वारा आयोजित प्रेस से मिलिए कार्यक्रम में बोलते हुए मुख्यमंत्री ने भाजपा के विपक्षी नेता आर अशोक और राज्य भाजपा प्रमुख बी वाई विजयेंद्र पर जमकर निशाना साधा और उनकी आलोचना को खारिज कर दिया। सरकार का खजाना खाली होना उतना ही झूठा और बेबुनियाद है जितना भाजपा के दोनों नेताओं को अर्थव्यवस्था की समझ नहीं है। सिद्धरामैया ने भाजपा नेताओं से यह बताने को कहा कि अगर खजाना खाली है तो कांग्रेस सरकार पिछली बोम्मई शासन की तुलना में बजट परिव्यय कैसे बढ़ा सकती है और आश्चर्य जताया कि विकास कार्यक्रमों को अधिक धन कैसे प्राप्त हुआ। उन्होंने तथ्यों और आंकड़ों को दोहराते हुए कहा हमने विकास कार्यक्रमों का त्याग किए बिना पांच गारंटियों पर पैसा खर्च किया है। उन्होंने बताया कि सरकार ने विकास कार्यक्रमों पर 54,374 करोड़ रुपये के बजट आवंटन के मुकाबले 56,274 करोड़ रुपये खर्च किए हैं, जो कि एक बड़ा आंकड़ा है। उन्होंने कहा कि सरकार ने 16,360 करोड़ रुपये के बजट आवंटन के मुकाबले सिंचाई क्षेत्र पर 18,198 करोड़ रुपये खर्च किए हैं और लोक निर्माण विभाग द्वारा व्यय 8,661 करोड़ रुपये है। उन्होंने भाजपा नेताओं से पूछा कि यदि खजाना खाली है तो सरकार इन परियोजनाओं पर आवंटित धन से अधिक कैसे खर्च कर सकती है।

सभी विभागों में कार्य

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य, शिक्षा, सिंचाई, समाज कल्याण और कृषि सहित सभी विभागों में विकासात्मक कार्य और बजट कार्यक्रम लागू किये जा रहे हैं। सिद्धरामैया ने प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी को चुनौती दी कि वे बताएं कि अन्य भाजपा शासित राज्यों ने एससी/एसटी उपयोजना और जनजातीय उपयोजना अधिनियम को लागू क्यों नहीं किया है, जो कांग्रेस सरकार ने एससी/एसटी को आवंटित करके 1 करोड़ रुपये तक के कार्यों का आवंटन सुनिश्चित करने के लिए किया था। उन्होंने पूछा, झूठ फैलाने के बजाय, मोदी को यह बताना चाहिए कि भाजपा शासित राज्यों ने ऐसा क्रांतिकारी कानून क्यों नहीं लागू किया।

उन्होंने कांग्रेस सरकार पर पिछड़ा वर्ग से आरक्षण छीनकर मुसलमानों को आरक्षण का लाभ देने का झूठा आरोप लगाने के लिए मोदी पर हमला बोला और प्रधानमंत्री को बताया कि चिन्नाप्पा रेड्डी आयोग की सिफारिश के अनुसार पिछले 30 वर्षों से राज्य में मुसलमानों के लिए आरक्षण लागू किया जा रहा है। जब भाजपा राज्य में सत्ता में थी तब भी पिछले दरवाजे से यह आरक्षण जारी रहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने किसी भी समुदाय से आरक्षण नहीं छीना है और बताया कि पिछली बसवराज बोम्मई सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में एक हलफनामा दायर कर घोषणा की थी कि मुसलमानों के आरक्षण से छेड़छाड़ नहीं की जाएगी।

कानून व्यवस्था के लिए एक कुशल गृह मंत्री की आवश्यकता: यतनाल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा विधायक बसवन गौड़ा पाटिल यतनाल ने तंज कसते हुए कहा कि कर्नाटक को कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए एक कुशल गृह मंत्री की जरूरत है। अपने आधिकारिक सोशल नेटवर्क पर पोस्ट करते हुए, उन्होंने कुर्सी पर एक चित्र संलग्न किया और कहा कि एक कुशल गृह मंत्री की आवश्यकता है। उन्होंने परोक्ष रूप से वर्तमान गृह मंत्री डॉ. जी परमेश्वर पर निशाना साधा। उन्होंने वर्तमान मंत्री की कार्यप्रणाली की आलोचना करते हुए कहा कि समाज में अशांति, दंगे, धमकी, हत्या, बलात्कार, अन्याय को दबाने के लिए एक कुशल गृह मंत्री की जरूरत है। इन शब्दों को छोड़कर कड़ी कार्रवाई, कानूनी कार्रवाई अपराधियों की समझ में आने वाली भाषा में होनी चाहिए।

बंगाल में गरजे प्रधानमंत्री मोदी, कहा-

जब दुनिया तेजी से विकास कर रही थी, तब कांग्रेस घोटालों का कीर्तिमान गढ़ रही थी

कांग्रेस के नेतृत्व वाला इंडिया समूह डूबता जहाज

अपनी हार देखकर टीएमसी का गुस्सा चरम पर है

भाजपा को गाली और राज्य के लोगों को दे रहे धमकी

झाड़ग्राम, 20 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को पश्चिम बंगाल के झाड़ग्राम में एक सभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस के नेतृत्व वाले इंडिया समूह को डूबता जहाज करार दिया और भविष्यवाणी की कि सबसे पुरानी पार्टी के नेतृत्व वाले इस गठबंधन का 04 जून को सफाया हो जाएगा। श्री मोदी ने यहां एक चुनावी रैली में कहा, मौजूदा चुनावों में इंडिया समूह बुरी तरह हार रहा है। यह 04 जून को खत्म हो जाएगा और गठबंधन के विघटन की उल्टी गिनती शुरू हो गई है।

पश्चिम बंगाल के सात निर्वाचन क्षेत्रों के लोगों सहित देश के कई हिस्सों में लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण में मतदान के दिन आज श्री मोदी ने दावा किया कि इंडिया समूह की तरह राज्य की सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) भी थकी हुई और हारी हुई लग रही है। श्री मोदी ने कहा, कांग्रेस एक डूबता हुआ जहाज है और टीएमसी के जहाज में भी छेद हो गया है। ये लोग एक-दूसरे पर सवार हो सकते हैं, लेकिन फिर भी डूबना तय है। प्रधानमंत्री ने कांग्रेस पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि वह तीन एजेंडे भ्रष्टाचार, जातिवाद और वंशवाद पर टिकी हुई है। उन्होंने कहा, देश यह नहीं भूला है कि जब दुनिया तेजी से विकास कर रही थी, तब कांग्रेस सरकार घोटालों के रिकॉर्ड बना रही थी। दुनिया के देश हर पल प्रगति कर रहे थे, लेकिन कांग्रेस पार्टी युवा पीढ़ी को पीछे धकेल रही थी।

प्रधानमंत्री ने आरोप दोहराया कि कांग्रेस अब लोगों की संपत्ति छीनकर वोट जिहाद में शामिल लोगों को सौंपने की कोशिश कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया, वे पहले ही कर्नाटक में अनुसूचित जाति (एसटी) अनुसूचित जनजाति (एससी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) का आरक्षण छीनकर मुसलमानों को दे चुके हैं और पूरे देश में इसे दोहराने का प्रयास कर रहे हैं। श्री मोदी ने दावा किया कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा एक चुनावी भाषण में पवित्र संतों और इस्कॉन, रामकृष्ण मिशन और भारत सेवाश्रम संघ जैसे सामाजिक-धार्मिक संगठनों को खुली धमकी देने के तुरंत बाद, रविवार को उत्तर बंगाल के जलपाईगुड़ी में रामकृष्ण मिशन आश्रम पर हमला किया गया था। उन्होंने रामनवमी के दिन की घटनाओं का जिक्र करते हुए कहा, टीएमसी सरकार के तहत दंगे बहुत आम हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि टीएमसी अपने वोट बैंक को खुश करने के लिए रामकृष्ण मिशन, भारत सेवाश्रम संघ के भिक्षुओं पर हमला कर रही है। प्रधानमंत्री ने दोहरे मानदंडों के लिए तृणमूल की खिंचाई करते हुए कहा कि कल तक वह कांग्रेस को गाली दे रही थी और अब वह कह रही है कि वह इंडिया समूह का हिस्सा है। उन्होंने कहा, अपनी आसन्न हार को देखकर टीएमसी का गुस्सा चरम पर है। पश्चिम बंगाल के लोग उन्हें वोट नहीं दे रहे हैं और इसलिए वे भाजपा को गाली दे रहे हैं तथा राज्य के लोगों को धमकी दे रहे हैं।

छत्तीसगढ़ में दर्दनाक सड़क हादसा, पिकअप वाहन खाई में गिरा

18 श्रमिकों की मौत, चार घायल सीएम साय ने जताया शोक

कवर्धा, 20 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कबीरधाम जिले कुकदूर थाना क्षेत्र के बाहपानी गांव के पास सोमवार को पिकअप वाहन पलटने से 18 आदिवासी श्रमिकों की मौत हो गयी तथा चार अन्य घायल हो गये। इस बीच राज्य के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने दुर्घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया है।

बताया जाता है कि सभी आदिवासी श्रमिक तेंदूपत्ता तोड़ने जंगल गये थे, वहां से लौटते वक्त पिकअप वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया और 30 फीट गहरी खाई में में जा गिरा। इस हादसे में 18 लोगों की मौत हो गई और चार मजदूर घायल हो गये। यह दुर्घटना कुकदूर थाना के बाहपाली गांव के पास हुई।

कबीरधाम के पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक पल्लव ने घटना की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस टीम घटनास्थल के लिये रवाना कर दी गई। इस बीच मुख्यमंत्री साय ने इस दुखद घटना पर गहरी संवेदना व्यक्त की है। श्री साय ने एक्स पर लिखा है कबीरधाम जिले के कुकदूर थाना क्षेत्र के बाहपानी गांव के पास पिकअप पलटने से 18 ग्रामीणों के निधन एवं चार के घायल होने का दुःखद समाचार प्राप्त होने पर दुख हो रहा है। घायलों के बेहतर इलाज के आवश्यक निर्देश ज़िला प्रशासन को दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति और उनके परिवार के प्रति गहरी शोक संवेदना व्यक्त करता हूँ। घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करता हूं।

लद्दाख में लेह से अधिक करगिल के मतदाओं ने डाले वोट

जम्मू, 20 मई (ब्यूरो)। पांच अगस्त 2019 को जन्म लेने वाले लद्दाख के नए केंद्र शासित प्रदेश में लेह से ज्यादा मतदान करगिल में हुआ है। लद्दाख में तीन बजे तक 61.26 प्रतिशत मतदान हुआ था। लद्दाख में 577 मतदान केंद्र बनाए गए थे और करीब छह हजार चुनाव एवं और सुरक्षा कर्मी मतदान केंद्रों पर पहुंचे थे। लेह जिले में सियाचिन ग्लेशियर में पाकिस्तान से लगती एलओसी के पास महज 20 किलोमीटर की दूरी पर हानले के फू में भी मतदान केंद्र बनाया गया था। यह समुद्र तल से 15 हजार फीट पर दुनिया में सबसे अधिक ऊंचाई पर मतदान केंद्र बनाया गया था। लद्दाख लोकसभा क्षेत्र के 1,84,803 मतदाताओं में 95,928 मुस्लिम बहुल करगिल से हैं। वहीं, बौद्ध बहुल लेह

जिले में 88,875 मतदाता हैं। इस लोकसभा क्षेत्र के दुर्गम इलाकों तक मतदान कर्मियों को पहुंचाने की चुनौतियां भी ज्यादा थीं।लद्दाख के दो जिला लेह और करगिल में कुल 577 मतदान केंद्र स्थापित किए गए थे। लद्दाख के सीईओ एम मरालकर यतिंद्र ने खुद कई मतदान केंद्र पर जाकर मतदान का जायजा लिया। साथ लोगों को अधिक से अधिक संख्या में वोट करने की अपील की थी। वारशी गांव में महज एक परिवार के लिए एक विशेष मतदान केंद्र बनाया गया था! लद्दाख के सुदूर वारशी गांव में महज एक परिवार के लिए विशेष मतदान केंद्र बनाया गया था जिसमें पांच मतदाता थे और सोमवार को पांच मतदाताओं ने अपने मत का प्रयोग किया। इस सीट के लिए महज तीन उम्मीदवार ही मैदान में हैं। भाजपा ने मौजूदा सांसद की जगह ताशी ग्यालसन और कांग्रेस ने त्सेरिंग नामग्याल को मैदान में उतारा है। वहीं, करगिल से स्वतंत्र उम्मीदवार हाजी हनीफा जान चुनाव लड़ रहे हैं। लद्दाख निर्वाचन क्षेत्र में 182,571 पंजीकृत मतदाता हैं और 2019 के चुनावों में लद्दाख में सराहनीय 76.4 प्रतिशत मतदान हुआ था।

केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के लेह संसदीय सीट पर तीन उम्मीदवारों के बीच टक्कर है। भाजपा ने सीटिंग एमपी की जगह ताशी ग्यालसन और कांग्रेस ने त्सेरिंग नामग्याल को मैदान में उतारा। जबकि करगिल से स्वतंत्र उम्मीदवार हाजी हनीफा जान को नेशनल कांफ्रेंस, कांग्रेस और करगिल डेमोक्रेटिक एलायंस का समर्थन हासिल है। लद्दाख प्रदेश के लेह जिले में पुरुष मतदाताओं के मुकाबले महिलाएं अधिक हैं। जिले लेह में 75 ऐसे मतदान केंद्र हैं, जहां मतदान करवाने की पूरी जिम्मेवारी महिलाओं के हाथ में थी। लद्दाख में महिलाएं हमेशा मजबूत रही हैं। साल 1977 में लोकसभा चुनाव में पार्वती देवी वांग्मो जीतकर क्षेत्र से पहली महिला सांसद बनी थी। सभी चुनावों में महिलाओं की सक्रिय भूमिका रही है

यौन उत्पीड़न मामले में रेवन्ना की जमानत मंजूर

बेंगलुरू, 20 मई (एजेंसियां)। कर्नाटक में बेंगलुरु की एक अदालत ने हाई-प्रोफाइल यौन उत्पीड़न मामले में जनता दल-सेक्युलर (जद-एस) विधायक एवं राज्य के पूर्व मंत्री एचडी रेवन्ना की जमानत याचिका को सोमवार को मंजूरी दे दी। जद-एस नेता को पहले 42वें अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट कोर्ट से अंतरिम राहत मिली थी। आज के सत्र में, न्यायाधीश जे. प्रीत ने विशेष जांच दल (एसआईटी) की ओर से उठायी गयी आपत्तियों के बावजूद उनकी जमानत याचिका को मंजूरी देने का फैसला किया।

होलेनरसीपुरा टाउन थाने में 28 अप्रैल को दर्ज कराये गये मामले में श्री रेवन्ना और उनके बेटे, हासन से सांसद प्रज्वल रेवन्ना पर 47 वर्षीय घरेलू सहायिका के साथ यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया गया है। विशेष रूप से, प्रज्वल कथित तौर पर मामले को आधिकारिक रूप से दर्ज कराये जाने से एक दिन पहले 27 अप्रैल को जर्मनी गये थे, जिसके बाद से वह फरार हैं। उसके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया है और इंटरपोल ने ब्लू कॉर्नर नोटिस जारी किया है।

श्री रेवन्ना को शुरू में चार मई को गिरफ्तार किया गया था और न्यायिक हिरासत में स्थानांतरित होने से पहले उन्हें चार दिन की पुलिस हिरासत में रखा गया था। वह अपनी न्यायिक हिरासत अवधि समाप्त होने से पहले सांसदों और विधायकों के लिए नामित एक विशेष अदालत से सशर्त जमानत हासिल करने में कामयाब रहे।

गंगोत्री-यमुनोत्री धाम के करीब 6000 तीर्थयात्रियों ने सोमवार मध्याह्न तक किए दर्शन

देहरादून, 20 मई (एजेंसियां)। उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में स्थित गंगोत्री एवं यमुनोत्री धाम में तीर्थयात्रियों का आवागमन सुव्यस्थित एवं सुचारू ढंग से जारी है। सोमवार मध्याह्न 12 बजे तक गंगोत्री धाम में 6000 तथा यमुनोत्री धाम में भी लगभग 6000 तीर्थयात्री दर्शन कर चुके थे। प्राप्त जानकारी के अनुसार इस समय तक गंगोत्री धाम में लगभग 6750 तथा यमुनोत्री धाम के पैदल मार्ग पर लगभग 6000 श्रद्धालुजन मौजूद हैं। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आगमन को देखते हुए प्रशासन ने यात्री सुविधाओं को चाक-चौबंद बनाए रखने तथा अतिरिक्त सुविधाओं को जुटाने में निरंतर जुटा हुआ है।

उत्तरकाशी के जिलाधिकारी डॉ. मेहरबान सिंह बिष्ट ने यात्रियों के रिकार्ड संख्या में आगमन को देखते गंगोत्री और यमुनोत्री धाम सहित यात्रा मार्गों एवं पड़ावों पर यात्री सुविधाओं व व्यवस्थाओं को चाक-चौबंद बनाए रखने के लिए अधिकारियो को निरंतर जुटे रहने की हिदायत देते हुए कहा है कि यमुनोत्री पैदल मार्ग की व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान दिया जाय।

जिलाधिकारी ने यात्रियों की सुविधा व सुरक्षा को देखते हुए है कि यमुनोत्री पैदल मार्ग पर रोटेशन के आधार पर तय संख्या में ही घोड़े-खच्चर एवं डंडी का आवागमन सुनिश्चित कराने के भी निर्देश जारी किए हैं।

यमुनोत्री क्षेत्र के सुपर जोनल मजिस्ट्रेट अभिषेक त्रिपाठी अधिकारियों ने यमुनोत्री पैदल मार्ग पर यात्रा व्यवस्थाओं को दुरस्त बनाए रखने के लिए यात्री पंजीकरण केन्द्र, सूचना केन्द्र, घोड़ा पड़ाव, मेडीकल रिलीफ पोस्ट का निरीक्षण करने के साथ ही विभिन्न जगहों पर निर्मित पेयजल स्टेंड पोस्ट्स, वाटर एटीएम, एवं टॉयलेट्स का जायजा लिया। यमुनोत्री पैदल मार्ग पर साफ-सफाई को लेकर भी व्यवस्थाएं बढाई गई हैं और गत दिन हुई बारिश के बाद अनेक जगहों पर रास्ते में आयी मिट्टी की सफाई के लिए भी आज विशेष अभियान चलाया गया। यमुनोत्री पैदल मार्ग पर तीन मेडिकल राहत पोस्ट यात्रियों की सहायता के लिए निरंतर कार्य कर रही हैं और मार्ग पर यात्रियों की चिकित्सा आकस्मिकता की स्थिति में त्वरित सहायता प्रदान करने के लिए 30 प्रथम चिकित्सा उत्तरदाता (एफएमआर) भी तैनात किए गए हैं। इस पैदल मार्ग पर यात्रियों की सुरक्षा और सहायता के लिए पुलिस, होमगार्ड एवं पीआरडी के जवानों के साथ ही एसडीआरएफ एवं एनडीआरएफ के जवानों को भी तैनात किया गया है।

यमुनोत्री पैदल मार्ग पर संचालित होने वाले घोड़े-खच्चरों की स्वास्थ्य जांच व चिकित्सा के लिए जानकीचट्टी में पशु चिकित्सा विभाग की टीम तैनात की गई है और यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि किसी भी बीमार या अयोग्य अश्ववंश को यात्रा के लिए उपयोग में न लाया जाय। यमुनोत्री पैदल मार्ग पर घोड़े-खच्चरों के लिए उपयुक्त तापमान के पानी की व्यवस्था के लिए छह स्थानों पर गीजर की व्यवस्था की गई है।

अग्निवीर सिर्फ सैनिक ही नहीं बल्कि देश के नायक हैं : सीडीएस

बेंगलुरु, 20 मई (एजेंसियां)। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने सोमवार को मराठा लाइट इंफेंट्री रेजिमेंटल सेंटर का दौरा किया। बेलगावी स्थित रेजिमेंटल सेंटर में सीडीएस ने अग्निवीरों को संबोधित किया। अपने संबोधन में जनरल चौहान ने सेना में सेवा के उद्देश्य और सैन्य ढांचे में अग्निवीरों की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि अग्निवीर सिर्फ सैनिक ही नहीं बल्कि नायक हैं और देश की संप्रभुता के रखवाले हैं।

एक आधिकारिक बयान में बताया गया है कि सीडीएस ने भविष्य में होने वाले युद्धों को घातक करार देते हुए इनकी प्रकृति के बारे में भी बताया। उन्होंने भविष्य में होने वाले युद्धों में साइबर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की प्रमुखता पर जोर दिया। सीडीएस ने प्रौद्योगिकी पर ध्यान देने की जरूरत पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भविष्य के युद्धों को नई सोच और नई प्रौद्योगिकी की आवश्यकता है।

जनरल चौहान ने इस दौरान अग्निवीरों को भारतीय सेना में शामिल होने पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह राष्ट्र के प्रति अग्निवीरों के असाधारण कर्तव्य का प्रमाण है। सीडीएस के अनुसार एक सैनिक और उसके परिवार को कई चुनौतियों से गुजरना पड़ता है। चुनौतियों से भरे वातावरण में काम करते समय एक सैनिक को कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। जनरल अनिल चौहान ने यह भी आश्वासन दिया कि कई चुनौतियों के बाद भी अग्निवीरों को अपनी ड्यूटी बहुत अच्छी लगेगी। उन्होंने कहा कि हर एक कदम के साथ अग्निवीरों का व्यक्तिगत विकास होगा और देश की सेवा करने में गर्व महसूस होगा। सीडीएस ने अग्निवीरों को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए कोशिशें जारी रखने और अपने साथियों के लिए रोल मॉडल के रूप में काम करने के लिए प्रोत्साहित किया।

चुनाव के बाद राहुल गांधी को निकालनी पड़ेगी कांग्रेस ढूंढो यात्रा: अमित शाह

हिसार, 20 मई (एजेंसियां)। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि लोकसभा चुनाव आरंभ होने से पहले भारत जोड़ो यात्रा निकालने वाले कांग्रेस नेता राहुल गांधी को चुनाव के बाद कांग्रेस ढूंढो यात्रा निकालनी पड़ेगी। श्री शाह हिसार के पुराना राजकीय कॉलेज मैदान में भाजपा उम्मीदवार रणजीत सिंह के समर्थन में रैली को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि देश की सुरक्षा में हरियाणा का जवान, अन्न भंडारण में हरियाणा का किसान और खेलों में मेडल दिलाने में हरियाणा के खिलाड़ी की अग्रणी भूमिका है लेकिन कांग्रेस ने इन तीनों को ही खत्म करने का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि नरेन्द्र मोदी ने प्रधानमंत्री बनने के बाद हर क्षेत्र के साथ-साथ इन तीनों क्षेत्रों को प्रमुखता से आगे बढ़ाया, लेकिन कांग्रेस ने इन तीनों क्षेत्रों को समाप्त करने का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि सेना में बोफोर्स घोटाला हुआ था, खेल क्षेत्र में कॉमनवेल्थ घोटाला हुआ और खेती के क्षेत्र में फर्टिलाइजर घोटाला हुआ।

गृह मंत्री ने दावा किया कि कहा कि प्रधानमंत्री बनते ही श्री मोदी ने सबसे पहले जवानों की सुध ली और वन रैंक वन पेंशन योजना लागू की। किसानों के हित में काम करते हुए 20 लाख करोड़ रुपये का अनाज न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर खरीदा। मोदी सरकार ने खेलों का बजट तीन गुणा बढ़ाया, बेघर लोगों को मकान देने की योजना शुरू की।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा, पीओके (पाकिस्तान-शासित कश्मीर) हमारा है, हमारा रहेगा और हम उसे लेकर रहेंगे जबकि कांग्रेस कहती है कि पाक के पास एटम बम है, उसकी इज्जत करो। उन्होंने कहा कि इस चुनाव में हार के बाद कांग्रेस के शहजादे विदेश में छुट्टी मनाने के लिए चले जाएंगे।

उन्होंने कहा कि चार चरण में भाजपा आगे चल रही है। अब तक हुए चार चरण में बीजेपी को 270 सीटें मिल रही हैं। उन्होंने कहा कि 4 जून को भाजपा 400 पार करने का काम करेगी। उन्होंने कहा कि हमारी लड़ाई परिवारवाद के खिलाफ है। हमारी पार्टी 400 से ज्यादा सीट जीतने जा रही है। देश में कांग्रेस का सुपड़ा साफ होगा। कांग्रेस इस बार 40 सीट भी नहीं जीत पाएगी।

गृह मंत्री ने कहा कि कांग्रेस के नेता भ्रष्टाचार में लिप्त हैं। पीएम मोदी पर आज तक एक भी दाग नहीं है। पीएम मोदी ने देश को आगे ले जाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि जब तक हमारा एक भी सांसद रहेगा, कोई आरक्षण को हाथ नहीं लगा सकता। देश की जनता एक बार फिर भाजपा की सरकार बनाएगी। उन्होंने कहा कि इंडी गठबंधन के पास पीएम का कोई चेहरा नहीं है। कोरोना में पीएम मोदी ने शानदार काम किया जबकि कांग्रेस ने इस देश को बांटने का काम किया है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस ओबीसी, एससी, एसटी का आरक्षण छीनना चाहती है और यह आरक्षण छीनकर मुसलमानों को देना चाहती है। हरियाणा का जवान आज सीमा पर खड़ा है। हरियाणा के खिलाड़ियों का खेल में शानदार योगदान रहा है। अमित शाह ने कहा कि कांग्रेस ने अपने कार्यकाल में घोटाले किए जबकि हमने देश को एक पारदर्शिता सरकार दी है। उन्होंने कहा कि भूपेंद्र हुड्डा अपने बेटे को मुख्यमंत्री बनना चाहते हैं। हमारी सरकार हर वर्ग के लिए काम करती है। हमारी सरकार ने लोगों को मुफ्त राशन देने का काम किया।

अमित शाह ने कहा कि कांग्रेस पाकिस्तान का सम्मान करने की बात कहती है। पीओके भारत का अभिन्न अंग है। हम पीओके को वापस लेकर रहेंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने राम मंदिर का निर्माण का विरोध किया। कांग्रेस ने देश को बांटने का काम किया, कांग्रेस ने हेलीकॉप्टर-एयरपोर्ट घोटाला किया। कांग्रेस घोटालों की सरकार रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस परिवारवाद की राजनीति करती है। बीजेपी सरकार ने किसानों के हित में काम किया। हमारी सरकार ने देश को आगे ले जाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि सोनिया गांधी राहुल गांधी को पीएम बनाना चाहती है।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

चंडीगढ़ में योगी की चुनावी जनसभा

कांग्रेस इस लायक भी नहीं बची कि 400 सीट पर चुनाव लड़ सके : योगी

चंडीगढ़, 20 मई (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि पूरे देश में फिर एक बार मोदी सरकार और अबकी बार 400 पार के नारे एक स्वर में गूंज रहे हैं। देश ही नहीं दुनिया भी आश्वस्त है कि 4 जून को क्या परिणाम आने जा रहा है। मगर कांग्रेस को उसके कारनामों के कारण देश ने इस हाल में भी नहीं छोड़ा है कि वह 400 सीटों पर चुनाव ही लड़ सके। बीजेपी के स्टार प्रचारक और यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ सोमवार को यहां मलोया क्षेत्र में बीजेपी प्रत्याशी संजय टंडन के पक्ष में चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पंजाब में जहां माफिया का बोलबाला दिखता है वहीं यूपी में हमने ऐसे तत्वों को उलटा टांग दिया है और आज उनकी कब्र पर कोई मर्सिया पढ़ने वाला भी नहीं है। योगी ने कहा कि आप और कांग्रेस का गठबंधन जनकल्याण के लिए नहीं, बल्कि लूट-खसोट के लिए बना है।

योगी आदित्यनाथ ने अपने भाषण की शुरुआत करते हुए कहा कि वह मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की जन्मभूमि से आए हैं और जगत जननी मां भगवती चंडी देवी तथा माता मंशा देवी के पावन दरबार को कोटि कोटि नमन करते हैं। योगी ने चंडीगढ़ को गुरुओं की साधना और उनकी भक्ति और शक्ति के अद्भुत संगम स्थल बताते हुए जनता का अभिवादन किया। उन्होंने कहा कि जनता कह रही है कि जो राम को लाए हैं हम उनको लाएंगे। क्योंकि जो राम का है वही राष्ट्र का है और जो राम का नहीं है वह किसी काम का नहीं है। कांग्रेस के बुद्धिदाता कहते हैं कि भारत में राम मंदिर नहीं बनना चाहिए था। उन्हें ये बात पहले कांग्रेस को ही कहना चाहिए था ताकि कांग्रेस ही राम मंदिर इटली में बनवा देती। विनाश काले विपरीत बुद्धि, कांग्रेस में यही दिख रहा है।

योगी ने कहा कि इंडी गठबंधन वाले नेता पहले न्यायालय को धमकाते थे कि राम मंदिर पर फैसला हुआ तो दंगे हो जाएंगे, खून की

नदियां बह जाएंगी। हमने कहा यूपी में अब दंगा नहीं होगा, कोई दंगा करेगा तो उसको उलटा टांग देंगे उसको। मैंने कहा था कि राम मंदिर पर फैसला जिस दिन होगा वो ब्रह्मांड का सबसे शांत दिन होगा। यूपी में अब दंगे नहीं होते हैं। अब यूपी में सड़क पर नमाज नहीं होती और मस्जिदों से लाउडस्पीकर भी उतर चुके हैं। अब सब शांति से रहना चाहते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देश पर जब भी संकट आया है सबसे पहले राहुल गांधी विदेश भागते हैं। उन्होंने कहा कि यद्यपि ये लोग ही संकट देने वाले हैं। इन्होंने आतंकवाद, नक्सलवाद, भ्रष्टाचार जैसे संकटों को भारत को देने का कार्य किया है। इस सदी के सबसे बड़े संकट कोरोना में वह कहीं नजर नहीं आए। न चंडीगढ़ में दिखे न यूपी में। तब केवल बीजेपी के कार्यकर्ता जनता की सेवा में थे। एक करोड़ प्रवासी यूपी में आए थे, जो अलग अलग राज्यों में जाने वाले थे। उन्हें उनके घरों तक पहुंचाने के लिए हमने तब 14 हजार बसें लगाई थी।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कांग्रेस को वोट देकर पाप के भागीदार नहीं बनना है। अच्छा जनप्रतिनिधि चुनने पर हमें पुण्य प्राप्त होता है। आज भारत यशस्वी बन रहा है। दुनिया में सम्मान बढ़ रहा है। आतंकवाद, नक्सलवाद और अराजकता का समाधान हुआ है। पहले आतंकी विस्फोट होते थे, निर्दोष भारतीय मारे जाते थे। संसद में जब मुद्दे को उठाता था तो कांग्रेस कहती थी आतंकवाद सीमापार से है। अब जोर से पटाखा भी फूट जाए तो पाकिस्तान भी सफाई देने लगता है। उसे पता है कि ये नया भारत है। छेड़ेंगे तो छोड़ेगा नहीं।

योगी ने कहा कि 12 साल पहले जब वह दिल्ली से चंडीगढ़ आए थे तो उन्हें 10 घंटे का समय लगा था, मगर अब 3 घंटे में दिल्ली से चंडीगढ़ पहुंच सकते हैं। कांग्रेस के एक प्रधानमंत्री ने वक्तव्य दिया था कि 100 पैसा देते हैं मगर 15 पैसा ही गरीब तक पहुंचता है। इसका मतलब बीच में कांग्रेस के बिचौलिए शेष 85 पैसे खा जाते थे। मोदी जी ने जनधन एकाउंट खोल दिया आज 100 परसेंट लाभार्थी के खाते में सीधे पहुंच रहा है। एक लंबी फेहरिस्त है लोक कल्याण की। गरीबों, वंचितों का बिना चेहरा, जाति, धर्म देखे योजनाओं का लाभ दिया गया। उन्होंने कहा कि अयोध्या में 500 साल का इंतजार समाप्त हो चुका है। सभी को अयोध्या में आकर भगवान श्रीराम के दर्शन करने चाहिए। उन्होंने बताया कि मंदिर से भी पहले अयोध्या में इंटरनेशनल एयरपोर्ट को बनाने के साथ ही उसका नामकरण महर्षि वाल्मीकि के नाम पर किया गया। वाल्मीकि समाज जरूर अयोध्या आए और वहां की दिव्यता की अनुभूति करे। राममंदिर का निर्माण आपके एक वोट की ताकत से हुआ है। आपके वोट की ताकत से ही मोदी जी को कड़े फैसले लेने की शक्ति मिलती है। हर व्यापारी और बेटी की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। इसके लिए भाजपा आवश्यक है।

इस अवसर पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष जितेंद्र पाल मल्होत्रा, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सरोज पांडेय, सांसद किरण खेर, प्रत्याशी संजय टंडन, यूपी सरकार में पूर्व मंत्री अतुल गर्ग, रामवीर भट्टी, हुकुम चंद, अमित जिंदल, कुलजीत संधू और मशहूर गायक कन्हैया मित्तल सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

400 पार की बात पर कांग्रेस को आने लगते हैं चक्कर: योगी

सिरसा (हरियाणा), 20 मई (एजेंसियां)।

देश में चार चरणों के चुनाव सम्पन्न हो चुके हैं। उस दौरान पूरे देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जो लहर चली थी, वह आज पांचवे चरण में सुनामी बन चुकी है। पूरे देश में एक ही स्वर गूंज रहा है एक बार फिर मोदी सरकार और अबकी बार 400 पार। जब हम 400 पार की बात करते हैं तो कांग्रेस को चक्कर आने लगते हैं क्योंकि वह 400 सीटों पर चुनाव ही नहीं लड़ रही है। ऐसे में वह जीतेगी कैसे। देश की जनता जनार्दन अब कांग्रेस को एक जवाब दे रही है कि जो जो राम को लाए हैं हम उनको लाएंगे। हमारी पीढ़ी सौभाग्यशाली क्योंकि हम नए भारत के नागरिक हैं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में काम कर रहे हैं, जो दुनिया के लिए असंभव है। वहीं जो कांग्रेस के लिए असंभव था, उसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संभव करके दिखाया है। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को हरियाणा में सिरसा की अनाज मंडी में जनसभा को संबोधित करते हुए कही। इस दौरान उन्होंने लोकसभा प्रत्याशी अशोक तंवर के पक्ष में वोट की अपील की।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी सबका साथ सबका विकास के तहत काम कर रही है। हम तुष्टीकरण नहीं बल्कि संतुष्टीकरण पर काम कर रहे हैं। वहीं इंडी गठबंधन के लोग सुबह से लेकर शाम तक झूठ और अफवाहें फैलाने का काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इनके पास जब सत्ता तो देशवासियों के लिये कोई काम किया नहीं और अब हिंदुओं की भावनाओं के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। इनके अंदर औरंगजेब की आत्मा आ गयी है। यह कहते हैं कि सत्ता में

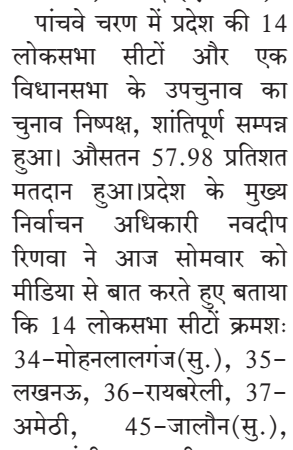

हरियाणा के सिरसा में योगी ने जनसभा को संबोधित किया

आए तो आपकी संपत्ति का सर्वे कराएंगे। उसके बाद उस पर विरासत टैक्स लगाएंगे यानी यह औरंगजेब का जजिया कर लगाएंगे, जिस हम आप कभी होने नहीं देंगे। सीएम योगी ने कहा कि अयोध्या में रामलला अपने भव्य और दिव्य मंदिर में विराजमान हो गये हैं और देश-विदेश के लाखों श्रद्धालु दर्शन के लिए आ रहे हैं। ऐसे में इन्हे अब किसी भी जन्म में सत्ता नहीं मिलने वाली है क्योंकि यह चुनाव राम भक्त और रामद्रोहियों के बीच में हो गया है। कांग्रेस ने भारत की विरासत का विरोध किया है। ऐसे में इनको अब सत्ता कभी भी नहीं मिल सकती है।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस पर हमला करते हुए कहा कि इन्हे सत्ता पर काबिज होने की इतनी जल्दी थी कि यह करतारपुर साहिब को ही भूल गई थी। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सत्ता संभालते ही करतारपुर का गलियारा के निर्माण को आगे बढ़ाया। इसके साथ ही गुरु नानक देव की पावन धरा को भी भारत का हिस्सा बनाने के कार्य को आगे बढ़ाया। उन्होंने सरहिंद के लिए अपने आप को बलिदान करने वाले गुरु गोविंद सिंह जी महाराज के चार साहिबजादों के नाम पर 26 दिसंबर की तिथि को वीर बाल दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की। सीएम योगी ने कहा कि आज देश बदल चुका है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले 10 वर्षों में भारत की तस्वीर और तकदीर दोनों बदल दी है। आज दुनिया में भारत का सम्मान बढ़ा है। इसके साथ ही दुनिया में कोई संकट आता है तो वह लोग भारत की तरफ देखते हैं। देश में विकास के बड़े-बड़े कार्य हो रहे हैं। देश में वर्ल्ड क्लास इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण हो रहा है। आज देश में आतंकवाद का पूरी तरह से सफाया हो चुका है।

इस अवसर पर संत सौंदर्य नाथ, महंत केशव नाथ, सांसद सुनीता दुग्गल, राज्यसभा के सांसद सुभाष बराला, विधायक गोपाल कांडा, लक्ष्मण नापा, जिलाध्यक्ष निताशा सिहाग, पूर्व राज्यपाल गणेशी लाल, लोकसभा संयोजक आदित्य चौटाला आदि उपस्थित थे।

काशी में 25 हजार महिलाओं से सीधा संवाद करेंगे पीएम मोदी

आज प्रधानमंत्री संग मौजूद रहेंगे मुख्यमंत्री योगी

वाराणसी, 20 मई (एजेंसियां)।

मातृशक्ति ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रोड शो में अहम भूमिका निभाई थी। प्रधानमंत्री ने इन महिलाओं के प्रति आभार जताने के लिए इनसे मिलने की इच्छा जताई थी। इसे पूरा करने के लिए मंगलवार को प्रधानमंत्री 'अपनी काशी' में लगभग 25 हज़ार महिलाओं से सीधा संवाद करेंगे। डॉ. संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय में शाम को नारी शक्ति संवाद कार्यक्रम आयोजित होगा। इसमें संचालन, मंच, व्यवस्था समेत संपूर्ण दायित्व मातृशक्ति ही संभालेंगी। प्रधानमंत्री अपने क्षेत्र में विशेष काम कर रहीं महिलाओं, स्वयं सहायता समूह की खास महिलाओं और भाजपा की महिला पदाधिकारियों से मुलाकात करेंगे। नारी शक्ति संवाद कार्यक्रम में लघु भारत का स्वरूप भी देखने को मिलेगा। मंच पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी रहेंगे। कार्यक्रम में सिर्फ महिलाएं ही दिखेंगी। पीएम दो दिवादीय यात्रा पर 21 मई को काशी पहुंचेंगे व 22 मई की सुबह रवाना होंगे।वाराणसी में यह अलग तरह का कार्यक्रम हो रहा है। इसके जरिए शिव की काशी से नारी शक्ति

का संदेश पूरे भारत में जाएगा। इसमें सभी दायित्व मातृशक्ति के कंधे पर रहेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 25,000 से अधिक महिलाओं से संवाद भी करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लोकसभा चुनाव के नामांकन के बाद एक सप्ताह के अंतराल में अपने संसदीय क्षेत्र काशी में आ रहे हैं। यह कार्यक्रम खुद प्रधानमंत्री के नारी शक्ति से संवाद करने की इच्छा प्रकट पर आयोजित किया जा रहा है। समाज के विभिन्न वर्गों की महिलाओं को इस कार्यक्रम के लिए आमंत्रित किया गया है।नारी शक्ति संवाद कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को रिसीव करने, मंच संचालन, व्यवस्था समेत संपूर्ण दायित्व मातृ शक्ति के कंधे पर ही है। पंडाल में मिनी भारत का स्वरूप भी दिखाई देगा। मराठी, बंगाली, दक्षिण भारतीय आदि प्रांत की वाराणसी में रहने वाली महिलाएं अपने अलग-अलग परिधान में दिखेंगी। इनमें डॉक्टर, शिक्षिका, गृहिणी, अधिवक्ता, खिलाड़ी, व्यापारी समेत सभी वर्ग की महिलाएं भी शामिल रहेंगी। भाजपा महिला मोर्चा की तरफ से कार्यक्रम की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी और अन्य अफसरों ने किया मताधिकार का प्रयोग

लखनऊ, 20 मई (एजेंसियां)।

लोकसभा सामान्य निर्वाचन- 2024 में लोकतंत्र के इस महापर्व पर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा, अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी अनुज कुमार झा, अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी निधि श्रीवास्तव, अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी कुमार विनीत ने पांचवें चरण के मतदान के दिन लखनऊ में अपना अमूल्य मत देकर देश के साथ लोकतंत्र को सशक्त, मजबूत बनाने के कार्य में अपना योगदान दिया। उन्होंने मतदाताओं से भी बढ़-चढ़कर मतदान करने की अपील की। प्रदेश में होने वाले आगामी 02 चरणों के मतदान में भी मतदाताओं को मतदान में भागीदारी बढ़ाकर लोकतंत्र को सशक्त व मजबूत बनाने को कहा।मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने इस दौरान अमिट स्याही के निशान को दिखाकर मतदाताओं को घर से निकलकर मतदान करने के लिए प्रेरित किया। मतदाता अपना जनप्रतिनिधि चुनने एवं सरकार बनाने में योगदान करे। उन्होंने मतदेय स्थल में बने सेल्फी प्वाइंट में सेल्फी भी ली। उन्होंने पोलिंग बूथ में मौजूद मतदान कर्मियों को कहा कि वे सभी निष्पक्ष, स्वतंत्र, निर्भीक होकर मतदान करायें। बूथ में आये मतदाताओं से समान व्यवहार करें और उन्हें असुविधा न होने पाये। मतदान केन्द्रों व मतदेय स्थलों में जरूरी सुविधायें मतदाताओं के लिए मुहैया करायी गयी हैं। मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए सभी प्रमुख महानगरों की गेटबंद कालोनियों के भीतर पोलिंग बूथ बनाये गये हैं, जिसकी भारत निर्वाचन आयोग ने नई पहल की है।

पंचम चरण : उप्र में 14 लोकसभा सीट व एक विधानसभा क्षेत्र के लिये हुआ मतदान

शांतिपूर्ण रहा मतदान, 57.98 फीसदी पड़े वोट

लखनऊ, 20 मई (एजेंसियां)।

पांचवे चरण में प्रदेश की 14 लोकसभा सीटों और एक विधानसभा के उपचुनाव का चुनाव निष्पक्ष, शांतिपूर्ण सम्पन्न हुआ। औसतन 57.98 प्रतिशत मतदान हुआ।प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने आज सोमवार को मीडिया से बात करते हुए बताया कि 14 लोकसभा सीटों क्रमशः 34-मोहनलालगंज(सु.), 35-लखनऊ, 36-रायबरेली, 37-अमेठी, 45-जालौन(सु.), 46-झांसी, 47-हमीरपुर, 48-बांदा, 49-फतेहपुर, 50-कौशाम्बी(सु.), 53-बाराबंकी (सु.), 54-फैजाबाद, 57-कैसरगंज, 59-गोण्डा तथा विधानसभा उप निर्वाचन क्षेत्र 173-लखनऊ पूर्व में मतदान शान्तिपूर्वक सम्पन्न हो गया है। मतदान प्रातः 7 बजे से शुरू होकर सायं 06 बजे समाप्त हुआ।पांचवें चरण के निर्वाचन क्षेत्र 21 जनपदों लखनऊ, सीतापुर, रायबरेली, अमेठी, सुल्तानपुर, कानपुर देहात, जालौन, झांसी, ललितपुर, हमीरपुर, महोबा, बांदा, चित्रकूट, फतेहपुर, कौशाम्बी, प्रतापगढ, बाराबंकी, अयोध्या, गोण्डा, बहराइच, बलरामपुर तथा विधानसभा उप निर्वाचन क्षेत्र 173-लखनऊ पूर्व जनपद लखनऊ में हैं।सायं 06बजे तक

जनपदों से प्राप्त सूचना के आधार पर प्रदेश के 14 लोक सभा निर्वाचन क्षेत्रों में कुल औसत 57.98 प्रतिशत मतदान हुआ है। जिसमें 34-मोहनलालगंज(सु.) 62.72, 35-लखनऊ 52.23, 36-रायबरेली 58.04, 37-अमेठी 54.40, 45-जालौन(सु.) 56.15, 46-झांसी 63.70, 47-हमीरपुर 60.56, 48-बांदा 59.64, 49-फतेहपुर 57.05, 50 कौशाम्बी (सु.) 52.79, 53-बाराबंकी(सु.) 67.10, 54-फैजाबाद 59.10, 57-कैसरगंज 55.68, 59-गोण्डा 51.64 तथा विधानसभा उप निर्वाचन क्षेत्र 173-लखनऊ पूर्व में 52.45 प्रतिशत मतदान हुआ।

मतदान की प्रक्रिया को स्वतंत्र एवं निष्पक्ष बनाये रखे जाने के उद्देश्य के लिए प्रभावी पर्यवेक्षण हेतु 14,984 मतदेय स्थलों पर वेबकास्टिंग की व्यवस्था की गई, जिसका पर्यवेक्षण जिला निर्वाचन अधिकारी, मुख्य निर्वाचन अधिकारी एवं भारत निर्वाचन आयोग तीनों स्तर पर किया गया। 4,199 मतदेय स्थलों पर वीडियोग्राफी की भी व्यवस्था की गई थी।पांचवें चरण के पोस्टल बैलेट मतदान हेतु अर्ह श्रेणियां 85 वर्ष की आयु से अधिक के मतदाता, दिव्यांग, अनिवार्य सेवायें तथा मतदान कार्मिक में 21,907 मतदाताओं द्वारा पोस्टल बैलेट के माध्यम से मतदान किया गया।

कुरुक्षेत्र में योगी आदित्यनाथ ने किया जनसभा को संबोधित

कांग्रेस-काल में सुबह घोटाले से, शाम आतंकी हमलों से होती थी

कुरुक्षेत्र (हरियाणा), 20 मई (एजेंसियां)।

हरियाणा के चुनावी समर में उतरे भाजपा के स्टार प्रचारक व उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को कांग्रेस की नीतियों पर खूब फायर रहे। उन्होंने कुरुक्षेत्र लोकसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार नवीन जिंदल के पक्ष में न्यू अनाज मंडी में विजय संकल्प रैली की। योगी ने कुरुक्षेत्र की धरा को प्रणाम किया। फिर बोले कि कमल के फूल पर बटन दबाकर अबकी बार-400 पार और फिर एक बार मोदी सरकार बनाना है। अयोध्या का जिक्र कर सीएम ने कहा कि हमने रात-रात

भर जगकर अयोध्या को अयोध्या बनाया है। आजाद भारत की पहली सरकार है, जिसने आस्था को सम्मान दिया है।

योगी ने कहा कि अब कोई दुश्मन हमारी सीमा में घुसपैठ नहीं कर सकता है। अब आतंकी विस्फोट नहीं होते, पहले हर जिले, क्षेत्र, प्रदेश में विस्फोट से निर्दोष मारे जाते थे। कांग्रेस शासन में सुबह की शुरुआत घोटाले और शाम होते-होते आतंकी वारदात की बड़ी खबरें आती थीं, लेकिन अब भारत ने सर्जिकल स्ट्राइक व एयर स्ट्राइक के माध्यम से विश्व को अपनी ताकत का अहसास कराया है। हम शांति और सौहार्द के पक्षधर हैं, लेकिन शांति केवल बोलने से नहीं, ताकत से हासिल की जाती है। सीएम योगी ने कहा कि आम आदमी पार्टी की शुरुआत और शाम का अंत भी झूठ से होता है। अन्ना जी ने भ्रष्टाचार हटाने के लिए कांग्रेस के खिलाफ आंदोलन किया था। आप का गठन इसी के पक्ष में था, लेकिन आम आदमी पार्टी उसी कांग्रेस के साथ मिलकर लूटने चली है। इन लोगों ने देश की राजधानी दिल्ली को तबाह-बर्बाद कर दिया। यह मूल्यों-आदर्शों से हटकर देश की कीमत पर राजनीति और देश के संसाधनों को लूटवाकर अराजकता पैदा करना चाहते हैं।

योगी ने कहा कि 25 करोड़ के यूपी में पहले सरकार कमजोर और माफिया हावी थे। उनकी समानांतर हुकूमत चलती थी। आज हमने सभी अपराधियों व माफिया को जहन्नुम में पहुंचा दिया। उनका राम नाम सत्य हो गया।

यूपी में बेटी-व्यापारी की सुरक्षा से खिलवाड़ करने वालों के लिए जेल नहीं, जहन्नुम के रास्ते खुले हैं। यूपी में आज 14 सीटों पर चुनाव हो रहा है। मुझे पता है कि सभी सीटें हमारे पास आनी है, इसलिए मैं हरियाणा प्रचार करने आया हूं। प्रभु की कृपा, मोदी का नाम और जमीन पर हमारे काम की बदौलत जनता परिणाम दे रही है।

सीएम ने आम आदमी पार्टी को खूब धोया, बोले कि पंजाब में गैंगस्टर खड़े होकर फिर से गैंगवार कर रहे हैं। वहां लोग कह रहे हैं कि हालत खराब हो गए हैं। एक बार भाजपा को पंजाब में मौका दे दो, मैं माफिया को मिर्च का झोंका लगाकर ठीक कर दूंगा। यूपी के बड़े माफिया को यह लोग पंजाब लाकर ठहराए थे। मैं सुप्रीम कोर्ट तक लड़ा और माफिया को वापस यूपी ले गया। उस माफिया का अभी राम नाम सत्य हो गया।

इंडी गठबंधन पर बरसे योगी ने कहा कि इनके लिए चुनाव सत्ता प्राप्त का माध्यम है। इंडी गठबंधन से जुड़े सभी घटक के कारनामों को आप जानते हैं। पंजाब में आम आदमी पार्टी आपस में लड़ रही है।

बिहार में राजद, यूपी में सपा, महाराष्ट्र और साउथ के पार्टनर की निष्ठा भारत के प्रति नहीं है। बल्कि आपस में लड़ाकर फूट डालो और राज करो की नीति पर विश्वास करते हैं। सीएम ने कहा कि अपने घोषणा पत्र के माध्यम से राहुल गांधी कहते हैं कि संपत्ति का सर्वे कराकर विरासत टैक्स लगाएंगे और गरीबी हटाएंगे।

डायपर बदलते समय बरतें सावधानी

नवजात डायपर को जल्दी-जल्दी गीला करते हैं इसलिए इसको बार-बार बदलने की जरूरत पड़ती है। लेकिन छोटे बच्चों की त्वचा इतनी कोमल होती है कि उस पर किसी भी चीज से जल्द इंफेक्शन हो जाता है इसलिए डायपर बदलते समय बहुत सावधानी की जरूरत होती है। अगर छोटे बच्चे की त्वचा की देखभाल अच्छे ढंग से नहीं करेंगे तो उसकी त्वचा पर इंफेक्शन भी हो सकता हैं। नवजात के डायपर बदलते समय ध्यान इन बातों का ध्यान रखें।

- नवजात का डायपर बदलने के लिए सभी जरूरी चींजें और सामान अपने पास रख लीजिए जिससे आपको नवजात को छोड़कर बीच-बीच में कहीं जाना न पड़े।
- नवजात का डायपर बदलने के लिए सबसे पहले नवजात को प्लेन स्थान पर लिटाए। लेकिन ध्यान रखें कि जगह साफ हो।
- सफेद और हल्के कलर का डाइपर ही प्रयोग कीजिए, क्योंकि ज्यादा रंगीन डायपर नवजात के लिए नुकसानदायक हो सकता है।

- डायपर पहनाते समय इसे पास ही रखें लेकिन बच्चे की पहुंच से दूर हो।
- उसके बाद नवजात के दोनों पैर ऊपर करें और एक हाथ से उसके गंदे डायपर को बाहर निकालें।
- नवजात की सफाई करते वक्त यह ध्यान रखें कि उसका सिर आगे से पीछे की तरफ हो।
- गंदा डायपर निकालने के बाद नवजात को कम से कम 10 मिनट तक वैसे ही रहने दीजिए, जिससे उसका शरीर पूरी तरह से सूख जाए।
- नवजात को साफ कॉटन या रूई और गर्म पानी से नमी वाले भाग को अच्छी तरह से साफ करें और पानी को पूरी तरह से सूखने दीजिए।
- डायपर बदलते समय बच्चे का ध्यान दूसरी बातों में लगाने की कोशिश करें।
- डायपर बदलते समय हमेशा अपना एक हाथ नवजात के पेट पर रखें।
- जब आप बच्चे का डायपर बदल रहे हो तो उसे खेलने के लिए खिलौने दें।
- डाइपर को शरीर पर थोड़ा ढीला कर बांधें, ताकि उसकी त्वचा पर निशान न बनें।

इन उपायों को अपनाकर आप आसानी से बच्चे के डायपर को बदल सकते हैं।

हर दिन बस 15 सेकेंड बजाएं ताली...

किसी भी मौके पर ताली बजाना हम सब की जिंदगी का हिस्सा है, लेकिन आपको यह जानकर हैरानी होगी कि ताली बजाने से शरीर के रोगों को भी दूर भगाया जा सकता है। दिन में सिर्फ 15 सेकेंड ताली बजाने व तलवों को नियमित रूप से पत्थर से रगड़ने से व्यक्ति खुद को रोगमुक्त रख सकता है।

ऐसे दूर होती हैं बीमारियां

व्यक्ति की हथेलियों व तलवों में शरीर के सभी अंगों के बिंदु होते हैं, जिन्हें दबाकर कई तरह के रोगों को दूर किया जा सकता है। जब हम ताली बजाते हैं तो हमारे शरीर का तापमान बढ़ने लगता है जिससे कोलेस्ट्रॉल का स्तर कम होता है। इसके अलावा अंगूठे के नीचे का स्थान दबने से रक्त की थैलियां खून को विपरीत दिशा में संचारित करती हैं जिससे धमनियों में किसी भी प्रकार की रुकावट दूर होती है। हृदय संबंधी परेशानियों में लाभ मिलता है। इससे पूरे शरीर में कंपन होता है व वात, पित्त और कफ का संतुलन बना रहता है। इसी तरह पैर के तलवों को पत्थर से थोड़ी देर रगड़ने पर एक्यूप्रेशर पॉइंट्स में दबाव बनता है जो कई रोगों से मुक्ति दिलाता है। इस उपचार में किसी प्रकार का कोई खर्च भी नहीं होता।

ऐसे बजाएं ताली

सीधे हाथ की पहली अंगुली यानी तर्जनी को दूसरे हाथ की हथेली पर चार बार जोर-जोर से चोट करें। उसके बाद तर्जनी व मध्यम दोनों को साथ में लेकर चार बार ऐसा करें। इसी प्रकार तीन अंगुलियों को साथ में लेकर फिर चारों अंगुलियों को मिलाकर ऐसा करें, अंत में दोनों हाथों से ताली बजाएं। इस दौरान आंखों को बंद रखें।

ताली बजाने के बाद दोनों हाथ गर्म व ऊर्जावान हो जाते हैं। ऐसे में ताली बजाने के बाद गहरी सांस भरते हुए मध्यम अंगुली से आंखों को छूते हुए हाथ धीरे-धीरे नीचे की ओर ले जाएं। ऐसा करने से आंखों व चेहरे पर चमक बढ़ती है।

इसलिए 15 सेकंड जरूरी

15 सेकंड की ताली की ऊर्जा रोग प्रतिरोधक तंत्र को मजबूत कर देती है जिससे शरीर को तमाम रोगों से लड़ने में मदद मिलती है।

ध्यान रहे

ताली बजाने के भी कुछ नियम होते हैं। हमेशा आसन पर खड़े होकर या पैरों में जूते पहनकर ही ताली बजाएं। जमीन पर नंगे पैर ऐसा करने से शरीर में उत्पन्न ऊर्जा जमीन में समाकर नष्ट हो जाती है। कई बार ताली बजाने से हाथों के फटने की समस्या होने लगती है इससे बचने के लिए हाथों में सरसों, नारियल या कोई अन्य तेल लगा सकते हैं।

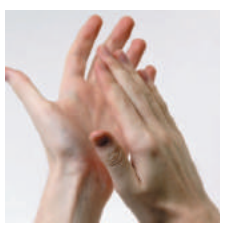

इस फल के फायदे एक से बढ़कर एक

नाशपाती से रोगों से दूर रहा जा सकता है। इसमें विटामिन्स, खनिज, एंजाइम और फाइबर खूब पाया जाता है। एंटीऑक्सीडेंट गुण खूब होते हैं। नाशपाती में मौजूद पैक्टिन नामक घुलनशील फाइबर कोलेस्ट्रॉल के स्तर को नियंत्रित करता है। आयुर्वेद के अनुसार नाशपाती पचने में हल्की, रोगी को जल्दी ऊर्जा देने वाली, प्यास बुझाने वाली और त्रिदोष नाशक है। इसमें हाइड्रोऑक्सीनॉमिक एसिड होता है जो पेट के कैंसर को रोकने में मदद करता है। फाइबर पेट के कैंसर को बढ़ने से रोकता है व बड़ी आंत को ठीक रखता है। इसमें मौजूद फोलिक एसिड (फोलेट) गर्भवती महिलाओं के शिशुओं में न्यूरल ट्यूब दोष से बचाता है।

यह आयरन का अच्छा स्रोत है, जो हीमोग्लोबिन के स्तर को बढ़ाता है। एक गिलास नाशपाती का रस पीने से बुखार में जल्द आराम मिलता है। यह झुर्रियां, मुहांसे और त्वचा संबंधी अन्य समस्याओं को रोकने में मदद करता है। नाशपाती के पत्रों को पीसकर त्वचा पर लगाने से त्वचा विकारों में लाभ होता है। नाशपाती में बोरोन तत्व होता है जो हड्डियों को मजबूत बनाता है। इसके सेवन से हार्ट स्ट्रोक का खतरा 50 फीसदी कम होता है व शरीर का ग्लूकोज ऊर्जा में बदल जाता है। इसमें विटामिन सी और तांबा पर्याप्त मात्रा में मिलता है जो शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली में सुधार करने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं। नाशपाती के नियमित सेवन से मोनोपॉज के बाद महिलाओं में होने वाले कैंसर का खतरा भी कम हो जाता है। मधुमेह रोगियों के लिए यह स्मार्ट नाश्ता है। इससे मीठा खाने की तलब में आराम मिलता है और पोषक तत्व भी मिल जाते हैं।

ध्यान रखें: नाशपाती को अच्छी तरह धो कर छिलके समेत चबा-चबा कर खाएं। जल्दबाजी में बिना चबाए इसे खाने से पेट में दर्द हो सकता है। देर से काट कर रखी नाशपाती नहीं खानी चाहिए।

ये फायदे जानने के बाद आप भी छिदवा लेंगे कान

आप कान केवल फैशन के लिए छिदवाते रहे होंगे, लेकिन सेहत के लिए यह कितना बढ़िया है, आप नहीं जानते होंगे। कान छिदवाने से पीरियड्स प्रॉब्लम खत्म हो जाती है। प्रजनन क्षमता भी अच्छी होती है। कान छिदवाने से इन्फेक्शन, हाइड्रोसील और हर्निया की समस्या दूर होती है। कान छिदवाने से दिमाग का विकास भी होता है। हैरानी होगी आपको यह जानकर कि कान के दोनों ओर एक पॉइंट होता है जिसका संबंध दिमाग से होता है। एक्यूप्रेशर के इलाज में भी इस तकनीक का इस्तेमाल किया जाता है। इससे न केवल दिमागी विकास होता है, बल्कि याददाश्त भी बढ़ती है। कान के बीच का हिस्से का संबंध आंखों की रोशनी से भी होता है। ऐसे में आंखों की रोशनी बढ़ानी है, तो कान छिदवा लें। सुनने की क्षमता भी बढ़ती है। कान छिदवाने वाली जगह पर दो एक्यूप्रेशर पॉइंट होते हैं। पहला मास्टर सेंसोरियल और दूसरा मास्टर सेरेब्रल। ये सुनने की क्षमता सही रखते हैं। एक्यूप्रेशर एक्सपर्ट्स की मानें तो टिटनस को दूर रखने के लिए भी कान छिदवाना बिल्कुल सही रहता है। हिस्टीरिया की समस्या को भी दूर रखता है। कान छिदवाने से तनाव, डिप्रेशन भी दूर होता है। डाइजेशन सिस्टम को ठीक रखना है, तो कान छिदवा लें। वजन घटाने का भी यह एक अच्छा विकल्प है। कान पर एक्यूप्रेशर पॉइंट होने के कारण दबाव पड़ता है, जिससे डाइजेस्टिव सिस्टम सही रहता है।

बरगद के दूध में छिपे हैं बड़े गुण

वट वृक्ष (बरगद) की तासीर ठंडी होती है जो कफ, पित्त की समस्या को दूर कर रोगों का नाश करती है। बुखार, स्त्री रोग संबंधी समस्याएं, उल्टी व त्वचा के रोगों में वट वृक्ष के पत्तों, जड़ों और दूध का प्रयोग फायदेमंद होता है।

पत्ते हैं उपयोगी

वट की कोपलें चेहरे की कांति बढ़ाने का काम करती हैं। बरगद की जड़ों में एंटीऑक्सीडेंट पाए जाते हैं। इसकी ताजी जड़ों को कुचल कर चेहरे पर लगाएं। झुर्रियां कम हो जाएंगी। इसके पत्तों को तवे पर सेककर सहने योग्य स्थिति में फोड़ों के ऊपर बांधने से लाभ मिलता है। इसके पत्तों की लुग्दी बनाकर शहद और शक्कर के साथ लेने से नकसीर की समस्या में आराम मिलता है। वट के बीजों को पीसकर पीने से उल्टी आने की समस्या दूर होती है।

दूध भी गुणकारी

जिस दांत में कीड़ा लग गया हो वहां इसके दूध में भीगा फोहा रखने से लाभ होता है। लगभग 10 ग्राम बरगद की छाल, कत्था और 2 ग्राम काली मिर्च बारीक पीसकर पाउडर बना लें। यह मंजन करने पर दांतों का हिलना, सड़न, बदबू दूर हो जाती है। वट का दूध, शक्कर के साथ लेने से बवासीर में लाभ होता है। वट का दूध लगाने से सूजन कम हो जाती है। वट के दूध का लेप कमर पर

करने से दर्द में लाभ होता है। फटी पड़ी एड़ियों पर बरगद का दूध लगाया जाए, तो काफी राहत मिलती है। बरगद की ताजा कोमल पत्तियों का पाउडर बनाकर खाने से मेमोरी अच्छी होती है। इसके पत्तों की राख को अलसी के तेल में मिला कर लगाने से सिर के बाल उग आते हैं। इसके कोमल पत्तों को तेल में पकाकर लगाने से सभी केश के विकार दूर होते हैं। जले हुए स्थान पर इसके कोमल पत्तों को पीसकर दही में मिलाकर लगाने से शान्ति प्राप्त होती है।

वर्कआउट के लिए सही कपड़े

आप फिट रहने के लिए क्या कुछ नहीं करते। जिम में कई घंटों तक पसीना बहाते हैं, लेकिन सही एक्सरसाइज के साथ ही वर्कआउट के लिए सही कपड़ों का चुनाव भी बहुत जरूरी है। तभी आप आराम से एक्सरसाइज कर पाएंगे और दूसरों के सामने असहजता या शर्मिंदगी से भी बच सकेंगे।

कैसी हो फिटिंग

एक्सरसाइज टाइप के मुताबिक ही आपके कपड़ों की फिटिंग होनी चाहिए। जैसे हैवी एक्सरसाइज या उपकरणों के साथ कसरत करते वक्त थोड़े ढीले और कंफर्टेबल शॉर्ट/लोवर के साथ टी-शर्ट पहन सकते हैं, लेकिन योगा या पिलाटे जैसी वर्कआउट के लिए स्ट्रेचेबल और फिट आउटफिट पहनें। इनके लिए जिम पैंट्स या योगा पैंट्स पहनें। हर मौसम में एक्सरसाइज के लिए अलग तरह के कपड़े पहनें, ताकि मौसम की मार आपकी सेहत पर न पड़े।

बॉडी के हिसाब से

अकसर लोगों को जिम में पसीने की बदबू परेशान करती है, जिससे छुटकारा पाने के लिए वे सुगंधित परफ्यूम और लोशन का इस्तेमाल करते हैं। वर्कआउट करते समय जब आपकी बॉडी में गर्मी पैदा होने लगती है और पसीना आता है तो तेज सुगंध वाले परफ्यूम का अरोमा और बढ़ जाता है। जिम में लोशन का इस्तेमाल करने से बचें। लोशन लगाने से पसीना आने पर आपके हाथ चिपचिपे हो जाते हैं, जिससे कुछ समय बाद ही जिम में वर्कआउट करने में मुश्किल होती है और यह सिर्फ आपके लिए ही नहीं बल्कि दूसरों के लिए मुश्किल पैदा कर सकता है। कहने का मतलब है कि वर्कआउट करते समय आपके हाथ जगह जगह लगते हैं जिससे आपके द्वारा पकड़ी गई हर चीज चिपचिपी हो जाती है। आपके चेहरे पर लगा लोशन पसीने के साथ बहकर आंखों में जलन पैदा कर सकता है इसलिए यदि लोशन या परफ्यूम लगाना ही चाहते हैं तो उसकी गंध तीव्र न हो।

कैसा हो रंग

नियोन रंग के कपड़े सुंदर लगते हैं, लेकिन यह जरूरी नहीं है कि यह आप पर फबे। हमेशा गाढ़े रंग के कपड़ों का ही चुनाव करें। ऐसे स्पोर्ट्स शूज चुनें जो वर्कआउट करते समय पैरों के लिए सुरक्षित हों। इसके अलावा रनर्स अपने लिए स्पेशल शूज चुन सकते हैं। जूतों का सोल घिसने से पहले उसे रिजेक्ट कर दें वरना आपके ज्वाइंट डेमेज हो सकते हैं। आप जिम जाने के लिए छोटी स्लिव्स वाले टॉप पहन सकते हैं जो टाइट न हो। कंधों को कवर करने वाले कपड़े पहने, जो ज्यादा टाइट न हों। ढीले-ढाले कपड़े पहनकर आप आसानी से न केवल अपने हाथों को मोड़ सकते हैं, आपको वेट-लिफ्टिंग में भी कोई परेशानी नहीं होती।

कॉटन के कपड़े

खुद को कूल रखने के लिए कॉटन के कपड़े चुनें। एक्सपर्ट आपको उन कॉटन के कपड़ों को चुनने की सलाह देते हैं जो लाइकरा या पॉलिएस्टर से बने होते हैं। यदि आप स्पेंडेक्स को पहनकर कम्फर्टेबल फील करते हैं तो जिम वियर के लिए स्पेंडेक्स बहुत ही बढ़िया चुनाव है। अगर आपको ज्यादा पसीना नहीं आता तो आप कॉटन के कपड़े पहन सकते हैं क्योंकि गीले होने पर वह बदन में चिपकते नहीं हैं।

रेसिपी

पुदीना पूरी

सामग्री

1/2 कप बारीक कटे हुए पुदीने के पत्ते
1 कप गेहूं का आटा
1 टेबल-स्पून तेल
1/2 टी-स्पून

विधि

पुदीने की पत्तियों को धोकर बारीक काट लें। पुदीना की पूड़ी बनाने के लिए सबसे पहले गेंहू के आटे को एक बड़े बाउल में छानकर निकाल लें और छने हुए आटे में कटी हुई पुदीना की पत्तियां, अजवाइन, जीरा, बेकिंग सोड़ा, कटी हुई हरी मिर्च और नमक डालकर थोड़े-थोड़े पानी से कड़ा पूड़ी जैसा आटा गूंध लें और अब आटे को ढ़ककर करीब 10 मिनट के लिए रख दें। इसके बाद गैस पर कड़ाही में तेल डालकर गरम करने के लिए रख दें। आटे से छोटी-छोटी लोइयां बना लें और अब प्रत्येक लोई को गोल पूड़ी के आकार में बेल लें। जब तेल अच्छी तरह से गरम हो जाए तब एक- एक पूड़ी को गरम तेल में डालकर दोनों तरफ पलट कर डीप फ्राई करके नैपकीन पेपर पर निकाल लें, इसी तरह से सभी पुदीना पूड़ियों को तलकर तैयार कर लें। स्वादिष्ट पुदीना की पूड़ी बनकर तैयार हो गई है। अब आप इसे आलू की सब्जी या फिर दही और आचार के साथ खा सकते हैं।

पनीर पालक मेथी

सामग्री

पालक - 250 ग्राम (बारीक कटी हुई), मेथी - 250 ग्राम (बारीक कटी हुई), पनीर - 250 ग्राम, तेल - 2-3 टेबल स्पून, हींग - 1 चुटकी, जीरा - आधा छोटा चम्मच, हल्दी पाउडर - चौथाई छोटा चम्मच, धनियां पाउडर - 1 छोटा चम्मच, टमाटर - 1 (बारीक कटा हुआ), लाल मिर्च पाउडर - चौथाई छोटा चम्मच, हरी मिर्च - 2 (बारीक कटी हुई), नमक - 3/4 छोटी चम्मच या स्वादानुसार चीनी - आधा छोटा चम्मच (यदि आप चाहें)

विधि

पनीर को 1-1 इंच के चौकोर टुकड़ों में काट लीजिए। पैन में 2 टेबल स्पून तेल डालकर गरम कीजिए। तेल गरम होने पर पनीर के टुकड़े इसमें डाल दीजिए और दोनों और से हल्के ब्राउन होने तक सेक लीजिए। सिके हुए पनीर के टुकड़ों को प्लेट मे निकाल लीजिए। पैन में तेल बचा है, 1 टेबल स्पून तेल और डाल दीजिए, गरम तेल में जीरा डाल दीजिए। जीरा भूनने पर इसमें हींग, बारीक कटी हुई हरी मिर्च, हल्दी पाउडर, धनियां पाउडर, बारीक कटे हुए टमाटर डाल कर, मसाले को थोड़ा सा भून लीजिए। भुने मसाले में बारीक कटी हुई मेथी, बारीक कटी हुई पालक, नमक, लाल मिर्च पाउडर और चीनी डालकर सभी चीजों को अच्छे से मिक्स कर लीजिए। सब्जी को मीडियम आग पर ढ़ककर के 5 मिनट के लिए पकने दीजिए और उसके बाद चैक कीजिए। सब्जी पक चुकी है, इसमें पनीर के टुकड़े डालकर अच्छे से मिक्स कर लीजिए। सब्जी को एक बार फिर ढ़ककर के 2-3 मिनट के लिए धीमी आग पर पकने दीजिए। पनीर मेथी पालक सब्जी बनकर तैयार है, इसे प्याले में निकाल लीजिए। सब्जी को आप परांठे, चपाती, नॉन या चावल किसी के भी साथ भी खा सकते हैं।

इस आश्रम में आते हैं सबसे ज्यादा अमेरिकी

पिछले दिनों अमेरिका में पीएम नरेंद्र मोदी से मुलाकात के दौरान फेसबुक के सीईओ मार्क जुकरबर्ग ने भारत में एक मंदिर का जिक्र किया था। उन्होंने कहा था कि वे एप्पल के फाउंडर स्टीव जॉब्स की सलाह पर भारत के इस मंदिर में गए थे। जुकरबर्ग ने इस मंदिर का नाम नहीं बताया था लेकिन मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह मंदिर नैनीताल के पास पंत नगर में बाबा नीम करौली के आश्रम में ही था। इसी आश्रम में 1974 में स्टीव जॉब्स आए थे। नीम करोली बाबा का कैंची धाम आश्रम नैनीताल से 20 किलोमीटर दूर नैनीताल-अलमोड़ा रोड़ पर समुद्र तल से 1400 मीटर ऊंचाई पर स्थित है। 10 सितम्बर 1973 में वृन्दावन की पावन भूमि पर नीम करौली बाबा का निधन हो गया लेकिन कैंची धाम आश्रम में अब भी विदेशी आते रहते हैं। बताया जाता है कि सबसे ज्यादा अमेरिकी ही इस आश्रम में आते हैं। आश्रम पहाड़ी इलाके में देवदार के पेड़ों के बीच है। नीम करौली बाबा के कैंची धाम आश्रम की भौगेलिक स्थिति पूर्णतः वास्तुनुकूल है, क्योंकि आश्रम की दक्षिण एवं पश्चिम दिशा में ऊंचे-ऊंचे पहाड़ है और जहां आश्रम बना है उसकी उत्तर एवं पूर्व दिशा में पहाड़ों के तीखे ढलान के कारण बहुत नीचाई है। पहाड़ की इस नीचाई के बाद उत्तर एवं पूर्व दिशा में ही क्षिप्रा नदी भी बह रही है। फेंगशुई का एक सिद्धांत है कि, यदि पहाड़ के मध्य में कोई भवन बना हो, जिसके पीछे पहाड़ की ऊंचाई हो, आगे की तरफ पहाड़ की ढलान हो, और ढलान के बाद पानी का झरना, कुण्ड, तालाब, नदी इत्यादि हो, ऐसा भवन प्रसिद्धि पाता है और सदियों तक बना रहता है।

संपादकीय

चीनी-रूसी भाई-भाई

चीनी-रूसी भाई-भाई के नारे एक बार फिर गूंजने लगे हैं, तो क्या 'हिंदी-रूसी भाई-भाई' के परंपरागत और दोस्ती के नारों पर पुनर्विचार करना चाहिए? यह सवाल अहम और अनिवार्य है, क्योंकि रूस भारत का दशकों पुराना और आजमाया हुआ 'रणनीतिक मित्र' है और चीन हमारा घोषित दुश्मन है। यदि 'दुश्मन' जैसा कड़ा शब्द छोड़ दिया जाए, तो चीन हमारा कट्टर प्रतिद्वंद्वी है। घुसपैठिया और अतिक्रमणवादी है। आज भी लद्दाख के मोर्चे पर दोनों देशों के हजारों सैनिक तैनात हैं। हर पल युद्ध के हालात बने रहते हैं। कई दौर की बातचीत की गई है, लेकिन वे नाटक लगती हैं, क्योंकि तनाव और अडियलपन जस का तस बरकरार है। यह बेहद अजीब स्थिति है कि चीन और भारत 'शत्रुवत' हैं और रूस-भारत घनिष्ठ मित्र हैं। तीसरा समीकरण रूस-चीन का है, जिसे 'अंतरंग दोस्ती' का नाम दिया गया है।

'हिंदी-रूसी भाई-भाई' के परंपरागत और दोस्ती के नारों पर पुनर्विचार करना चाहिए? यह सवाल अहम और अनिवार्य है, क्योंकि रूस भारत का दशकों पुराना और आजमाया हुआ 'रणनीतिक मित्र' है और चीन हमारा घोषित दुश्मन है। यदि 'दुश्मन' जैसा कड़ा शब्द छोड़ दिया जाए, तो चीन हमारा कट्टर प्रतिद्वंद्वी है। घुसपैठिया और अतिक्रमणवादी है। आज भी लद्दाख के मोर्चे पर दोनों देशों के हजारों सैनिक तैनात हैं। हर पल युद्ध के हालात बने रहते हैं। कई दौर की बातचीत की गई है, लेकिन वे नाटक लगती हैं, क्योंकि तनाव और अडियलपन जस का तस बरकरार है। यह बेहद अजीब स्थिति है कि चीन और भारत 'शत्रुवत' हैं और रूस-भारत घनिष्ठ मित्र हैं। तीसरा समीकरण रूस-चीन का है, जिसे 'अंतरंग दोस्ती' का नाम दिया गया है।

राष्ट्रपति पद की नई शपथ लेने के बाद ब्लादिमीर पुतिन हाल ही में चीन गए थे। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से उनकी मुलाकात हुई, शिखर संवाद हुआ और दोनों राष्ट्रपतियों ने साझा बयान भी जारी किया। बेशक चीन-रूस के अंतरंग रिश्तों और रणनीतिक साझेदारी पर शी-पुतिन ने एक बार फिर मुहर लगाई, लिहाजा हुंकार गूंजने लगी-रूसी चीनी भाई-भाई।' यह कोई सामान्य और औपचारिक मुलाकात नहीं थी। इसके कई अंतरराष्ट्रीय अर्थ और आयाम हैं। शी-पुतिन संवाद तथा बयान पर अमरीका खूब तिलमिलाया है, जबकि 'दोनों राष्ट्र भाई' दुनिया में टकराव और युद्ध के हालात के लिए अमरीका को ही 'दोषी' करार देते हैं। रूस और चीन के रिश्ते रणनीतिक तो हैं, लेकिन विचारात्मक संबंध भी ऐसे हैं, जिन्हें अलग नहीं किया जा सकता। हालांकि अब उनका 'साम्यवाद' और 'वामपंथ' मात्र सतही रह गए हैं। वे भी पूंजीवाद के रास्ते पर हैं और देश के विभिन्न वर्गों में 'गहरी असमानता' है। दोनों देश संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के 'वीटोधारक' सदस्य हैं, लिहाजा एक-दूसरे के हितों और रणनीति की सुरक्षा करते हैं। सुरक्षा परिषद में पेश किए गए प्रस्तावों पर अपनी ही कूटनीति के मुताबिक 'वीटो' करते रहे हैं। रूस-चीन की दोस्ती हथियारों और युद्ध तक ही सीमित नहीं है। वे दुनिया में अमरीका-विरोधी ब्लॉक माने जाते हैं। जिस तरह अमरीका ने प्रशांत महासागर क्षेत्र में जापान, भारत, ऑस्ट्रेलिया के साथ 'क्वाड' संगठन बना रखा है, उसी तर्ज पर रूस-चीन संबंध हैं। रूस और चीन दुनिया में 'शीत युद्ध' की मानसिकता और वैश्विक सुरक्षा में अस्थिरता के लिए अमरीका को ही कसूरवार और जिम्मेदार मानते हैं। भारत के संदर्भ में चीन और अमरीका दोनों ही दोगले हैं। अमरीका चीन के खिलाफ भारत का 'इस्तेमाल' करता रहा है। भारतीय क्षेत्र में चीन ने बार-बार घुसपैठ की है और भारतीय इलाकों पर कब्जे भी किए हैं। चीन अरुणाचल, सिक्किम, हिमाचल आदि इलाकों में कुछ क्षेत्रों को 'चीनी' मानता है, जबकि वे भारत गणतंत्र का हिस्सा हैं। दूसरी ओर यूक्रेन रूस के खिलाफ जंग लड़ पा रहा है, क्योंकि अमरीका मुखौटा पहन कर रणक्षेत्र में है। अमरीका और नाटो देश हथियारों और आर्थिक संसाधनों की मदद यूक्रेन को मुहैया न कराते, तो यूक्रेन कभी का 'मलबा' हो गया होता! अमरीका, यूरोप ने इस युद्ध के जरिए हथियारों का कारोबार भी किया है। अमरीका और पश्चिमी देशों ने रूस पर ऐसे आर्थिक प्रतिबंध थोपे थे कि वह बर्बाद हो जाए, दिवालिया निकल जाए, लेकिन रूस ने अपने दो मित्र देशों-भारत और चीन-की बदौलत अस्तित्व बचाए रखा। बल्कि यूरोप के कई देश गैस, ईंधन की कमी के कारण त्राहि-त्राहि करने लगे। गौरतलब तो यह है कि चीन-रूस की घोषित नई दोस्ती का प्रभाव क्या भारत पर पड़ेगा? भारत रूसी हथियारों और सुरक्षा प्रणालियों का सबसे बड़ा खरीददार है। कल्पना करें कि भारत-चीन में युद्ध छिड़ जाता है, तो रूस का रुख क्या रहेगा? सर्वोत्तम स्थिति यह होगी कि रूस तटस्थ रहेगा। यदि बदतर हालात बने, तो रूस चीन का समर्थन करेगा, उसे ही सहयोग देगा। फिर 'हिंदी-रूसी भाई-भाई' के ऐतिहासिक और सात दशकों से भी अधिक समय से गूंज रहे नारे का क्या होगा? क्या एक युद्ध ही भारत-रूस के रिश्तों को समाप्त कर देगा? बहरहाल, कूटनीति ऐसा संवेदनशील विषय है कि सरकारों को मंथन करना ही पड़ता है।

राजनीतिक दलों की विश्वसनीयता अपने निचले पायदान पर पहुंच चुकी है और तेज़ी से घट रही

झूठे वायदों एवं वादों से चुनाव को बचाना होगा

ललित गर्ग

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने दावा किया कि लोकसभा चुनाव के 4 चरण पूरा होने के बाद विपक्षी 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' यानी इंडिया गठबंधन मजबूत स्थिति में है और चार जून के बाद सरकार बनाएगा। इसी तरह ममता बनर्जी, अरविन्द केजरीवाल एवं अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी की करारी हार की बात कही है। वर्ष 2019 के चुनाव के दौर भी इन नेताओं ने ऐसे ही बयान दिये थे, जो चुनाव परिणाम के बाद झूठे साबित हुए।

लोकसभा चुनाव के चार चरण पूरे हो गये हैं, पांचवें चरण की ओर बढ़ते हुए चुनावी सरगर्मी बढ़ रही है। तमाम राजनीतिक दलों में वास्तविकता से दूर झूठे, तथ्य-आधारहीन, भ्रामक एवं बेबुनियाद वादे करने की आपसी होड़ बढ़ती जा रही है। राजनीतिक दल चार चरणों के बाद जिस तरह के जीत के तथ्य प्रस्तुत कर रहे हैं, वह हास्यास्पद एवं अविश्वसनीय है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने दावा किया कि लोकसभा चुनाव के 4 चरण पूरा होने के बाद विपक्षी 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' यानी इंडिया गठबंधन मजबूत स्थिति में है और चार जून के बाद सरकार बनाएगा। इसी तरह ममता बनर्जी, अरविन्द केजरीवाल एवं अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी की करारी हार की बात कही है। वर्ष 2019 के चुनाव के दौर भी इन नेताओं ने ऐसे ही बयान दिये थे, जो चुनाव परिणाम के बाद झूठे साबित हुए। इस तरह के अतिश्योक्तिपूर्ण, आधे-अधूरे, सत्यता से परे के बयानों से राजनीतिक दलों की विश्वसनीयता अपने निचले पायदान पर पहुंच चुकी है और तेज़ी से घट रही है। जिस प्रकार विभिन्न दलों के नेताओं की भाषा, बयान एवं लोकलुभावन वायदे निम्न स्तर पर पहुंच रहे है, उसे देखकर कहा जा सकता है कि हमारे लोकतंत्र का स्वास्थ्य कहीं-ना-कहीं खराब जरूर हो रहा है। आम आदमी पार्टी (आप) के वादे और उनके काम के बीच फ़ासला लगातार बढ़ता रहा है, देश की भोली भाली जनता को आपका बेटा, आपकी बेटी कहकर सहानुभूति पाने की उसकी कुचेष्ठाओं का पर्दाफाश पहले ही हो गया है। 'आप' ने अपने कामकाज के तरीक़े में पूरी पारदर्शिता का वादा किया था, लेकिन लोकसभा के लिए उम्मीदवारों के चयन में इसका ख्याल नहीं रखा गया है। हाल ही में पंजाब की चुनावी सभाओं में पार्टी नेता अरविन्द केजरीवाल ने बृजभूषण पर तो गंभीर आरोप लगाते हुए भाजपा को दागगार घोषित किया लेकिन वे अपने ही मुख्यमंत्री निवास पर राज्यसभा सांसद एवं पूर्व दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाती मालीमाल के साथ हुई मारपीट एवं अशिष्टता को भूल गये। निश्चित ही आप की कथनी और करनी में गहरा फासला है। इन्हीं केजरीवाल ने जनता को गुमराह करने एवं ठगने के लिये पिछले गुजरात के विधानसभा चुनाव में प्रचार के दौरान एक सादे कागज पर अपने हस्ताक्षर करते हुए गुजरात में आप की सरकार बनने का दावा किया, जबकि उन चुनावों में आप के 4-5 सीटों पर जीत के अलावा सभी सीटों पर आप उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गयी थी। एक बार फिर इन लोकसभा चुनावों में वे ऐसा ही करते हुए झूठे दावे कर रहे हैं। इससे आप पार्टी की विश्वसनीयता एवं पारदर्शिता के दावों पर सवालिया निशान लग रहे हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने हाल ही में दावा किया है कि उनकी पार्टी 2009 के आम चुनाव से बेहतर प्रदर्शन करेगी। यह दावा वास्तविकता से कोसों दूर है और राजनीतिक हलकों में उपहास का विषय बन गया है। जब कांग्रेस ने इन चुनावों में कोई लक्ष्य ही तय नहीं किया है तो कौन से लक्ष्य को पाने एवं जीत की बात कांग्रेस कर रही है? जैसे भाजपा ने 400 पार का लक्ष्य बनाया है, क्या कांग्रेस का ऐसा कोई लक्ष्य है? पार्टी के कार्यकर्ता बिना लक्ष्य के किसे अपना मिशन बनाये? कांग्रेस का एक दावा ये भी है कि वो लोकसभा में साफ सुथरी छवि वाले उम्मीदवारों को उतार रही है लेकिन वास्तविकता इसके उलट है। कई उम्मीदवारों को भ्रष्टाचार के उन आरोपों के बाद भी टिकट दिए गए हैं जिसकी जांच सीबीआई कर रही है। हाल के दिनों में, प्रत्येक राजनीतिक दल के घोषणापत्र में वादों की लंबी चौड़ी फेहरिस्त सामने आयी है। जबकि अतीत में किए उनके काम बताते हैं कि सत्ता में आने के बाद वे अपने घोषणा पत्र के कुछ ही हिस्सों को लागू कर पाते हैं। जो सत्ता में नहीं आ पाते वो अपने घोषणापत्र को कूड़े के डब्बे में डाल देते हैं। विडम्बना तो यह भी है कि जिन दलों को चुनाव जीतने की आशा नहीं है, वे बेतूके वायदे एवं घोषणाएं करके आम मतदाता को भ्रमित करते हैं। शुरुआत से ही राजनीतिक दल वादे इसलिए करते हैं कि लोग उन्हें सत्ता की चाभी सौंपें। लेकिन चुनावी मौसम में राजनीतिक दल और राजनेता अपने अपने कामों के बारे में बढ़ चढ़कर दावे करते हैं और उन्हें भरोसा रहता है कि मासूम और भोली जनता उनके दावों पर यकीन कर लेगी,

इसलिए वे लुभावने वादों की झड़ी लगा देते हैं। कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने उत्तरप्रदेश की एक सभा में चार चरण पूरे होने के बाद भाजपा के 5 किलो मुफ्त अनाज की जगह 10 किलो मुफ्त अनाज की घोषणा कर है। बेवक्त पर की गयी यह घोषणा भी पार्टी की अपरिपक्वता को उजागर कर रही है। हालांकि ऐसे वादे हमेशा खाली जाते हैं या अधूरे रहते हैं। वादे करने का मतलब उसे पूरा करना ही नहीं होता। अतीत में, कांग्रेस की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने ग़रीबी हटाओ के नारे के साथ 1971 का चुनाव ज़रूर जीता था। लेकिन लगातार दो बार सत्ता में आने के बाद भी देश से ग़रीबी नहीं हटी क्योंकि ज्यादातर सरकारी योजनाएं आम ग़रीबों तक पहुंची ही नहीं। अतीत गवाह है विगत दावों और वादों की हक़ीक़त का। हालांकि यह देखना बाक़ी है कि किसने सबक लिया और कौन अपने वादों और दावों के प्रति गंभीर रहेगा।

कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे और समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने राजधानी लखनऊ में एक ज्वाइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान सपा प्रमुख ने दावा किया कि विपक्षी इंडिया' गठबंधन उत्तर प्रदेश में 79 लोकसभा सीटें जीतेगा, और सिर्फ एक सीट पर ही मुकाबला है। ऐसे अतिश्योक्तिपूर्ण बयान कभी सच होते हुए नहीं देखें गये हैं। निश्चित ही चुनाव परिणाम भविष्य के गर्भ में है एवं इसकी 4 जून को घोषणा सभी के लिये आश्चर्यकारी एवं चमत्कृत करने वाली होगी। देश का अगला प्रधानमंत्री चुनने के लिए चार चरणों की वोटिंग पूरी हो चुकी है। लोकसभा की कुल 543 सीटों में 380 सीटों के लिए वोट डाले चुके हैं। इन चार चरणों की वोटिंग के बाद हर राजनीतिक दल हवा का रुख भांपने को कोशिश कर रहा है लेकिन उनका यह आकलन सत्य से परे हो, बिलकुल ही आधारहीन हो, इसे लोकतंत्र के स्वास्थ्य के लिये अनुकूल नहीं माना जा सकता। यहां सत्ताधारी भाजपा से लेकर विपक्षी कांग्रेस सभी अपनी-अपनी जीत का दावा कर रहे हैं। भाजपा के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इन चार चरणों में 270 सीटें जीतने का दावा करते हुए 400 का टार्गेट आसानी से पूरा करने की बात कही, वहीं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने इंडिया गठबंधन की सरकार बनने का दावा किया है। भाजपा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में जो वायदें किये, उन्हें पूरा किया। 1990 के दशक और 21वीं शताब्दी के शुरुआती सालों में भारतीय जनता पार्टी अयोध्या में भव्य राम मंदिर बनाने के वादे के साथ सत्ता में आई एवं उसने मन्दिर बना दिया। भाजपा ने ख़ुद को पार्टी विद डिफ़रेंस कहकर भी प्रचारित किया और जम्मू कश्मीर के विशेष दर्जे को ख़त्म करने का वादा भी किया। उसने वह भी पूरा किया। पिछले 10 वर्षो में देश ने विकास की जो रफ्तार पकड़ी है, उसे देश एवं दुनिया खुली आंखों से देख रही है। फिर भी चुनाव का समय मतदाताओं के जागने एवं विवेक से अपना मतदान करने की अपेक्षा करता है।

दृष्टि कोण

पाकिस्तान के शोषण से पीओके की जनता बेहाल, कब्जे वाले क्षेत्र की वापसी का वक्त आ गया

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में पिछले कुछ दिनों से आटे की आसमान छूती कीमत और बिजली के बिल में अप्रत्याशित बढ़ोतरी के खिलाफ व्यापक प्रदर्शन जारी है। वहां की बदहाली का मुख्य कारण पीओके के साथ पाकिस्तान का सौतेला व्यवहार है। पाकिस्तान पीओके के संसाधनों की लगातार लूट में लगा है। इसी नीति के विरोध में यह प्रदर्शन उग्र रूप ले चुका है। लोगों का कहना है कि पीओके स्थित मंगला बांध से उत्पादित बिजली की पाकिस्तान में आपूर्ति की जाती है। हमें मिलने वाली सब्सिडी बंद कर बिजली के बिल में अप्रत्याशित बढ़ोतरी की गई है। पीओके स्थित मंगला से बांध दो से ढाई हजार मेगावाट बिजली पैदा होती है। इसकी उत्पादन लागत दर ढाई से तीन रुपये प्रति यूनिट है और पाकिस्तान सरकार उपभोक्ताओं से 50 से 60 रुपये प्रति यूनिट वसूल करती है। इस आंदोलन का नेतृत्व जम्मू-कश्मीर संयुक्त आवामी एक्शन कमेटी कर रही है। आंदोलन को कुचलने के लिए हजारों की संख्या में रेंजर्स तैनात किए गए हैं। इसमें दोनों तरफ से हुई झड़पों में आंदोलनकारी, रेंजर्स और पुलिस कर्मचारी मारे गए हैं। अब इस मुद्दे की गूंज ब्रिटेन और कई देशों में पहुंच गई है। ब्रिटेन में पाकिस्तान कश्मीर पीपुल्स पार्टी के कार्यकर्ताओं ने पाकिस्तान वाणिज्य दूतावास के बाहर प्रदर्शन शुरू कर दिया है। अब मुजफ्फराबाद में हेलीकॉप्टरों के माध्यम से सेना के कमांडो की तैनाती की जा रही है, जिससे हिंसा और जान-माल के नुकसान की आशंका और ज्यादा बढ़ गई है। पीओके के हालात अब इतने बदहाल हो गए हैं कि वहां के लोग पाकिस्तानी हुकूमत के खिलाफ खुली बगावत पर उतर आए हैं। वे खुलेआम कह रहे हैं कि 'हम भारत में शामिल होना चाहते हैं, कम से कम हमें वहां दो वक्त की रोटी तो

मिल जाएगी। यहां जीना दूभर हो गया है। यहां के प्राकृतिक संसाधनों को पाकिस्तान लूट रहा है। वह अपनी जरूरत की चीजें निकाल कर ले जाता है, लेकिन हमें कुछ नहीं मिलता।' गौरतलब है कि विगत 10 मई को वहां भारतीय तिरंगा लहराए गए। कई जगह पर 'हमें भारत से मिला दो' के नारे लिखे हुए पोस्टर भी लगाए गए। दरअसल पीओके के लोग देख रहे हैं कि जम्मू-कश्मीर के निवासी शांतिपूर्ण जीवन व्यतीत कर रहे हैं। जम्मू-कश्मीर में खुशहाली और विकास की नई लहर चल पड़ी है। हाल ही में हुए संसदीय चुनाव में जम्मू-कश्मीर में 38 फीसदी का रिकॉर्ड मतदान हुआ, जो पहले हुए मतदानों से काफी ज्यादा है। पाकिस्तान की सरकार ने पीओके को 23 अरब पाक रुपये का अनुदान दिया है, लेकिन इसका कोई असर नहीं हुआ। हकीकत तो यह है कि पीओके के लोग पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ पर अब बिल्कुल भी भरोसा नहीं करते। इसलिए अब पाकिस्तान के प्रधानमंत्री पीओके जाकर बातचीत के जरिये वहां की समस्याओं का हल निकालना चाहते हैं। अब देखना होगा कि उनकी बातचीत क्या रंग लाएगी। देखा जाए, तो 1947 के बाद भारत की किसी भी सरकार ने पीओके को पाकिस्तान के कब्जे से छुड़ाने की कोई कोशिश नहीं की। लेकिन हमारी मौजूदा मोदी सरकार के रक्षा मंत्री, गृह मंत्री और विदेश मंत्री ने पीओके के संजीदा हालात को देखते हुए कहा है कि पीओके भारत का हिस्सा है और हम इसे हर हाल में पाकिस्तान के चंगुल से निकाल कर रहेंगे। उम्मीद की जानी चाहिए कि भारत इसे वापस लेने के लिए ठोस कदम उठाएगा, ताकि इसके दूसरे हिस्से को जम्मू-कश्मीर के साथ मिलाया जा सके। अनुच्छेद 370 को हटाने के बाद जम्मू-कश्मीर के हालात काफी बेहतर हुए हैं। इससे पहले संसद में दो प्रस्ताव भी पास हो चुके हैं। अब पाकिस्तान से हिसाब लेने का समय आ गया है। पीओके में पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई वहां के युवाओं को हथियार और प्रशिक्षण देकर भारत के खिलाफ भड़काती है और जम्मू-कश्मीर में घुसपैठ करा रही है। पीओके में आतंकियों के प्रशिक्षण शिविर भी बने हुए हैं। अगर पीओके को कब्जे से छुड़ा लिया गया, तो ये शिविर बंद हो जाएंगे। उम्मीद करनी चाहिए कि आगामी चार जून को लोकसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद जब नई सरकार का गठन हो जाएगा, तो इसके तुरंत बाद सरकार अपने एजेंडे में पीओके की वापसी को प्राथमिकता में रखेगा।

कुछ अलग

सही और फर्जी के बीच मिटता फर्क

यह बात 1967 की है, जब भारत अपनी चौथी लोकसभा को चुन रहा था। उस आम चुनाव में कांग्रेस ने लखनऊ से देश के सबसे बड़े शराब कारोबारी कर्नल वेद रतन मोहन को टिकट दिया था। वह देश की सबसे बड़ी शराब बनाने वाली कंपनी मोहन मीकिन के चेयरमैन थे। राजनीति और कारोबार की दुनिया के वह काफी सम्मानित शख्स थे। उन्हें उस दौर के सबसे मशहूर ब्रांड ओल्ड मॉन्क जैसी रम और गोल्डन ईगल जैसी बीयर शुरू करने का श्रेय भी दिया जाता है। कर्नल वीआर मोहन की जीत तकरीबन पक्की मानी जा रही थी। वह लगातार दो बार लखनऊ शहर के मेयर रह चुके थे और शहर की सबसे चर्चित शख्सियतों में शुमार थे। उद्योगपति होने के कारण यह भी माना जा रहा था कि उनके पास संसाधनों की कोई कमी नहीं है। लखनऊ की लोकसभा सीट कांग्रेस की परंपरागत सीट थी और उस चुनाव में बेशक पहली बार कांग्रेस पूरे देश में थोड़ी कमजोर दिख रही थी, लेकिन लखनऊ सीट पर उस हवा का असर नहीं था। उस चुनाव की एक और महत्वपूर्ण बात यह थी कि लखनऊ लोकसभा सीट से 1957 और 1962 में लगातार दो चुनाव हारने वाले भारतीय जनसंघ के लोकप्रिय नेता अटल बिहारी वाजपेयी इस बार वहां से चुनाव नहीं लड़ रहे थे। अपने लच्छेदार भाषणों से भारी भीड़ बटोरने वाले वाजपेयी का लखनऊ से चुनाव न लड़ना भी कांग्रेस को आश्वस्त कर रहा था। कर्नल मोहन के सामने एकमात्र मजबूत उम्मीदवार थे आनंद नारायण मुल्ला। वकील और विद्वान होने के साथ ही वह उर्दू शायर भी थे। वह निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ रहे थे और कांग्रेस की संगठनात्मक ताकत व कर्नल मोहन के निजी रुतबे के सामने कोई निर्दलीय उम्मीदवार टिक भी सकेगा, इसकी कोई उम्मीद नहीं थी। एक और चीज थी, जो आनंद नारायण मुल्ला के खिलाफ जाती थी। दरअसल, लखनऊ से लगभग 25 किलोमीटर दूर काकोरी नाम के एक कस्बे के पास 9 अगस्त, 1925 को एक ट्रेन डकैती हुई थी। हिन्दुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन के क्रांतिकारियों ने इसको अंजाम दिया था। ट्रेन में ले जाए जा रहे सरकारी खजाने को लूटने की योजना राम प्रसाद बिस्मिल व अशफाक उल्ला खां ने बनाई थी और इस योजना को अंजाम देने में चंद्रशेखर आजाद और राजेंद्र लाहिड़ी जैसे कई क्रांतिकारियों ने भाग लिया था। क्रांतिकारी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए उनके संगठन को पैसे की जरूरत थी और इसीलिए ट्रेन डकैती जैसे दुस्साहसी काम को करने का फैसला किया गया था। बाद में जब इस मामले में मुकदमा चला, तो सरकार ने अपना वकील बनाया आनंद नारायण मुल्ला के पिताजी जगत नारायण मुल्ला को। इस केस में आनंद नारायण मुल्ला अपने पिता के असिस्टेंट थे और दोनों को सरकार की ओर से अच्छी-खासी फीस मिली थी। डर यह था कि काकोरी कांड को लेकर आनंद नारायण मुल्ला को चुनाव प्रचार के दौरान कठघरे में खड़ा किया जाएगा। मगर ऐन वक्त पर हवा बदल गई। प्रचार यह हुआ कि इस बार कांग्रेस ने लखनऊ से एक शराबी को टिकट दे दिया है। फिर इस तरह की बातें भी उड़ाई गईं कि कनर्ल वीआर मोहन जब प्रचार के लिए फलां मोहल्ले पहुंचे, तो नशे में एकदम धुत थे। कांग्रेस ने अपना सारा जोर लगा दिया, सारे संसाधन झोंक दिए गए, देश भर के तमाम बड़े नेताओं के दौरे हुए, उस समय के हिसाब से पैसा भी खूब बहाया गया, लेकिन अफवाहों से जो नैरेटिव तैयार हुआ, उसका जवाब नहीं मिल सका और आनंद नारायण मुल्ला बहुत आसानी से चुनाव जीत गए। यह पहला चुनाव था, जब लखनऊ लोकसभा सीट से कांग्रेस हारी और अगले चुनाव में कांग्रेस ने फिर से इस सीट को हासिल कर लिया।

देश दुनिया से

सियासत में उपेक्षित वीरभूमि का सैन्य बलिदान

वतन-ए-अजीज के स्वाभिमान के लिए जंग का मैदान हो या देश को मजबूत सियासी नेतृत्व प्रदान करने के लिए सत्ता का संग्राम, राज्य के लाखों सैनिक दोनों मोर्चों पर अपनी अहम भूमिका अदा करते आए हैं, मगर विडंबना है कि सैन्य परिवारों तथा सामरिक विषयों से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दे किसी भी सियासी दल के चुनावी घोषणापत्र में शामिल नहीं होते। प्रदेश के पूर्व सैनिक कई वर्षों से भारतीय सेना में अपने राज्य की अलग पहचान के लिए हिमाचल रेजिमेंट के गठन की मांग करते आ रहे हैं, मगर राज्य की प्रतिष्ठा से जुड़े इस मुद्दे की आवाज सियासी तौर पर उस शिद्दत से बुलंद नहीं हुई कि मरकजी हुकूमत के सियासी गलियारों में सुनाई दे सके।

इस बात में कोई दो राय नहीं है कि हिमाचल प्रदेश के गौरवशाली सैन्य पराक्रम व देश के लिए सैकड़ों सैनिकों के सर्वोच्च बलिदान ने राज्य को 'वीरभूमि' का सम्मान दिलाया है। वतन-ए-अजीज के स्वाभिमान के लिए जंग का मैदान हो या देश को मजबूत सियासी नेतृत्व प्रदान करने के लिए सत्ता का संग्राम, राज्य के लाखों सैनिक दोनों मोर्चों पर अपनी अहम भूमिका अदा करते आए हैं, मगर विडंबना है कि सैन्य परिवारों तथा सामरिक विषयों से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दे किसी भी सियासी दल के चुनावी घोषणापत्र में शामिल नहीं होते। प्रदेश के पूर्व सैनिक कई वर्षों से भारतीय सेना में अपने राज्य की अलग पहचान के लिए हिमाचल रेजिमेंट के गठन की मांग करते आ रहे हैं, मगर राज्य की प्रतिष्ठा से जुड़े इस मुद्दे की आवाज सियासी तौर पर उस शिद्दत से बुलंद नहीं हुई कि मरकजी हुकूमत के सियासी गलियारों में सुनाई दे सके। नतीजतन यह मुद्दा उपेक्षा का शिकार हो गया। सैन्य परिवारों की संख्या के मद्देनजर राज्य में 'पूर्व सैनिक अंशदान स्वास्थ्य योजना' (ईसीएचएस) व आर्मी कैंटीनों का विस्तार होना चाहिए। सीएसडी डिपो, सैन्य अकादमी व सैनिक स्कूल खोलने की मांग भी लंबे वक्त से हो रही है। पहाड़ की विषम परिस्थितियों के मद्देनजर राज्य में रोजगार के सीमित साधन होने के कारण ज्यादातर युवा अपने कैरियर के लिए सशस्त्र सेनाओं का रुख करते हैं, लेकिन हमारे देश में सेना में जवानों की नियुक्ति का पैमाना 'रिक्रूटेबल मेल पापुलेशन' (आरएमपी) इंडेक्स सिस्टम पर आधारित है। बड़ी आबादी वाले राज्यों को सैन्य भर्ती की वैकेंसी जनसंख्या के आधार पर प्रदान की जाती है। यानी शौर्य पराक्रम के इतिहास व योग्यता से ज्यादा आबादी को तरजीह दी जाती है। प्रश्न यह है कि यदि किसी सूबे में किसी समुदाय की आबादी तेज रफ्तार से बढ़ रही है तो क्या जनसंख्या को आधार बनाकर उस राज्य की सैन्य भर्ती की वैकेंसी में इजाफा कर दिया जाएगा? भारत में जनसंख्या विस्फोट एक बड़ी चुनौती बन चुका है। यदि कोई राज्य जनसंख्या संतुलन को बरकरार रखने के लिए देशहित में राष्ट्रवादी नजरिए की मिसाल कायम कर रहा है तो क्या कम आबादी का हवाला देकर उस राज्य की सेना में वैकेंसी घटा दी जाएगी? किसी राज्य के कुर्बानियों से लबरेज सैन्य इतिहास को नजरअंदाज कर दिया जाएगा? बेशक जम्हूरियत के निजाम में इक्तदार हासिल करने के लिए आबादी का अंकगणित एक महत्वपूर्ण फैक्टर है। परंतु जनसंख्या की अहमियत व जाति-मजहब के समीकरण तथा सियासी मंचों से जज्बाती तकरीरें केवल वोट बैंक साधने के लिए मुफीद हो सकते हैं। जब पड़ोस में जम्हूरियत को रक्तरंजित करने वाले चीन व पाकिस्तान जैसे नामुराद मुल्क सरहद पर हरदम भारत को दहलाने का मंसूबा तैयार करके बैठे हों तो आरएमपी सिस्टम या जनसंख्या कोई मायने नहीं रखते। दुश्मन देशों से निपटने के लिए फिदा-ए-वतन के जज्बात रखने वाले रणबांकुरों की जरूरत होती है। वीरभूमि के सैन्य पराक्रम की विरासत पर हर प्रदेशवासी गर्व

महसूस करता है। बड़े राज्यों की अपेक्षा आबादी व क्षेत्रफल में छोटा राज्य हिमाचल सैन्य वीरता पदकों की संख्या में शीर्ष पर काबिज है। देशरक्षा के मोर्चे पर राज्य के सपूतों का बलिदान बाकी राज्यों की अपेक्षा कहीं अधिक है। दो विश्व युद्ध, आजाद हिंद फौज, देश के लिए पांच बड़े युद्ध, यूएनओ मिशन के तहत विदेशी भूमि पर शांति सैन्य अभियान तथा कश्मीर से लेकर पूर्वोत्तर राज्यों तक आतंक विरोधी सैन्य आपरेशनों में वीरभूमि के सैनिकों ने अदम्य साहस के कई सुनहरे मजमून लिखे हैं। जंगे अजीम में दो 'विक्टोरिया क्रॉस', आजादी के बाद चार 'परमवीर चक्र', तीन 'अशोक चक्र' तथा तेरह 'महावीर चक्र' रणभूमि में दुश्मन के समक्ष शूरवीरता के ये आलातरीन सैन्य पदक वीरभूमि के सैनिकों की दास्तान-ए-शुजात की तस्दीक करते हैं। आजाद हिंद फौज के सैन्य एजाज से सरफराज जांबाज कर्नल 'मेहर दास', 'सरदार-ए-जंग' कै. 'बख्शी प्रताप सिंह', 'तगमा-ए-शत्रुनाश' लेफ्टिनेंट 'अमर चंद', 'तगमा-ए-बहादुरी' कै. 'हरि सिंह', 'शेर-ए-हिंद' लेफ्टिनेंट 'सुखदेव चौधरी', 'वीर-ए-हिंद' कै. ठाकुर राम सिंह तथा तख्ता-ए-दार पर झूलने वाले क्रांतिकारी मेजर दुर्गामल व कै. दल बहादुर थापा। भले ही वर्तमान में पहाड़ की सैन्य पृष्ठभूमि के ये नाम गुमनामी के अंधेरे में जा चुके हैं, मगर देश की आजादी के लिए अंग्रेजों की सफ्फाक हुकूमत से लडने वाले उन इंकलाबी चेहरों की कर्मभूमि हिमाचल प्रदेश ही था। दरअसल जाति-मजहब की सदारत करने वाले सियासी रहनुमाओं व सियासी जमातों की देश में कोई कमी नहीं है। आजादी के बाद से देश के लाखों भूतपूर्व सैनिक व उनके परिवार सियासी रहनुमाओं को सत्ता के सिंहासन पर विराजमान करने में अपना योगदान दे रहे हैं। भूतपूर्व सैनिकों के लिए सरकारी नौकरियों में कोटा जरूर निर्धारित हुआ है। उसका भी अक्सर विरोध होता है, मगर देश के तमाम इदारों पर नियंत्रण सियासी व्यवस्था का ही होता है। राज्यसभा में कला, साहित्य व मायानगरी से ताल्लुक रखने वाले बारह सदस्य राष्ट्रपति द्वारा नामांकित किए जाते हैं, लेकिन 'स्वयं से पहले राष्ट्र' के सिद्धांत पर काम करने वाली भारतीय सेना के अनुभवी भूतपूर्व सैनिकों की सियासी व्यवस्था में भागीदारी सुनिश्चित नहीं हुई। नतीजतन राष्ट्रीय सुरक्षा व सैनिकों तथा आजादी के परवानों से जुड़े मुद्दे जम्हूरियत की पंचायतों में चर्चा का मरकज नहीं बनते। सियासी इच्छाशक्ति के अभाव में कारगिल के बलिदानी कै. सौरभ कालिया की पाक सेना द्वारा की गई हत्या का मुकद्दमा अंतरराष्ट्रीय न्यायालय तक नहीं पहुंच पाया। 'वन रैंक वन पेंशन' का मुद्दा दशकों तक लंबित रहा। इन विषयों पर तफसील से तब्सिरा पेश होना चाहिए। बहरहाल देश के हुक्मरानों को हिमाचल प्रदेश के सैन्य बलिदान से मुखातिब होना होगा। सशस्त्र सेनाओं में वीरभूमि के दमदार सैन्य इतिहास के मद्देनजर राज्य के सैन्य भर्ती कोटे में बढ़ोतरी होनी चाहिए। युवाओं के मुस्तकबिल से जुड़े इस मुद्दे पर सूबे की लीडरशिप को राष्ट्रीय स्तर पर राज्य का पक्ष पूरी शिद्दत से रखना होगा। इस मुद्दे को प्राथमिकता मिलनी चाहिए।

आप का नजरिया

हिमाचल में कितने साम्राज्य

चुनाव की आंखें जो देख रही हैं, उससे भिन्न हैं हमारे जहां। छोटे से हिमाचल में समाज ने बड़े ही गोपनीय अंदाज से बड़े-बड़े साम्राज्य बना लिए हैं। ये साम्राज्य कानून व्यवस्था से बेफिक्र, प्रशासनिक चौकसी से दूर और सियासी प्रणाली से गलबहियां करते मिल जाएंगे, फिर भी कसूर सिर्फ मतदाता का है जो वर्षों से लोकतांत्रिक देश में आंखें फाड़ कर खुद को देखने में असफल हो रहा है। हमें कोफ्त नहीं कि पहाड़ कट कर मैदान हो गया, हमें दुख नहीं कि हमारी अपनी नदी सूख गई। हम विकास की चिलमन से सुखद नजारे देखना चाहते हैं, लेकिन आंखों पर पर्दे लिए परिवेश गंवा रहे हैं। बड़ी आशा में विकास की आपूर्ति करना हिमाचल सीख गया कि अवैध खनन की रेत छाननी कैसे और यह भी कि बीबीएन औद्योगिक परिसर से निकलते स्क्रैप की वैधता में अवैध वसूली मजबूत कैसे करनी है। हमें आश्चर्य अब होता ही कहां। हमें मालूम है कि हर पार्टी की जुबान फिसलती है और सत्ता का विपक्ष और विपक्ष का सत्ता होना अब सालता कहां। नागरिक समाज को चाहिए राजनीतिक चुगलखोरी, इसलिए वर्तमान चुनाव के कान हैं कहां। सभी बोल रहे हैं लेकिन कान को कानों कान खबर नहीं। हमें मालूम है कि कालेज की वर्तमान पढ़ाई से हमारे बच्चे नौकरी के काबिल नहीं बनेंगे, फिर भी जिद्द है कि बस्ती-बस्ती शिक्षण संस्थान खुल जाएं। हर स्कूल में एक साम्राज्य है और हर कालेज के साम्राज्य में कई स्वयंभू राजा हैं। जवाली के स्कूल का दस्तूर हमें बताता है कि अगर मूड में आना हो तो अध्यापक के लिए परिसर में मयखाना भी मयस्सर है। श्रीमान अध्यापक महोदय का वीडियो बता रहा है कि प्रदेश में असली बादशाहत है किसकी। ताज्जुब यह कि पर्यटन में हम अपने प्रदेश की नई तस्वीर-नई तासीर ढूंढ रहे हैं, जबकि टूटती शराब की बोतलों के पैमानों में देवभूमि की छवि झांक रही है। मनाली में भोपाल की युवती का शव शायद कुछ न कहे, लेकिन चेतावनी जरूर दे रहा है। पर्यटन के साम्राज्य में सांस्कृतिक नासूर चल रहे हैं और कसूर यह कि हमारे होटल खाली हैं। हम पुनः चुनाव में उन्हीं चेहरों के दम पर किसका साम्राज्य ढूंढ रहे हैं। कहीं सियासत मशगूल है एक नया साम्राज्य बनाने में ताकि सत्ता से हासिल प्रभावशाली रहे। वे सैकड़ों तोरणद्वार दोषी हैं, जिनके नीचे से हमारे राजा निकल रहे हैं। हमारे उधार, व्यवस्था के कर्जदार निकल रहे हैं। हम बंट गए, हर किसी की बोली में फंस गए। इसी हिमाचल में उम्मीदवारों की जातियां पहचानेंगे, तो दुर्ग अनेक उन्हीं पुरानी ईंटों को जोड़ रहे हैं। इस बार लोकसभा चुनाव के भीतर हिमाचल भी साम्राज्य है। कहीं कांगड़ा, तो कहीं हमीरपुर का दुर्ग और कहीं मंडी नरेश का फैसला होगा। इसी तरह उपचुनावों में बागी विधायकों का जमावड़ा यूं तो भाजपा के साम्राज्य के लिए लड़ रहा है, लेकिन जो ढह गए उन्हें कल कौन कबूल करेगा। किलेबंदियों में हिमाचल ने राजनीति को श्रेष्ठ मान लिया। इसलिए उस अदने से कर्मचारी को देखिए जो ताउम्र एक ही स्टेशन पर अड्डा जमाए अपना साम्राज्य बना लेता है। सुनिश्चित दायरे में घूम रहे सरकारी कर्मचारी कितने ताकतवर हैं कि यह राज्य स्थानांतरण नीति की जरूरत ही नहीं समझता।

फ्लाइट में केबिन बैगेज से चुराए एक करोड़ रुपये से ज्यादा, इस शख्स ने चोरी के लिए लगाया ऐसा दिमाग

नई दिल्ली, 20 मई (एजेंसियां)।

देश में एक शख्स ने फ्लाइट में यात्रियों के सामान से एक करोड़ से भी ज्यादा रुपयों की चोरी की है। यह शख्स चोरी के खासतौर पर ऐसे बुजुर्गों को निशाना बनाता था, जिन्हें चलने में परेशानी होती थी और फ्लाइट में पहले चढ़ने की परमीशन दी जाती थी। इस शख्स का नाम राजेश कपूर है। पहाड़गंज निवासी राजेश कपूर अलग-अलग भारतीय फ्लाइट्स में चोरी की घटनाओं को अंजाम देता रहा है। राजेश चोरी करने के लिए ऐसे बुजुर्गों के साथ विमान में चढ़ जाता था, जिन्हें चलने में परेशानी होती थी और उन्हें पहले चढ़ने की अनुमति मिली होती थी। राजेश फ्लाइट में चढ़ जाता और जब वह अपनी सीट पर सामान रखने में लगे होते थे, तभी वह जल्दी से उनका सामान खोलकर कीमती चीजें चुरा लेता था। ऐसा उसने कई बार किया और लाखों रुपयों का सामान चुरा लिया। अब वह पकड़ में आया है। दिल्ली पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस की जांच में पता चला है कि वह करीब 200 फ्लाइट्स में यात्रा कर चुका है। चोरी के लिए उसने कई बार अपने मृत भाइयों के पहचान पत्र और फोन नंबर का इस्तेमाल किया था।

इस तरह पकड़ा गया - राजेश कपूर 11 अप्रैल तक अलग-अलग उड़ानों में ऐसे ही चोरी की घटनाओं को अंजाम दे रहा था। इस दौरान हैदराबाद से दिल्ली जा रही एक महिला ने पुलिस से शिकायत की कि उसके हैंडबैग से 7 लाख रुपये के गहने चोरी हो गए हैं। इसके बाद दिल्ली पुलिस ने इस मामले की जांच की। इससे पहले 2 फरवरी को एक दूसरे यात्री ने भी पुलिस में शिकायत की थी कि उसका 20 लाख रुपये के कीमती सामान गायब हो गए हैं। पुलिस ने जांच के बाद उसे 13 मई को गिरफ्तार किया था। दिल्ली पुलिस एयरपोर्ट सुरक्षा कैमरों, एयरलाइन डेटा और कॉल रिकॉर्ड की मदद से उसे पकड़ने में कामयाब रही है।

ऐसे हुआ शक - रिपोर्ट के मुताबिक, राजेश ने अकेले एक साल में कम से कम 200 से ज्यादा उड़ानें भरी थीं। उसने कई बार अपने मृत भाइयों के क्रेडेंशियल और फ़ोन नंबर का इस्तेमाल करके एक दिन में कई बार सफर किया था। वह अपना फ़ोन बंद रखता था, कभी-कभार ही उसे चालू करता था। पुलिस के आंकड़ों के मुताबिक, अगर राजेश ने अपने टिकट के लिए औसतन 7,500 रुपये का भुगतान किया है, तो उसने इन 200 उड़ानों पर करीब 15 लाख रुपये खर्च किए होंगे, लेकिन चोरी के सिर्फ़ चार मामलों में उसे जो रिटर्न मिला है, वह लगभग 1 करोड़ रुपये है।

न्यूज ब्रीफ

टाटा मोटर्स नए प्रोडक्ट्स और टेक्नोलॉजी पर करने जा रही बड़ा निवेश, बनाया ये प्लान

नई दिल्ली। टाटा मोटर्स नए प्रोटक्ट्स और टेक्नोलॉजी पर बड़ा निवेश करेगी। कंपनी अगले वित्तीय वर्ष (2024-25) में नई गाड़ियों और टेक्नोलॉजी पर 43,000 करोड़ रुपये खर्च करने जा रही है। ये रकम पिछले साल के 41,200 करोड़ रुपये से थोड़ी ज्यादा है। इस रकम का ज्यादातर हिस्सा, करीब 35,000 करोड़ रुपये, टाटा मोटर्स की ब्रिटिश कंपनी जगुआर लैंड रोवर पर खर्च किया जाएगा। पिछले साल पर 33,000 करोड़ रुपये खर्च किए गए थे। टाटा मोटर्स ग्रुप ने नए उत्पादों और प्रौद्योगिकी पर चालू वित्त वर्ष (2024-25) के लिए निवेश लक्ष्य को बढ़ाया है। इस निवेश में सबसे अधिक हिस्सा समूह की ब्रिटिश इकाई जगुआर लैंड रोवर (जेएलआर) को होगा। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। बीते वित्त वर्ष 2023-24 में टाटा मोटर्स समूह ने जेएलआर के लिए तीन अरब पाउंड (लगभग 30,000 करोड़ रुपये) और टाटा मोटर्स के लिए 8,000 करोड़ रुपये का निवेश तय किया था। इस तरह यह कुल मिलाकर यह 38,000 करोड़ रुपये बैठता है। बीते वित्त वर्ष इतना किया था निवेश टाटा मोटर्स समूह के मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) पी बी बालाजी ने तिमाही नतीजों के बाद कहा, 'बीते वित्त वर्ष में जेएलआर का निवेश 3.3 अरब पाउंड (33,000 करोड़ रुपये से अधिक) रहा, जबकि टाटा मोटर्स का निवेश 8,200 करोड़ रुपये से अधिक रहा। इस तरह बीते वित्त वर्ष में समूह का कुल निवेश 41,200 करोड़ रुपये था।' बालाजी ने कहा कि चालू वित्त वर्ष की बात करें, तो जेएलआर के लिए निवेश 3.5 अरब पाउंड (35,000 करोड़ रुपये) रहेगा। इसकी वजह यह है कि हम कई उत्पादों के लिए योजनाएं लेकर आ रहे हैं। मार्केट में आएंगे नए प्रोडक्ट्स उन्होंने कहा, 'टाटा मोटर्स के लिए हमारा निवेश 8,000 करोड़ रुपये के दायरे में रहेगा। जेएलआर के लिए निवेश में करीब छह प्रतिशत की वृद्धि होगी, जबकि टाटा मोटर्स के लिए यह स्थिर रहेगा।' बालाजी ने स्पष्ट किया कि यह सारा निवेश उत्पादों और प्रौद्योगिकी में होगा।

दिग्गज बैंकर नारायणन वाघुल का हुआ अंतिम संस्कार, आईसीआईसीआई बैंक की शुरुआत करने का श्रेय

नई दिल्ली। वित्तीय समूह आईसीआईसीआई की नींव रखने वाले दिग्गज बैंकर नारायणन वाघुल का अंतिम संस्कार किया गया। उनका निधन हुआ था। वे 88 वर्ष के थे। दाह संस्कार से पहले, पीरामल समूह के अध्यक्ष अजय पीरामल और एशियन पेंट्स लिमिटेड के अध्यक्ष आर शेषशायी सहित उद्योग जगत के कई दिग्गजों ने वाघुल को श्रद्धांजलि अर्पित की। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास, महिंद्रा एंड महिंद्रा ग्रुप के चेयरमैन आनंद महिंद्रा ने भी उनके निधन पर शोक व्यक्त किया था। परिजनों की मानें तो वे गंभीर हालत में चेन्नई के अपोलो अस्पताल में पिछले दो दिनों से वेंटिलेटर पर थे। गिरने के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था और वे बेहोश थे। उनके परिवार में पत्नी पद्मा, एक बेटी सुधा और एक बेटा मोहन है। आईसीआईसीआई को एक वित्तीय महाशक्ति में बदला पूर्व केंद्रीय मंत्री पी चिदंबरम ने वाघुल के निधन पर शोक व्यक्त किया। चिदंबरम ने सोशल मीडिया पर कहा कि वाघुला एक महान बैंकर थे। उन्होंने आईसीआईसीआई को एक वित्तीय महाशक्ति में बदल दिया। उन्होंने पुरुषों और महिलाओं के बीच प्रतिभा को पहचाना, उनका मार्गदर्शन किया, उन्हें बढ़ावा दिया और उन्हें उच्च जिम्मेदारियां सौंपी। उनमें से दर्जनों, विशेषकर महिलाएं महान बैंकर बनीं। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दें।

म्युचुअल फंड ने इस साल शेयरों में 1.3 लाख करोड़ का निवेश किया

नई दिल्ली। म्यूचुअल फंड उद्योग (एमएफ) ने इस साल भारतीय शेयरों में लगभग 1.3 लाख करोड़ रुपये का निवेश किया। यह वृद्धि मुख्य रूप से खुदरा निवेशकों के बढ़े हुए भरोसे और शेयर बाजार के मजबूत प्रदर्शन के चलते हुई। ट्रेडजिनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि म्यूचुअल फंड भारतीय बाजार की अंतर्निहित वृद्धि क्षमता को प्राथमिकता देते हैं और चुनाव जैसी अल्पकालिक घटनाओं से कम प्रभावित होते हैं। उन्होंने कहा कि प्रभावशाली लोगों और उद्योग के दिग्गजों के आश्चर्यजनक उदाहरणों के कारण व्यवस्थित निवेश योजनाओं (एसआईपी) में निवेशकों की दिलचस्पी बढ़ी है। उन्होंने कहा कि ऐसे निवेशक, जो आमतौर पर बाजारों से दूर रहना चाहते हैं, उन्होंने म्यूचुअल फंड के जरिये निवेश करना शुरू किया है। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के आंकड़ों के अनुसार, चालू महीने के पहले पखवाड़े में म्यूचुअल फंड ने 26,038 करोड़ रुपये और अप्रैल में 20,155 करोड़ रुपये का निवेश किया।

ईरान के राष्ट्रपति की मौत : कच्चे तेल की कीमतों वैश्विक बाजार और भारत पर क्या असर पड़ सकता है

नई दिल्ली, 20 मई (एजेंसियां)।

ईरान के राष्ट्रपति सैयद इब्राहिम रईसी की एक हेलीकॉप्टर हादसे में मौत हो गई है। उनकी मौत ईरान, इस्राइल, भारत और वैश्विक स्तर की राजनीति महत्वपूर्ण प्रभाव डाल सकती है। ईरान के राष्ट्रपति रईसी, विदेश मंत्री हुसैन आमिर-अब्दुल्लाहियान, पूर्वी अजरबैजान के गवर्नर मालेक रहमती समेत 9 लोगों की ईरान के उत्तर-पश्चिम में एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना में मौत हो गई। आइए समझते हैं कि ईरान के राष्ट्रपति की मौत कच्चे तेल और सोने की कीमतों, भारत और वैश्विक राजनीति पर क्या असर डाल सकती है

कच्चे तेल की कीमतों पर असर

राष्ट्रपति की मौत के बाद ईरान की राजनैतिक अनिश्चितता तेल बाजारों में अस्थिरता का कारण बन सकती है क्योंकि निवेशक ईरान के तेल उत्पादन और निर्यात पर संभावित प्रभाव का आकलन करते हुए कारोबार में सतर्कता बरत सकते हैं। रईसी के हेलीकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद सोमवार को शुरुआती एशियाई कारोबार में कच्चे तेल की कीमतों में तेजी आई। ईरान के तेल उत्पादन में कोई भी व्यवधान वैश्विक तेल आपूर्ति और कीमतों को प्रभावित कर सकता है, क्योंकि ईरान एक प्रमुख तेल उत्पादक देश है। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि अस्थिरता के बावजूद, तेल बाजार में काफी हद तक एक दायरे के भीतर कारोबार होता दिख रहा है।

सोने की कीमतों और शेयर बाजारों पर प्रभाव

भू-राजनीतिक अनिश्चितता अक्सर सोने जैसी सुरक्षित धातुओं की कीमतों पर असर डालती है। ऐसी परिस्थितियों में लोग इनमें निवेश को सुरक्षित मानते हुए खरीदारी करने लगते हैं। इससे कीमतों में उछाल आती है। रईसी के हेलीकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद सोने की कीमतों में मजबूती आई है और यह अब तक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया।

रईसी की मौत की खबर वैश्विक स्तर पर शेयर बाजारों को भी प्रभावित कर सकती है। निवेशक क्षेत्रीय स्थिरता और आर्थिक नीतियों पर संभावित प्रभावों को देखते हुए करोबार करते हैं, इससे बाजार में उतार-चढ़ाव दिख सकता है। भू-राजनीतिक मोर्चे से जुड़ी इस अहम घटना के बाद एशियाई बाजारो में सपाट कारोबार होता दिख रहा है। संभवत: इसका कारण वर्तमान में ओपेक के पास अतिरिक्त क्षमता का होना है।

ईरान के राष्ट्रपति की मौत का भारत पर असर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस्लामिक गणराज्य के राष्ट्रपति डॉ सैयद इब्राहिम रईसी के अप्रत्याशित निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है। मोदी ने भारत-ईरान संबंधों को बढ़ाने में रईसी की महत्वपूर्ण भूमिका को स्वीकार किया। उन्होंने रईसी के परिवार और ईरान के लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त की और दुख की इस घड़ी में ईरान के साथ भारत की एकजुटता की पुष्टि की। हाल ही में भारत ने चाबहार बंदरगाह को संचालित करने के लिए ईरान के साथ एक महत्वपूर्ण समझौते पर हस्ताक्षर किया है, जो मध्य एशिया के साथ व्यापार को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण रणनीतिक पहल है। पहली बार 2003 में भारत द्वारा इस संबंध में ईरान का को प्रस्ताव दिया गया था।

लेकिन संदिग्ध परमाणु गतिविधियों के कारण ईरान पर लगे अमेरिकी प्रतिबंधों से यह समझौता लंबे समय तक बाधित रहा। लंबे समय के बाद हाल ही में हुए इस समझौते की अमेरिका ने आलोचना की है।

अमेरिका ने की है भारत-ईरान के बीच हुए समझौते की अलोचना

अमेरिका के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वेदांत पटेल ने ईरान के साथ हुए इस समझौते के आलोचना की थी। हालांकि, इसके जवाब में भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बंदरगाह के क्षेत्रीय लाभों पर जोर दिया। उन्होंने इस मामले में अमेरिका को व्यापक नजरिया अपनाने को कहा है। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने भी अतीत में चाबहार के रणनीतिक महत्व को देखते हुए उसकी अमेरिकी प्रशंसा की थी। राष्ट्रपति डॉ सैयद इब्राहिम रईसी की असामयिक मृत्यु से चाबहार बंदरगाह परियोजना पर असर पड़ने की संभावना है। इस बंदरगाह को संचालित करने के लिए भारत ने हाल ही में एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके अलावे भारत पेट्रोलियम पदार्थों के मामले में ईरान का बड़ा खरीदार रहा है। अगर ईरान के राष्ट्रपति की मौत का कच्चे तेल की कीमतों और आपूर्ति पर असर पड़ता है, जो जाहिर तौर पर भारत भी इससे प्रभावित होगा।

वैश्विक स्तर की राजनीति में उथल-पुथल

ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी की एक हालिकॉप्टर हादसे में मौत हो हुई है। यह दुर्घटना अजरबैजान के सीमावर्ती शहर जोल्फा के करीब घटी, जो ईरान की राजधानी तेहरान से 600 किलोमीटर दूर है। ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी को ले जा रहे हेलीकॉप्टर के क्रैश होने की खबर ने दुनियाभर में हलचल मचा दी। हेलीकॉप्टर का मलबा ढूंढ लिया गया है पर दुर्घटनास्थल पर रईसी के जिंदा होने के कोई संकेत नहीं मिले है। हादसे में ईरान के राष्ट्रपति की मौत के बाद जानकार अलग-अलग नजरिए से इसका विश्लेषण कर रहे हैं। हाल के वर्षो ईरान, चीन और रूस की नजदीकियों का अमेरिका मुखर विरोधी रहा है। दुनिया के दो महत्वपूर्ण इलाकों में जंग जारी है। उन दोनों ही क्षेत्रों में ईरान की भूमिका पर अमेरिका और पश्चिम देश सवाल उठाते रहे हैं। जहां ईरान पर यूक्रेन के साथ जंग में रूस को ड्रोन मुहैया कराने के आरोप हैं, वहीं इजराइल के साथ-साथ भी उसकी तनातनी जगजाहिर है। वह इस्राइल-हमास युद्ध में खुले तौर पर हमास का समर्थक रहा है।

ऋषि सुनक इतने मालामाल हो गए कि सालभर भी नहीं हुआ और किंग चार्ल्स से आगे निकल गए

लंदन, 20 मई (एजेंसियां)।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने अमीरी के मामले में ब्रिटेन के राजा किंग चार्ल्स को पीछे छोड़ दिया है। ब्रिटिश डिया के मुताबिक अमीरों की ताजा लिस्ट से यह जानकारी निकलकर सामने आई है। अरबपतियों की लिस्ट छापते हुए दावा किया कि ब्रिटेन में धनकुबेरों की संख्या कम हो रही है। इस लिस्ट में पहली बार अरबपतियों की संख्या में भारी कमी देखी गई, जो वर्ष 2022 के 177 से गिरकर अब 165 रह गई है। इस लिस्ट में भारतीय मूल के ब्रिटिश कारोबारी गोपी हिंदुजा और उनका परिवार 37.2 बिलियन पाउंड की कुल संपत्ति के साथ टॉप पर है, जो रैंकिंग के इतिहास में सबसे बड़ी संपत्ति है। रिपोर्ट में बताया गया है कि पीएम सुनक और उनकी पत्नी अक्षता मूर्ति की संपत्ति पिछले एक साल में 12 करोड़ पाउंड (12.7 अरब रुपये) से ज्यादा बढ़कर कुल 65.1 करोड़ पाउंड यानी 68.67 अरब रुपये पहुंच गई है। वहीं इस दौरान किंग चार्ल्स की कुल संपत्ति 60 करोड़ पाउंड से बढ़कर 61 करोड़ पाउंड ही रही।

लिस्ट के टॉप 10 में आर्सेलर मित्तल स्टीलवर्क्स के एनआरआई टाइकून लक्ष्मी एन. मित्तल भी आठवें नंबर पर हैं। इसके बाद वेदांता रिसोर्सेज के उद्योगपति अनिल अग्रवाल 7 अरब पाउंड के साथ 23वें नंबर पर हैं।

2024 की सूची में भारतीय मूल के अरबपतियों में कपड़ा कारोबारी प्रकाश लोहिया 6.23 अरब पाउंड के साथ 30वें स्थान पर हैं, वहीं खुदरा क्षेत्र की प्रमुख कंपनियां मोहसिन और जुबेर इस्सा 5 अरब पाउंड के साथ 39वें स्थान पर हैं, और फार्मा दिग्गज नवीन और वर्षा इंजीनियर 3 अरब पाउंड के साथ 58वें स्थान पर हैं। टॉप 100 सबसे अमीर ब्रितानियों में साइमन, बॉबी और रॉबिन अरोड़ा बंधु 2.682 अरब पाउंड के साथ 65वें स्थान पर हैं और प्रमुख एनआरआई उद्योगपति लॉर्ड स्वराज पॉल और उनका परिवार पिछले साल की ही तरह 2.6 अरब की अनुमानित संपत्ति के साथ 67वें स्थान पर हैं। इस लिस्ट में 350 व्यक्ति और परिवार शामिल हैं और उनकी संयुक्त संपत्ति 795.361 अरब पाउंड के बराबर है, जो पोलैंड की सालाना जीडीपी से ज्यादा है।

सोने और चांदी के भाव में गिरावट

नई दिल्ली, 20 मई (एजेंसियां)।

बीते सप्ताह सोना चांदी की कीमतों में तेज बढ़ोतरी के बाद दोनों धातुओं की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई है, जिसके बाद आभूषण खरीदने वाले ग्राहकों को बड़ी राहत मिली है। दिल्ली में सोना 7,4760 के भाव पर व्यापार कर रहा है, जबकि चांदी के भाव में 100 रुपये प्रतिकिलो ग्राम की कमजोरी दर्ज की गई है। कारोबार के पहले दिन की शुरुआत सोना-चांदी की कीमतों में गिरावट के साथ हुई है।

भारतीय सर्राफा बाजार खुलने के बाद 24 करैट सोना 74,610 रुपये पर व्यापार कर रहा था, जबकि चांदी में 100 रुपये प्रतिकिलो ग्राम के हिसाब से कमजोरी देखी गई है। बीते सप्ताह चांदी अपने सबसे हाई लेवल पर पहुंच गई थी। 24 कैरेट सोना चेन्नई में 7,4720 रुपये प्रति 10 ग्राम, मुंबई, कोलकाता, बेंगलुरु, केरल और पुणे में 7,4610 प्रति 10 ग्राम, वहीं राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोने का भाव 7,4760 है। इसके अलावा वडोदरा और अहमदाबाद में 7,4660 के भाव पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोने का ताजा भाव दिल्ली में 6,8540 रुपये प्रति 10 ग्राम, जबकि मुंबई कोलकाता, बेंगलुरु, केरल और पुणे में 6,839 प्रति 10 ग्राम है। इसके अलावा वडोदरा और अहमदाबाद में 22 कैरेट सोने का दाम 6,8440 प्रति 10 ग्राम चल रहा है। 1 किलो चांदी की कीमत 92,900 है। इससे पहले चांदी 93 हजार रुपये के हाई लेवल को पार कर गई थी।

रजनीश कुमार और मोहनदास पई बायजू की सलाहकार समिति से हटे, संस्थापक रविंद्रन ने कही यह बात

नई दिल्ली, 20 मई (एजेंसियां)।

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के पूर्व चेयरमैन रजनीश कुमार और इन्फोसिस के पूर्व मुख्य वित्त अधिकारी मोहनदास पई ने थिंक एंड लर्न के संस्थापकों के साथ चर्चा के बाद कंपनी के सलाहकार परिषद के सदस्यों के रूप में पद छोड़ने का फैसला किया है।

बायजू के ब्रांड के मालिक थिंक एंड लर्न के संस्थापक रवींद्रन बायजू ने कंपनी के पुनरुद्धार में देरी के लिए कुछ विदेशी निवेशकों को दोषी ठहराया। उनके रवैये के कारण कंपनी को पुनर्गठन से जुड़ी दिक्कतों, वित्तीय परिणामों में देरी और 200 मिलियन डॉलर शेयर बेचने से मना करने के कारण लिक्विडिटी संकट का सामना करना पड़ा।

थिंक एंड लर्न ने जुलाई 2023 में एडटेक फर्म को संकट से बाहर आने और शासन में सुधार करने के लिए सलाह देने के उद्देश्य से सलाहकार परिषद का गठन किया।

कुमार और पई ने एक संयुक्त बयान में कहा, सलाहकार के रूप में कंपनी के साथ हमारा जुड़ाव हमेशा एक वर्ष के लिए निश्चित अवधि के आधार पर होता है। संस्थापकों के साथ हमारी चर्चा के आधार पर, यह पारस्परिक रूप से निर्णय लिया गया कि सलाहकार परिषद का कार्यकाल

नहीं बढ़ाया जाना चाहिए। हालांकि औपचारिक जुड़ाव समाप्त हो गया है, संस्थापक और कंपनी हमेशा किसी भी सलाह के लिए हमसे संपर्क कर सकते हैं। हम संस्थापकों और कंपनी को भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हैं।

यह संविदात्मक समझौता 30 जून, 2024 को समाप्त होने वाला है। इस बीच बायजू ने कहा कि वह सलाहकारों के साथ जुड़ाव को महत्व देता है और कठिन समय के दौरान कंपनी को नेविगेट करने में हम उनके सभी प्रयासों की बहुत सराहना करते हैं। कंपनी ने कहा कि रजनीश कुमार और मोहनदास पई ने पिछले एक साल में अमूल्य सहायता प्रदान की है। कुछ विदेशी निवेशकों की ओर से जारी मुकदमेबाजी के कारण हमारी योजनाओं में देरी हुई, लेकिन कंपनी के पुनर्निर्माण में उनकी सलाह पर भरोसा किया जाएगा, इसका मैं व्यक्तिगत रूप से नेतृत्व कर रहा हूं।

अब भारतीय दवाओं पर सवाल ! अमेरिकी मार्केट से मेडिसिन वापस मंगा रहीं दिग्गज फार्मा कंपनियां

नई दिल्ली, 20 मई (एजेंसियां)।

दुनिया के कई देश भारतीय मसालों में गुणवत्ता से जुड़ी गंभीर खामियां मिलने के बाद बैन लगा रहे हैं। अब देश के फार्मा सेक्टर के लिए भी दिक्कतें बढ़ रही हैं। डॉक्टर रेड्डीज लैबोट्रीज, सन फार्मा और अरबिंदो फार्मा जैसी दिग्गज भारतीय फार्मास्युटिकल्स कंपनियां अपनी अलग-अलग दवाओं को अमेरिकी मार्केट से वापस ले रही हैं। इनकी मैन्युफैक्चरिंग में खामियां पाई गई हैं। अमेरिकी फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन ने इन रिकॉल्स को क्लॉस वन और क्लॉस टू के रूप में वर्गीकृत किया है। उसने भारत से आयात होने वाली जेनेरिक दवाओं की क्वालिटी और सेफ्टी के बारे में गंभीर चिंता जताई है। जेनेरिक दवाओं का मतलब किसी ब्रांडेड मेडिसिन के फॉर्मूले के आधार पर दूसरी दवा बनाना, जो काफी सस्ती होती है। भारत जेनेरिक दवाओं का सबसे निर्माता और निर्यातक है। जावीगटोर के 20,000 डिब्बे रिकॉल करेगी डॉ. रेड्डीज डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज जावीगटोर (सैप्रोप्टेरिन डाइहाइड्रोक्लोराइड) के

करीब 20,000 डिब्बे वापस मंगा रही है। यह फेनिलकेटोनुरिया वाले मरीजों में हाइपरफेनिलएलनिनमिया के इलाज के लिए इस्तेमाल होती है। यह एक तरह का आनुवंशिक विकार होता है, जिससे बौद्धिक विकास पर बुरा असर पड़ता है और मरीज का व्यवहार भी काफी असामान्य होता है। उसे दौरे भी पड़ते हैं। अमेरिकी रेगुलेटर ने पाया कि डॉ. रेड्डीज की काफी कम असरदार है यानी यह प्रभावी तरीके से बीमारी का इलाज नहीं कर पाती। एंटीफंगल इंजेक्शन वापस मंगा रही सन फार्मा देश की सबसे बड़ी जेनेरिक दवा निर्माता सन फार्मा एम्फोटेरिसिन बी लिपोसोम की 11,000 से अधिक शीशियों को वापस ले रहा है। यह इंजेक्शन एंटीफंगल का इलाज करता है।

लेकिन, अमेरिकी ड्रग रेगुलेटर ने अपनी जांच में पाया कि सन फार्मा के इंजेक्शन की क्वालिटी सही नहीं है। अरबिंदो फार्मा ने वापस मंगाई गोलियां अरबिंदो फार्मा क्लोराजेपेट डिपोटेशियम टैबलेट की 13,000 से अधिक बॉटल वापस ले रहा है। यह एंटी-एंग्जायटी दवा है यानी इसे तनाव कम करने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। अरबिंदो फार्मा की इन गोलियों पर बिंदीदार पीले धब्बे थे, जिसके चलते उसे दवा मंगानी पड़ रही है। एफडीसी लिमिटेड ने आई -ड्रॉप्स को वापस मंगाया एफडीसी लिमिटेड गड़बड़ कंटेनर की वजह से ग्लूकोमा के इलाज में इस्तेमाल होने वाले आई-ड्रॉप टिमोलोल मैलेट ऑप्थेलमिक सॉल्यूशन की 3,80,000 से अधिक यूनिट को वापस ले रही है। ग्लूकोमा आंखों से जुड़ी समस्या है। इसके मरीज की आंखों में अधिक दबाव होने की वजह से आंख को दिमाग से जोड़ने वाली तंत्रिका क्षतिग्रस्त हो जाती है।

रिकॉल कितनी तरह के होते हैं

रिकॉल अमूमन तीन तरह के होते हैं। इन्हें स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभाव के हिसाब से वर्गीकृत किया जाता है।

क्लास वन रिकॉल: इसमें सबसे खतरनाक किस्म के उत्पादों को शामिल किया जाता है। इनके सेवन से गंभीर समस्याओं हो सकती हैं। यहां तक कि मौत का खतरा भी रहता है।

क्लास टू रिकॉल: इसमें ऐसे उत्पाद शामिल हैं, जो अस्थायी समस्याओं की वजह बन सकते हैं। इनसे मरीज को लाभ के बजाय नुकसान हो सकता है।

क्लास थ्री रिकॉल: यह सबसे सामान्य किस्म का रिकॉल होता है। इसमें मामूली साइड इफेक्ट का कारण बनने वाले उत्पादों को शामिल किया जाता है।

मतदान में बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे भारतीय खिलाड़ी : सचिन, सूर्यकुमार ने डाला वोट

मुंबई, 20 मई (एजेंसियां) । लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण के लिए मतदान शुरू हो चुका है। इस चरण में आठ राज्य और केंद्र शासित प्रदेश की 49 सीटों पर वोटिंग हो रही है। जिन राज्यों में मतदान हो रहा है उसमें महाराष्ट्र की 13 सीटें भी शामिल है। इस दौरान मुंबई की सभी लोकसभा सीटों पर वोट डाले जा रहे हैं और इस राज्य से आने वाले खिलाड़ी मतदान में बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। पूर्व भारतीय बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर, अजिंक्य रहाणे और सूर्यकुमार यादव जैसे खिलाड़ियों ने मुंबई में अपने मताधिकार का प्रयोग किया और लोगों से वोटिंग करने की अपील की।

बेटे अर्जुन के साथ मतदान केंद्र पर पहुंचे सचिन - दिग्गज भारतीय क्रिकेटर सचिन अपने बेटे अर्जुन तेंदुलकर के साथ मतदान केंद्र पर वोट डालने पहुंचे। सूत्रों के अनुसार, सचिन की पत्नी अंजली और बेटी सारा तेंदुलकर किसी कार्यक्रम में व्यस्त रहने के चलते फिलहाल वोट डालने नहीं पहुंची हैं। सचिन और अर्जुन ने मतदान करने के बाद अंगुली पर लगी स्याही दिखाई। सचिन ने पोलिंग बूथ के बाहर मीडिया से बात करते हुए कहा, मैं यही कहना चाहता हूं कि दिक्कत तब होती है जब आप बिना सोचे कुछ काम करते हैं या सोचते हैं, लेकिन उस पर कार्रवाई नहीं करते हैं। मैं लोगों से मतदान करने की अपील करता हूं। यह हमारे भविष्य के लिए काफी महत्वपूर्ण है।

सूर्यकुमार ने लोगों से वोट डालने की अपील की - सचिन के अलावा भारतीय बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने भी अपने मताधिकार का प्रयोग किया। मिस्टर 360 डिग्री के नाम से मशहूर सूर्यकुमार ने वोट डालने के बाद अपनी फोटो सोशल मीडिया पर पोस्ट की और सभी से मतदान करने की अपील की। सूर्यकुमार ने फोटो पोस्ट करते हुए कैप्शन लिखा, आज अपने मत का प्रयोग कर देश के भविष्य को बेहतर बनाने में अपना योगदान दें।

पत्नी के साथ वोट डालने पहुंचे रहाणे - आईपीएल 2024 में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के लिए खेलने वाले भारतीय बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे पत्नी के साथ मुंबई में वोट डालने गए। वोट डालने के बाद रहाणे ने पत्नी के साथ फोटो शेयर की। रहाणे ने फोटो पोस्ट करते हुए कैप्शन लिखा, हमने अपनी जिम्मेदारी पूरी कर ली।

न्यूज ब्रीफ

पूर्व क्रिकेटर कैफ को इन टीमों के टी20 विश्व कप सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीद

नई दिल्ली । पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने कहा है कि संयुक्त राज्य अमेरिका और वेस्टइंडीज में खेले जाने वाले टी20 विश्व कप 2024 के सेमीफाइनल में भारत, न्यूजीलैंड और मेजबान वेस्टइंडीज के अलावा ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान में से कोई एक टीम अंतिम चार में पहुंचेगी। टी20 विश्व कप के लिए भारत और पाक को के ग्रुप ए में रखा गया है और दोनों ही टीमों के बीच 9 जून को न्यूयॉर्क में आमने-सामने होंगे। यह टूर्नामेंट का सबसे महत्वपूर्ण मुकाबला भी है। 138 आधिकारिक मैचों में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले कैफ का कहना है कि उन्हें वेस्टइंडीज में घिर प्रतिद्वंद्वियों के बीच फाइनल दिख रहा है। कैफ ने कहा कि किसी तरह न्यूजीलैंड ने शीर्ष 4 में जगह बना ली है, आईसीसी आयोजनों में आप उन्हें ख़ारिज नहीं कर सकते इसलिए न्यूजीलैंड को जोड़ें। मुझे लगता है कि वेस्ट इंडीज चूंकि अपने घर में खेल रही है इसलिए घरेलू मैदान पर वह एक खतरनाक टीम हो सकती है। मुझे नहीं पता कि शायद ऑस्ट्रेलिया या पाकिस्तान में से कोई एक आ सकता है। अगर पाकिस्तान के साथ फाइनल आता है तो अच्छा है। बता दें कि भारत और पाकिस्तान ने टी20 विश्व कप में एक साथ कुल सात मैच खेले हैं जहां टीम इंडिया 6 बार विजयी हुई है। पाकिस्तान को एकमात्र जीत 2021 में मिली थी। बहरहाल, कैफ का मानना है कि भारत के पास 2022 के मुकाबले बेहतर टीम है। कैफ ने कहा कि पिछली बार की तुलना में हमारे पास काफी बेहतर गेंदबाजी आक्रमण है, हमारे पास चहल थे लेकिन हम उन्हें पहले एकादश में नहीं खिला सके।

टी20 विश्व कप में आईपीएल की तरह बड़े स्कोर नहीं बनेंगे : शिखर

मुंबई । पूर्व सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने कहा है कि टी20 विश्वकप में आईपीएल की तरह बड़े स्कोर नहीं बनेंगे क्योंकि इसमें 'इम्पैक्ट प्लेयर का नियम नहीं है। 'इम्पैक्ट प्लेयर नियम होने से दोनो ही टीमों के पास एक अतिरिक्त बल्लेबाज या एक गेंदबाज खिलाने का अधिकार होता है। ऐसे में कई टीमें आईपीएल में बड़ा स्कोर बनाने में सफल रहीं। इससे आईपीएल में 8 बार 250 से ज्यादा रन बने। 'इम्पैक्ट प्लेयर नियम पर कई दिग्गजों ने सवाल उठाते हुए कहा था कि इससे गेंद और बल्ले में संतुलन बिगड़ा है। इसके साथ ही खेल बल्लेबाजों के पक्ष में झुकता जा रहा है। धवन ने कहा कि मुझे लगता है इस नियम के आने के बाद खेल काफी बदल गया है और अब 250 रन से अधिक बन रहे हैं। ऐसे में विश्व कप से पहले टीम को अपनी मानसिकता बदलनी होगी क्योंकि वहां 'इम्पैक्ट प्लेयर नियम नहीं होगा और इसका असर खेल पर दिखेगा। इससे खेल में अंतर पैदा होगा। इसलिए सबसे अहम हमें हालातों से तालमेल बैठाना सीखना होगा। धवन ने कहा कि इम्पैक्ट प्लेयर नियम आने के आने के बाद से ही हमारी सोच बदल गई है। मध्यक्रम के बल्लेबाज के दिमाग में रहता है कि आठवें और नौवे नंबर तक बल्लेबाजी हैं।

हरभजन चाहते हैं टी20 विश्वकप में रोहित और यशस्वी करें पारी की शुरुआत

नई दिल्ली । पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने कहा है कि यशस्वी जायसवाल और रोहित शर्मा को भारत के लिए पारी की शुरुआत करनी चाहिए जबकि अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली को तीसरे नंबर पर आना चाहिए। हरभजन ने कहा कि शीर्ष स्तर पर बाएं-दाएं संयोजन ठीक रहेगा। यदि 6 से 7 ओवर खेले जाते हैं और ऐसे में यदि हमारे पास शिवम दुबे जैसा खिलाड़ी है, तो वह नंबर 3 पर आ सकता है। इसलिए विराट 4 नंबर पर उतरें। साथ ही कहा कि कोहली एक महान खिलाड़ी हैं , वह किसी भी नंबर पर खेल सकते हैं पर टीम हित पहले आता है। वह भी इस बात से ही सहमत होंगे। यशस्वी और रोहित की जोड़ी टेस्ट में बेहद सफल रही है हालांकि इस आईपीएल में ये दोनो ही कोई खास प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं। रोहित के साथ ओपनर के तौर पर विराट कोहली भी एक विकल्प हो सकते हैं। विराट आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए ओपनिंग करते हुए शानदार खेल दिखाते हुए 700 से अधिक रन बनाये हैं। इसमें एक शतक भी शामिल है। हालांकि, विराट टीम इंडिया के लिए लंबे समय से नंबर तीन पर बल्लेबाजी करते हुए आए हैं। भारतीय टीम पिछले एक दशक से आईसीसी ट्रॉफी नहीं जीत पायी है और ऐसे में उसका लक्ष्य इस बार जीत दर्ज करना रहेगा।

सुहास-सुकांत ने किया क्वालिफाई, पैरा एथलेटिक्स विश्व चैंपियनशिप में भारतीय एथलीट्स का जलवा

नई दिल्ली, 20 मई (एजेंसियां) ।

भारत के पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी सुकांत कदम, तरुण और सुहास एल वाई ने पेरिस में होने वाले पैरालंपिक के लिए क्वालिफाई कर लिया है। सुकांत पहली बार पैरालंपिक में भाग लेंगे। वह पुरुषों की एसएल-4 श्रेणी में हिस्सा लेंगे। उनके अलावा तरुण और सुहास एलवाई ने भी एसएस-4 श्रेणी के लिए टिकट हासिल किया है।

एसएल 4 में वो खिलाड़ी हिस्सा लेते हैं जिनके शरीर के एक तरफ या दोनों पैरों में निचले स्तर पर मूवमेंट प्रभावित होता है। एसएल-3 महिला वर्ग (शरीर के एक तरफ, दोनों पैर या अंगों की अनुपस्थिति वाले खिलाड़ियों के लिए) में मनदीप कौर ने जबकि मिश्रित युगल एसएल 6 वर्ग में निथ्या और शिवराजन ने भी कट हासिल किया।

पेरिस पैरालंपिक 28 अगस्त से आठ सितंबर तक आयोजित होंगे। कदम पिछले कुछ वर्षों से अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और लगातार पदक जीत रहे हैं। कदम ने कहा,'यह मेरे लिए सपने का साकार होने जैसा है। मैंने पैरालंपिक के लिए क्वालिफाई करने के लिए कड़ी मेहनत की है। लेकिन यह सपने का अंत नहीं है। मैं इस सपने का अंत पदक जीतकर और भारत को गौरवान्वित करके करना चाहूंगा।' वह इस समय बहरीन में पैरा बैडमिंटन अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में हिस्सा ले रहे हैं।

पैरा एथलेटिक्स विश्व चैंपियनशिप के तीसरे दिन के नतीजे

भारत के लिए ऊंची कूद के पैरा एथलीट निषाद कुमार ने जापान के कोबे 2024 पैरा एथलेटिक्स विश्व चैंपियनशिप के तीसरे दिन रजत पदक और प्रीति पाल ने महिलाओं की 200 मीटर स्पर्धा का कांस्य पदक जीता। टोक्यो पैरालंपिक के रजत पदक विजेता निषाद ने पुरुषों की ऊंची कूद टी47 फाइनल में 1.99 मीटर के प्रदर्शन से दूसरा स्थान हासिल किया और भारत का खाता खोला।

निषाद ने पेरिस में 2023 विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में इसी स्पर्धा का रजत पदक जीता था। अमेरिका के रोड्रिक टाउनसेंड ने 2.05 मीटर की कूद से स्वर्ण पदक अपने नाम किया। एक अन्य भारतीय राम पाल अपने सत्र के सर्वश्रेष्ठ 1.90 मीटर के प्रदर्शन से छठे स्थान पर रहे।

टी47 में वो पैरा ट्रैक एथलीट हिस्सा लेते हैं जिनका कोहनी या कलाई के नीचे का हिस्सा कटा होता है या इसमें विकृति होती है। फिर प्रीति पाल ने महिलाओं की टी 35 वर्ग की 200 मीटर स्पर्धा के फाइनल में 30.49 सेकेंड के समय से तीसरा स्थान हासिल कर भारत को दूसरा पदक दिलाया। टी 35 में वो खिलाड़ी हिस्सा लेते हैं जिन्हें समन्वय संबंधित विकृति होती है।

दीप्ति जीवनजी ने महिला टी20 400 मीटर फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। उन्होंने 56.18 सेकंड के एशियाई रिकॉर्ड समय से अपनी हीट रेस जीती। चीन 26 पदक के साथ तीसरे दिन तालिका में शीर्ष पर है। भारतीय टीम अभी 29वें स्थान पर है। चैंपियनशिप 25 मई तक चलेगी।

पोंटिंग के पास हैं एक हजार बल्ले

नई दिल्ली । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान

और आईपीएल टीम दिल्ली कैपिटल्स के कोच रिकी पोंटिंग ने कहा है कि उन्होंने अब तक जिस बल्ले से भी शतक लगाया था। उसे अपने पास संभाल के रखा है। यहां तक कि उन्होंने उस पर विरोधी टीम का नाम और स्कोर भी लिखा हुआ है। उन्होंने कहा कि मैंने वह पहला बल्ला भी संभाल के रखा है जिससे मैंने पहला शतक लगाया था। इस पर स्टीकर भी लगे हुए हैं। मेरे घर पर करीब एक हजार बल्ले हैं। जिस भी बल्ले से मैंने अंतरराष्ट्रीय शतक लगाया था, वह मेरे पास है। इस पर मैंने अपना स्कोर और विरोधी टीम का नाम तक लिखा है। इस पूर्व कप्तान ने भारतीय टीम के खिलाफ साल 2003 एकदिवसीय विश्व कप फाइनल में नाबाद 140 रन बनाये थे। साल 2012 में क्रिकेट को अलविदा कहने वाले पोंटिंग के नाम अब तक 71 अंतरराष्ट्रीय शतक लगाए हैं जिनमें 41 टेस्ट शतक शामिल हैं, वह ऑस्ट्रेलिया के सबसे सफल कप्तान हैं। वहीं भारतीय टीम के पूर्व कप्तान और केकेआर के कोच गांगुली ने कहा कि मैंने पहला बल्ला 13 साल की उम्र में खरीदा था। तब गेंद को बल्ले से मारकर हवा में जाते देखकर मैं बहुत खुश होता था।

मनु बनीं ओलंपिक चयन ट्रायल की सबसे सफल शूटर, आठ में से चार बार जीतीं, दो इवेंट में चुनी जाएंगी

नई दिल्ली, 20 मई (एजेंसियां) । मनु भाकर ओलंपिक चयन ट्रायल की सबसे सफल शूटर बनकर उभरी हैं। हरियाणा की इस शूटर ने 10 मीटर एयर पिस्टल और 25 मीटर पिस्टल के कुल आठ में से चार ट्रायल में जीत हासिल की। मनु दोनों ही इवेंट में पेरिस ओलंपिक के लिए चुनी जाने वाली टीम में शीर्ष पर हैं। राइफल और पिस्टल इवेंट के ट्रायल में बड़ा झटका ओलंपिक कोटा हासिल करने वाले शूटरों को लगा है। कुल आठ इवेंट (10 मीटर एयर राइफल, पिस्टल, 50 मीटर थ्री पोजीशन (पुरुष, महिला), 25 मीटर पिस्टल महिला, 25 मीटर रैपिड फायर पुरुष) के लिए शीर्ष दो स्थान पर रहकर 15 शूटरों ने ओलंपिक टीम के लिए दावा जताया है। इन 15 शूटरों में सिर्फ सात शूटर ऐसे हैं, जिन्होंने ओलंपिक कोटा देश को दिलाया था। अब 10 जून को एनआरएआई की चयन समिति ट्रायल के प्रदर्शन के आधार पर ओलंपिक टीम घोषित करेगी।

एलावेनिल विश्व रिकॉर्ड स्कोर के साथ जीतीं मनु 15 शूटरों में एकमात्र ऐसी शूटर हैं, जिन्होंने दो इवेंट के लिए ओलंपिक ट्रायल में शीर्ष स्थान हासिल किया है। उन्होंने 10 मीटर एयर पिस्टल के फाइनल में 240.8 का स्कोर कर जीत हासिल की। एलावेनिल वालरिवान ने 10 मीटर एयर राइफल के चौथे ट्रायल में 254.3 का स्कोर कर विश्व रिकॉर्ड को पीछे छोड़ते हुए जीत दर्ज की। पेरिस के लिए 15 शूटरों ने शीर्ष दो पर बनाया स्थान दिल्ली और भोपाल में हुए ओलंपिक चयन ट्रायल के आधार पर 10 मीटर एयर राइफल पुरुष में संदीप सिंह, अर्जुन बबूटा, महिलाओं में एलावेनिल और रमिता, 10 मीटर एयर पिस्टल में मनु भाकर, रिद्म सांगवान, पुरुषों में सरबजोत सिंह, अर्जुन चीमा, 50 मीटर थ्री पोजीशन में सिफ्त कौर समरा, अंजुम मौद्गिल, पुरुषों में ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर, स्वप्निल कुसाले, 25 मीटर पिस्टल में मनु भाकर, ईशा सिंह, 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल में अनीश और विजयवीर सिद्धू ओलंपिक टीम के दावेदार के रूप में उभरे हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

वैश्विक शांति ...

प्रधानमंत्री मोदी ने लोकसभा चुनाव के दौरान आठ मई को पहली बार कांग्रेस पर अंबानी और अडाणी के साथ सांठगांठ होने का आरोप लगाया था और पूछा था कि क्या पार्टी को इन दोनों कारोबारियों से ढेर सारा कालाधन मिला है जिस कारण उनके नेता राहुल गांधी ने उन्हें गाली देना बंद कर दिया। लोगों को आश्चर्यचकित करने वाली टिप्पणी के बारे में पूछे जाने पर मोदी ने कहा, पिछले कुछ वर्षों से कांग्रेस के शहजादा (राजकुमार) का मुख्य चुनावी मुद्दा दो लोगों के बारे में एक ही राग अलापना रहा। अचानक, जैसे ही चुनाव शुरू हुआ, अभियान का मुख्य मुद्दा बदल गया। अचानक यह बदलाव क्यों? मेरी बात को किसी और ने नहीं बल्कि लोकसभा में कांग्रेस के नेता ने तुरंत सही ठहराया। अधीर रंजन चौधरी ने स्वीकार किया कि अगर अडाणी-अंबानी बहुत सारा पैसा भेजते हैं, तो वे उनके खिलाफ नहीं बोलेंगे।

पीएम मोदी ने कहा कि जहां तक प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) का सवाल है, ये ऐसी एजेंसियां हैं जो स्वतंत्र रूप से काम करती हैं। उन्होंने भ्रष्टाचार और काले धन के मामलों से निपटने में उत्कृष्ट काम किया है। 2014 से पहले, ईडी ने केवल 5,000 करोड़ रुपए जब्त किए। मेरे कार्यकाल में एक लाख करोड़ रुपए की संपत्ति कुर्क की गई। भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई गंभीर है। हमें अपनी एजेंसियों को बिना हस्तक्षेप के अपना काम करने देना चाहिए।

बीजद सरकार ने ...

प्रधानमंत्री ने बीजद सरकार पर चिटफंड घोटाले के जरिए प्रदेश के गरीब लोगों को धोखा देने का आरोप लगाया, जहां चिटफंड कंपनियों ने निवेशकों से करोड़ों रुपये लूटे। उन्होंने कहा कि बीजद के मंत्रियों और विधायकों के लगातार भ्रष्टाचार में लगे रहने के कारण लोगों में आक्रोश है। श्री मोदी ने दावा किया कि जब से भाजपा सरकार केंद्र में सत्ता में आई है, उसने ओडिशा को कांग्रेस शासन के दौरान मिलने वाली धनराशि से तीन गुना अधिक धनराशि प्रदान की है।

उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने खनन कर के अपने हिस्से के रूप में 50,000 करोड़ रुपए दिये हैं, जबकि कांग्रेस शासन के दौरान यह 5,000 करोड़ रुपए था। इसके अतिरिक्त मोदी सरकार ने खनन क्षेत्रों में गरीबों के लिए विभिन्न विकासात्मक परियोजनाओं के लिए जिला खनिज निधि से 26,000 करोड़ रुपये प्रदान किए। उन्होंने हालांकि यह भी कहा कि भ्रष्ट बीजद सरकार ने इन फंडों को लूट लिया और परियोजनाओं को आगे बढ़ने से रोका।

श्री मोदी ने जोर दिया केंद्र सरकार ने विभिन्न सड़क और रेलवे परियोजनाओं के लिए महत्वपूर्ण धन मुहैया कराया, लेकिन बीजद सरकार ने इन परियोजनाओं में तब तक देरी की जब तक उन्हें कट या कमीशन नहीं मिल गया। उन्होंने बीजद सरकार पर करीबी सहयोगियों को नौकरी के ठेके देने और पैसे का गबन करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि शिक्षा, पानी, स्वास्थ्य सेवा और सड़क समेत हर क्षेत्र में विकास की कमी है। उन्होंने किसी का नाम लिए बिना कहा कि एक माफिया ने प्रतिस्पर्धा को दबाते हुए ओडिशा के लगभग सभी क्षेत्रों पर कब्जा कर लिया है। उन्होंने लोगों को आश्वासन दिया कि अगर भाजपा सत्ता में आई तो वह माफिया को खत्म कर देगी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कटक के नदियों से घिरा होने के बावजूद यहां पीने के पानी की कमी है और लोग जलभराव से पीड़ित है। श्री मोदी ने दोहराया कि 10 जून को भाजपा के मुख्यमंत्री के शपथ लेने और केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाली राजग सरकार के गठन के साथ ओडिशा एक नया इतिहास लिखेगा। उन्होंने लोगों से लूटपाट रोकने के लिए ओडिशा और केंद्र में मजबूत सरकार स्थापित करने के लिए राज्य विधानसभा और लोकसभा दोनों के लिए भाजपा उम्मीदवारों को वोट देने का आग्रह किया।

बारामुला में...

इस बार श्रीनगर सीट पर 37.99 प्रतिशत मतदान हुआ है।

जम्मू में कश्मीर विस्थापित मतदाताओं के लिए 21 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। सोमवार को बारामुला संसदीय सीट के लिए सभी 21 पोलिंग स्टेशन पर मतदान हो रहा है। इसके अलावा तीन अतिरिक्त एगजलरी पोलिंग बूथ स्थापित किए गए हैं। पोलिंग स्टेशनों पर मतदान के लिए आने वाले विस्थापित मतदाताओं में खासा उत्साह देखा गया है। इसमें बारामुला संसदीय सीट के विभिन्न क्षेत्रों से विस्थापित मतदाताओं ने लोकतंत्र के पर्व में शिरकत की। उनका कहना है कि कश्मीरी विस्थापितों की सुरक्षित और सम्मानजनक घाटी में वापसी होनी चाहिए।

हेलिकॉप्टर दुर्घटना में...

हादसे की खबर से बेहद दुखी हूं। मैं शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदानाएं व्यक्त करता हूं। हेलीकॉप्टर हादसे में इब्राहिम रईसी की मौत के बाद उपराष्ट्रपति मोहम्मद मोखबर को कार्यवाहक राष्ट्रपति नियुक्त किया गया है। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने मोखबर को अंतरिम कार्यभार सौंपा। खामनेई ने बताया कि संविधान के अनुच्छेद 131 के अनुसार मोखबर को यह कार्यभार सौंपा गया है। मोहम्मद मोखबर को 50 दिनों के भीतर राष्ट्रपति चुनाव की तैयारी के लिए न्यायिक प्रमुखों के साथ काम करना होगा। राष्ट्रपति रायसी अजरबैजान गणराज्य के राष्ट्रपति इल्हाम अलीयेव के साथ एक बांध का उद्घाटन करने के लिए रविवार सुबह पूर्वी अजरबैजान प्रांत की यात्रा की थी। यह दुर्घटना उस समय हुई जब राष्ट्रपति रायसी वापस लौट रहे थे और घना कोहरा छाए रहने से हेलिकॉप्टर की हार्ड लैंडिंग हुई। हेलीकॉप्टर सुंगुन नामक तांबे की खदान के करीब दुर्घटनाग्रस्त हो गया। यह ईरान के पूर्वी अजरबैजान प्रांत में जोल्फा और वरजक़ान के बीच स्थित है और तबरीज़ शहर से लगभग 70 किमी से 100 किमी दूर है, जो ईरान के सबसे बड़े शहरों में से एक है और वह शहर भी है जहां ईरान के राष्ट्रपति और विदेश मंत्री जा रहे थे।

कार्तिक महाराज ने...

एजेंटों को भगाने का आरोप लगाया। यहां तीसरे चरण में लोकसभा का चुनाव हुआ था।

कार्तिक महाराज ने संवाददाताओं से कहा उन्होंने मुझ पर तृणमूल कांग्रेस के एजेंटों को मतदान केंद्रों से भगाने के लिए फोन करने का आरोप लगाया है। मैंने कभी ऐसी बातें नहीं कही हैं। मैं एक साधु हूं और किसी भी राजनीतिक दल से नहीं जुड़ा हूं। मुख्यमंत्री कभी भी अपने आरोपों को साबित नहीं कर पाएंगी।महाराज के वकील अनीश कुमार मुखर्जी की ओर से जारी कानूनी नोटिस में कहा गया है कि उनका मुवक्किल उन सभी आरोपों और लांछनों से इनकार करता है। यह कहने की आवश्यकता नहीं है कि उनके मुवक्किल का राजनीति से कोई संबंध नहीं है और उन्होंने ऐसा कुछ भी नहीं कहा है जिसके संबंध में उन पर झूठे आरोप लगाए गये हैं। उनके मुवक्किल के राजनीति में शामिल होने के आरोप वास्तविकता से बहुत दूर है।नोटिस में कार्तिक महाराज के खिलाफ आक्षेप और लांछन वाली टिप्पणियों के लिए 48 घंटे के भीतर सुश्री बनर्जी से बिना शर्त माफी की मांग की गई है।नोटिस में आगे कहा गया है कि अगर तृणमूल कांग्रेस प्रमुख चार दिनों के भीतर नोटिस का जवाब देने में विफल रहती हैं, तो कार्तिक महाराज उनके खिलाफ आपराधिक मामले शुरू करने सहित आगे उचित कार्रवाई करने का पूरी तरह से अपना अधिकार सुरक्षित रखते हैं।

इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को इस्कॉन, रामकृष्ण मिशन और भारत सेवाश्रम संघ पर हमला करने के लिए तृणमूल सुप्रीमो की आलोचना की और आरोप लगाया कि उनका गुस्सा अपने वोट बैंक को खुश करने के लिए कट्टर मुस्लिम कट्टरपंथी दबाव के बाद हुआ।

लोकसभा चुनाव के...

पांच सीटों पर मतदान कराया, जहां 60.72 प्रतिशत मतदाताओं ने वोट डाले।उत्तर प्रदेश की 80 में से जिन 14 सीटों पर आज वोट डाले गये, उनमें मत प्रतिशत 57.98 रहा। जम्मू-कश्मीर की पांच सीटों में से आज बारामुला सीट पर मतदान कराया गया, जहां केन्द्र शासित प्रदेश के मुख्य चुनाव अधिकारी के अनुसार 1984 के बाद सर्वाधिक 59.00 प्रतिशत मत पड़े। लद्दाख की एक मात्र सीट पर 67.01 प्रतिशत दर्ज किया गया। इस तरह इन 49 सीटों पर 695 प्रत्याशियों का भाग्य इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन में दर्ज हो गया है। पांचवें चरण में लोकसभा चुनाव लड़ रहे, जिन प्रमुख प्रत्याशियों का चुनावी भाग्य तय होना है, उनमें रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह (लखनऊ), कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी (रायबरेली), केन्द्रीय मंत्री स्मृति ईरानी(अमेठी), पीयूष गोयल (मुंबई उत्तर), जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला(बारामूला), लोक जनशक्ति पार्टी के चिराग पासवान (हाजीपुर) और भारतीय जनता पार्टी के जुएल ओरांव (सुंदरगढ़) भी शामिल हैं। इसके अलावा इस चरण में केन्द्रीय मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति, कौशल किशोर , डॉ प्रवीण भारती, शान्तनु ठाकुर, कपिल पाटिल, अन्नपूर्णा देवी, राजीव प्रताप रूड़ी और राष्ट्रीय जनता दल की रोहिणी आचार्य के भाग्य का ईवीएम में दर्ज हो गया।

पाक का फिर छलका दर्द, डिप्टी पीएम डार बोले भारत ने हम पर लगा दिए थे 200 फीसदी शुल्क

इस्लामाबाद, 20 मई (एजेंसियां) ।

खस्ताहाल पाकिस्तान का भारत के साथ कारोबारी संबंध न होने का दर्द फिर से छलका है। पाकिस्तान के उपप्रधानमंत्री इशाक डार ने कहा कि पुलवामा हमले के बाद पाकिस्तान से आयात पर भारत ने भारी शुल्क लगा दिया, जिसके कारण दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंध 2019 से निलंबित हैं।

नेशनल असेंबली में कहा, पुलवामा के बाद भारत ने पाकिस्तान से आयात पर 200 प्रतिशत शुल्क लगाने का फैसला किया। भारत ने कश्मीर बस सेवा व व्यापार को भी निलंबित कर दिया। पाकिस्तानी दैनिक डॉन के अनुसार, डार पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी की सांसद शर्मिला फारुकी के एक सवाल का जवाब दे रहे थे। उन्होंने पड़ोसी देशों, खासकर भारत के साथ पाकिस्तान के संबंधों में आने वाली व्यापारिक चुनौतियों के बारे में जानकारी मांगी थी।

कश्मीर राग भी छेड़ा...सभी मुद्दों पर वार्ता की वकालत की - पाकिस्तान के विदेश मंत्री का भी पद संभाल रहे डार ने कहा, हम भारत के साथ जम्मू-कश्मीर समेत सभी मुद्दों के निपटारे के लिए लगातार रचनात्मक व परिणाम देने वाली वार्ता की वकालत कर रहे हैं। अब यह भारत पर निर्भर करता है कि वह शांति व संवाद के लिए उपयुक्त माहौल तैयार करे।

पहले शत्रुता मुक्त वातावरण बनाए पाकिस्तान - वहीं, इस पूरे मामले पर शुरू से ही भारत कहता रहा है कि वह पाकिस्तान के साथ सामान्य पड़ोसी की तरह संबंधों की इच्छा रखता है। लेकिन, इसके लिए आतंक व शत्रुता मुक्त वातावरण बनाने की जिम्मेदारी इस्लामाबाद पर है।

कारोबार के लिए उत्सुक हैं व्यापारी - डार ने इसी साल मार्च में लंदन में संवाददाताओं के साथ बातचीत में भारत के साथ व्यापारिक गतिविधियों को फिर से शुरू करने के लिए पाकिस्तान के व्यापारिक समुदाय की उत्सुकता पर प्रकाश डाला था। हालांकि, बाद में उनके कार्यालय ने सफाई दी थी कि पाकिस्तान की भारत के साथ व्यापार संबंधों को फिर से शुरू करने की कोई योजना नहीं है। अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 को संसद की तरफ से खत्म किए जाने के बाद पाकिस्तान ने भारत के साथ संबंध शिथिल कर दिए थे।

न्यूज ब्रीफ

ब्रिटेन में 3000 मौतों पर राज खोलेगी अहम जांच रिपोर्ट, छह साल बाद होगा प्रकाशन

लंदन । ब्रिटेन के संक्रमित रक्त कांड की आखिरी जांच रिपोर्ट प्रकाशित होगी। आखिरकार जांच शुरू होने के लगभग छह साल बाद यह पता चल पाएगा कि 1970-80 में हजारों लोगों को दूषित रक्त चढ़ाने और रक्त उत्पादों से एचआईवी या हेपेटाइटिस कैसे हुआ। यह ब्रिटेन की 1948 में स्थापित सरकारी राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा (एनएचएस) को परेशानी में डाल देने वाले सबसे खतरनाक कांड के तौर पर जाना जाता है। माना जाता है कि लगभग 3,000 लोग एचआईवी वायरस और हेपेटाइटिस, यकृत की सूजन से संक्रमित होने की वजह से मारे गए। इस जांच रिपोर्ट के पीछे अभियान चलाने वालों का बड़ा योगदान है। इनमें से कई ने दशकों पहले अपने लोगों की वक्त से पहले मौत देखी। अगर यह न होते तो शायद ये घोटाला उजागर ही न हो पाता। इनमें से एक एड्स बॉय के नाम से मशहूर जेसन इवांस है। 31 साल में हो गई थी इवांस के पिता की मौत : साल 1993 में एक संक्रमित रक्त प्लाज्मा उत्पाद से एचआईवी और हेपेटाइटिस के संक्रमण से 31 साल में ही इवांस के पिता की मौत गई थी। इवांस ने 2017 में तत्कालीन प्रधानमंत्री थेरेसा मे के इस कांड में जांच बैठाने का फैसला लेने में अहम भूमिका निभाई थी। क्या था संक्रमित रक्त कांड 1970 और 1980 के दशक में हजारों लोग जिन्हें नस के जरिए रक्त चढ़ाने की जरूरत थी, उन्हें हेपेटाइटिस से दूषित रक्त चढ़ाया गया था। इसमें हेपेटाइटिस सी और एचआईवी वायरस से दूषित रक्त भी था। रक्त के थक्के बनने की क्षमता को प्रभावित करने वाली बीमारी हीमोफीलिया से पीड़ित लोगों को उस वक्त रक्त प्लाज्मा से निकाले गए एक क्रांतिकारी इलाज फैक्टर-8 दिया गया। एनएचएस ने 1970 के दशक की शुरुआत में इस नए इलाज का इस्तेमाल शुरू कर दिया। जल्द ही इसकी मांग आपूर्ति के घरेलू स्रोतों से आगे निकल गई, इसलिए स्वास्थ्य अधिकारियों ने अमेरिका से फैक्टर -8 का आयात करना शुरू कर दिया। पीड़ितों को मिल सकता है 10 बिलियन पाउंड का मुआवजा खास बात यह है कि फैक्टर-8 के लिए प्लाज्मा दान का एक बड़ा हिस्सा कैदियों और नशीली दवाओं का इस्तेमाल करने वालों से था। इन्हें रक्तदान के लिए पैसा दिया गया था। यूके में पीड़ितों और उनके परिवारों ने चिकित्सा लापरवाही के लिए 1980 के दशक में मुआवजे की मांग की थी। सरकार ने 1990 के दशक की शुरुआत में एचआईवी से संक्रमित लोगों को एकमुश्त भुगतान करने के लिए एक चैरिटी की स्थापना की, लेकिन इसने जिम्मेदारी स्वीकार नहीं की। उलटा पीड़ितों पर दबाव डाला कि वे धन पाने के लिए स्वास्थ्य विभाग पर मुकदमा न करें। हालांकि अब सरकार ने मुआवजा देना मंजूर किया।

पीओके के पूर्व पीएम गिरफ्तार, संपत्ति हथियाने और गोलीबारी की घटना में शामिल होने का आरोप

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के पूर्व प्रधानमंत्री सरदार तनवीर इलियास खान को पारिवारिक संपत्ति विवाद मामले में गिरफ्तार किया गया है। सूत्रों के अनुसार गिरफ्तारी के बाद उन्हें मार्गल्ला पुलिस स्टेशन में स्थानांतरित कर दिया गया। कैपिटल पुलिस ने भी उनकी गिरफ्तारी की पुष्टि की। इलियास को पारिवारिक संपत्ति जब्त करने और गोलीबारी की एक घटना में शामिल होने के आरोप में हिरासत में लिया गया था। इलियास की गिरफ्तार के बाद समर्थकों ने पुलिस स्टेशन के बाहर किया प्रदर्शन इलियास की गिरफ्तारी के बाद वकील और उनके समर्थक पुलिस स्टेशन के बाहर प्रदर्शन करने लगे, जबकि पार्टी के कार्यकर्ता उनके आवास के बाहर इकट्ठा हुए। एक मई को इलियास के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। उनपर सेंटोरस मॉल के केंद्रीय कार्यालयों और महत्वपूर्ण दस्तावेजों को हथियाने की कोशिश करने का आरोप लगाया गया है। सेंटोरस मॉल के डिप्टी सुरक्षा प्रभारी कर्नल (सेवानिवृत्त) टीपू सुल्तान ने इलियास के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी। आरोपियों की सूची में अन्य नाम भी शामिल इलियास के अलावा आरोपियों की सूची में मोहम्मद अली, अनिल सुल्तान, रिजवान और अन्य संदिग्धों के नाम भी शामिल हैं। एफआईआर के अनुसार, सरदार तनवीर इलियास 20 से 25 व्यक्तियों के एक सशस्त्र समूह के साथ सेंटोरस मॉल के परिसर को कब्जा करने के इरादे से ताला तोड़कर मॉल के कार्यालय 1708 में दाखिल हुए थे। स्थानीय मीडिया के अनुसार, सुरक्षा गर्ड के उनके इस प्रयास को नाकाम कर दिया। सरदार तनवीर इलियास ने सरदार इलियास खान और सरदार डॉ. राशिद इलियास खान को जान से मारने की भी धमकी दी थी। एफआईआर में बताया गया कि तनवीर इलियास और उनके सहयोगियों ने सुरक्षा अधिकारी पर हमला भी किया। घटना की जानकारी मिलने पर कानून प्रवर्तन अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे।

भारत से मजबूत संबंधों के पक्षधर थे रईसी, जान गंवाने से पहले दोस्ती का फर्ज भी खूब अदा कर गए

नई दिल्ली, 20 मई (एजेंसियां)।

ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी की रविवार को हुए हेलीकॉप्टर हादसे में दुखद निधन हो गया। इस हेलीकॉप्टर हादसे में ईरान के विदेश मंत्री आमिक अब्दोलाहाई की भी मौत हो गई। ये हादसा ऐसे समय में हुआ है, जब समूचा पश्चिम एशिया इस्राइल-गाजा के संघर्ष में उलझा हुआ है। राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी के निधन से भारत को निश्चित रूप से गहरा झटका लगा है। रईसी भारत-ईरान के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के पक्षधर थे। रईसी का इस साल भारत दौरा भी प्रस्तावित था, जहां भारत और ईरान के बीच कई समझौतों पर द्वीपक्षीय बातचीत होनी थी। विदेशी मामलों के जानकारों का कहना है कि अपने निधन से पहले ही रईसी भारत के साथ ऐसा एतिहासिक समझौता कर गए, जिसने भारत की अफगानिस्तान और मध्य एशिया तक पहुंच को और आसान कर दिया। उनके कार्यकाल में ही भारतीयों के लिए वीजा ऑन अराइवल सर्विस शुरू की गई थी।

ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी की मौत से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी दुखी हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और इब्राहिम रईसी के बीच ट्यूनिंग काफी अच्छी थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पर लिखा, भारत-ईरान द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने में उनके योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। उनके परिवार और

ईरान के लोगों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदना। दुख की इस घड़ी में भारत ईरान के साथ खड़ा है। इब्राहिम रईसी ने ईरान की सत्ता 2021 में उस समय संभाली थी, जब उनके सामने घरेलू स्तर पर तमाम चुनौतियां थीं। इब्राहिम रईसी को ईरान के सर्वाच्च धार्मिक नेता अयातोल्लाह खामनेई का काफी नजदीकी माना जाता था और कहा ये भी जाता है कि रईसी को खामनेई के उत्तराधिकारी के तौर पर देखा जा रहा था।

भारतीयों के लिए वीजा फ्री एंट्री

विदेशी और पश्चिमी एशिया मामलों के जानकार और ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन में रिसर्च फैलो कबीर तनेजा कहते हैं कि इब्राहिम रईसी भारत के साथ संबंध मजबूत करने की कोशिशों में जुटे हुए थे। वह अपने कार्यकाल में भारत-ईरान संबंधों को नई ऊंचाइयों तक ले जाना चाहते थे। वह बताते हैं कि इसी वजह से ईरान ने भारतीयों के लिए इस साल फरवरी में वीजा फ्री एंट्री की सुविधा शुरू की थी। वह चाहते थे कि ईरान की तरफ ज्यादा से ज्यादा पर्यटकों आकर्षित हों, ताकि पश्चिमी चैनलों पर ईरान के खिलाफ दिखाई देने वाले ईरानोफोबिया से मजबूती से लड़ाई लड़ी जा सके। इस नीति के तहत भारतीयों को सिर्फ हवाई मार्ग से प्रवेश करने और ज्यादा से ज्यादा 15 दिनों तक रहने की अनुमति होगी। वहीं सड़क मार्ग से आने वाले भारतीयों को वीजा के लिए अप्लाई करना होगा।

वहीं रईसी ने ईरान का वह सपना भी पूरा किया, जिसका ख्वाब ईरान ने 15 साल पहले देखा था। दरअसल ईरान शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) का सदस्य बनना चाहता था। चार जुलाई 2023 को एससीओ के ऑनलाइन शिखर सम्मेलन में ईरान को नया स्थाई सदस्य बना दिया गया। वहीं इसकी मेजबानी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने की थी। इससे पहले 15-16 सितंबर को 2022 में उज्बेकिस्तान के समरकंद में हुई एससीओ बैठक में डायलॉग पार्टनर के तौर पर इब्राहिम रईसी भी शामिल हुए थे। हालांकि उस वक्त ईरान एससीओ को सदस्य नहीं था। लेकिन बावजूद इसके प्रधानमंत्री नरेंद्र मौदी और इब्राहिम रईसी के बीच मुलाकात हुई। इस मुलाकात में उन्होंने भारत से एक नाराजगी जताई। रईसी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र से हुई मुलाकात में कहा कि भारत अमेरिका के दबाव में झुक जाता है और तेल का आयात बंद कर देता है। भारत ने 2018-19 में ही ईरान से तेल खरीदना बंद कर दिया था। रईसी ने दोस्ती के नाते प्रधानमंत्री मोदी से कहा कि वह हर बार अमेरिकी दबावों में झुके नहीं।

10 साल के लिए भारत को मिला चाबहार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी के बीच हुई बातचीत चाबहार बंदरगाह को लेकर केंद्रित रही। सरकार से जुड़े सुत्र बताते हैं कि रईसी ईरान की अर्थव्यवस्था को गति देना चाहते थे और वे आशाभरी निगाहों से भारत की तरफ देख रहे थे। वह चाहते थे कि भारत चाबहार बंदरगाह को लेकर सक्रिय हो। उसी बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रपति को रईसी को सुविधानुसार भारत आने का निमंत्रण दिया था, जिसके बाद इस साल जून मध्य में रईसी का भारत दौरा प्रस्तावित था। 2023 में ब्रिक्स सम्मेलन के दौरान भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और इब्राहिम रईसी की मुलाकात हुई थी।

पीएम मोदी के सुशासन के मुरीद हुए ब्रिटिश थिंक टैंक के संस्थापक, भाजपा के घोषणापत्र की भी तारीफ की

लंदन, 20 मई (एजेंसियां) ।

देश में जब लोकसभा चुनाव चल रहे हैं, ऐसे समय में ब्रिटेन के प्रमुख थिंक टैंक ग्लोबल ब्रिटेन सेंटर के संस्थापक अध्यक्ष अमनदीप भोगल ने पीएम मोदी की सरकार की जमकर तारीफ की है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार में न सिर्फ भ्रष्टाचार कम हुआ है बल्कि जो एक चीज वो बिल्कुल सही कर रहे हैं, वो है सुशासन। मीडिया से बात करते हुए भोगल ने पीएम मोदी के नेतृत्व की तारीफ की और कहा कि हम भी पीएम मोदी के नेतृत्व और सुशासन से सीख ले सकते हैं। भाजपा के घोषणापत्र को बताया समावेशी भोगल ने थिंक टैंक ग्लोबल ब्रिटेन सेंटर की कुछ साल पहले पूर्व पीएम बॉरिस जॉनसन के साथ मिलकर शुरुआत की थी।

भाजपा के घोषणापत्र की तारीफ करते हुए भोगल ने कहा इसमें सभी भारतीयों के लिए समावेशी विकास की बात कही गई है, फिर चाहे लोग किसी भी पृष्ठभूमि के हों। भोगल ने कहा चाहे डिजिटल इंडिया हो, स्किल इंडिया या मेक इन इंडिया, ये सभी नीतियां जिन चीजों के लिए डिजाइन की गई हैं, उनमें पहली है घोषणापत्र में किए गए वादों को पूरा करना, दूसरा सभी भारतों का समावेशी विकास करना फिर चाहे वो किसी भी पृष्ठभूमि के हो। पीएम मोदी सिर्फ अल्पसंख्यक नीतियों के बारे में बात नहीं कर रहे हैं बल्कि कह रहे हैं कि 218 नीतियां हैं, जो अल्पसंख्यकों के लिए भी हैं, इसलिए यह बहुत समावेशी एजेंडा है। भारत के साथ मजबूत संबंधों की वकालत की गौरतलब है कि भाजपा ने अपने घोषणापत्र में देश में समान नागरिक संहिता लागू करने का वादा किया है। साथ ही एक राष्ट्र-एक चुनाव की बात भी कही है। ग्लोबल साउथ की आवाज के रूप में भारत की स्थिति को मजबूत करने की बात कही है। साथ ही संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत को स्थायी सदस्यता और 2036 ओलंपिक की मेजबानी जैसे वादे भी किए गए हैं। भाजपा ने ये भी कहा है कि मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल में भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा और पार्टी ने अगले पांच साल और मुफ्त राशन योजना जारी रखने का भी वादा किया है।

लाई चिंग ते ने ली ताइवान के राष्ट्रपति पद की शपथ, बोले- राष्ट्र की सुरक्षा पर देंगे जोर

ताइपे, 20 मई (एजेंसियां) ।

ताइवान में डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी के लाई चिंग ते ने लोकप्रिय नवनिर्वाचित राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली। पदभार ग्रहण करने के बाद, लाई ताइवान के राष्ट्रपति बनने वाले तीसरे निवर्तमान उपराष्ट्रपति होंगे। ताइवान में 1996 में पहला प्रत्यक्ष राष्ट्रपति चुनाव हुआ था। लाई ने ताइवान की राजधानी ताइपे में राष्ट्रपति कार्यालय भवन के बाहर उद्घाटन भाषण दिया। सुबह के समारोह में ताइवान के राष्ट्रपति के रूप में अपना चार साल का कार्यकाल शुरू किया। उन्होंने कहा है कि वह बीजिंग की धमकियों का विरोध करते हुए और ताइवान की सुरक्षा को बढ़ाएंगे। वे वाशिंगटन और अन्य पश्चिमी भागीदारों के साथ संबंधों को मजबूत करेंगे। वह बीजिंग में एक अस्थायी जैतून शाखा का विस्तार कर सकते हैं।

उन्होंने कहा हम राष्ट्रीय सुरक्षा, क्रॉस-स्ट्रेट मुद्दों और विदेश नीति में निरंतरता पर जोर देखेंगे। लाई के आसपास के अधिकारियों ने कहा है कि यूक्रेन के लिए अमेरिका के निरंतर समर्थन से वाशिंगटन के साथ ताइवान की सुरक्षा

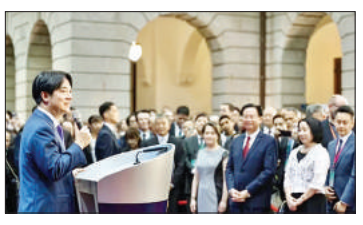

जीवनरेखा को कोई खतरा नहीं है। लाई के उद्घाटन समारोह में भाग लेने वाले मेहमानों में अमेरिकी अधिकारी और गणमान्य व्यक्ति ताइवान के वाशिंगटन के समर्थन का प्रदर्शन करते नजर आए। राष्ट्र की महान मुहर कुओमितांग (केएमटी) के विधान अध्यक्ष हान कुओ-यू ने लाई चिंग ते को सौंपी। यह राज्य के प्रमुख के रूप में पद संभालने का प्रतीक था। राष्ट्रपति के रूप में लाई चिंग-ते के उद्घाटन में सुबह ताइपे पर सैन्य प्रदर्शन हुआ। शपथ ग्रहण समारोह में निवर्तमान राष्ट्रपति त्साई इंग वेन भी मौजूद रहे। ताइवान में लाई के विरोधियों का कहना है कि वह द्वीप को सुरक्षा गतिरोध में डालने का जोखिम उठा रहे हैं।

श्रीलंकाई सांसद राधाकृष्णन बोले, देश पर्यटन पर निर्भर, 60 फीसदी लोग भारत से आते हैं

श्रीलंका, 20 मई (एजेंसियां) ।

सीता अम्मन मंदिर में कुंभाभिषेकम पूजा के अवसर पर श्रीलंकाई सांसद वी राधाकृष्णन ने भारत और श्रीलंका द्वारा साझा संबंधों की सराहना की। उन्होंने कहा कि पर्यटन के कारण दोनों देशों के बीच अच्छे संबंध हैं। श्रीलंका पर्यटन पर निर्भर है। 60 फीसदी लोग भारत से घूमने आते हैं। श्रीलंका अब आर्थिक रूप से तेजी से आगे बढ़ रहा है। पर्यटन के क्षेत्र में दोनों देशों को एक साथ मिलकर भविष्य में काम करना चाहिए। भारतीय पर्यटक श्रीलंका के पर्यटन चार्ट में लगातार शीर्ष पर रहे हैं। पर्यटन को प्रोत्साहित करने और द्वीप की संकटग्रस्त अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने के लिए श्रीलंका ने अक्टूबर 2023 में पर्यटकों के लिए वीजा शुल्क माफ कर दिया। इनमें

भारत और छह अन्य देश चीन, रूस, थाईलैंड, इंडोनेशिया, मलेशिया और जापान हैं।

आठ साल पहले 2016 में हुआ था कुंभाभिषेकम - श्रीलंकाई सांसद ने कहा, हमने 2016 में कुभाभिषेकम किया था। आठ साल बाद मंदिर का जीर्णोद्धार किया जाना चाहिए। अब 2024 में कुंभाभिषेकम किया है, जिसे आठ साल पूरे हो चुके हैं। इस बार भारतीय समुदाय ने कुंभाभिषेकम में भाग लिया है, क्योंकि हाल ही में अयोध्या का उद्घाटन हुआ था। उसके बाद श्रीलंका में धूम मच गई है। समारोह में अयोध्या से सरयू जल से भरे पांच प्रतिष्ठित कलशों को भी लाया गया। वहीं, कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने वाले विशिष्ट अतिथियों में भारतीय उच्चायुक्त संतोष झा भी थे।

सीता अम्मन मंदिर का गहरा पौराणिक महत्व - सीता एलिया के शांत गांव में स्थित सीता अम्मन मंदिर का गहरा पौराणिक महत्व है। प्राचीन कथाओं के अनुसार, इस स्थान पर देवी सीता को रावण ने बंदी बना लिया था। श्रीलंका में संचालित एक टूर कंपनी के प्रबंध निदेशक जी कुमार सीतांबरम ने कहा, आज एक ऐतिहासिक दिन है, क्योंकि श्रीलंका के सीतावनम, अशोक वाटिका में महाकुंभाभिषेकम हुआ। यह पर्यटन उद्योग में सबसे उल्लेखनीय स्थानों में से एक है। 98.9 प्रतिशत भारतीय जो रामायण या भागवत में विश्वास करते हैं, उन्होंने श्रीलंका का दौरा किया और सीतामन मंदिर में पूजा की।

मातृत्व और सहनशक्ति का प्रतीक मां सीता - सीता अम्मन मंदिर में कुंभाभिषेकम पूजा पर, आध्यात्मिक नेता श्री श्री रविशंकर ने कहा, यह एक महान अवसर है कि माता सीता के मंदिर का पुनर्निर्माण किया गया है। मां सीता करुणा, मातृत्व और सहनशक्ति का प्रतीक हैं। यह एक ऐतिहासिक स्थान है। जहां पूरा महाद्वीप मानता है कि कैसे सीता माता यहां अशोक वन में थीं और हनुमानजी से मिली थीं। यह सभ्यताओं के बीच हमारे प्राचीन संबंध को फिर से पुष्ट करेगा। हमें उन मूल्यों को वापस लाने की जरूरत है, जो नष्ट हो रहे हैं।

लावारिश शवों की बढ़ रही संख्या, बनाए जा रहे नए स्टोरेज

कनाडा में शवों को नहीं ले रहे लोग, दफनाने में हो रहे हजारों डॉलर खर्च

ओटावा, 20 मई (एजेंसियां) ।

कनाडा से एक चौंकाने वाली खबर सामने आई है यहां लावारिश शवों की संख्या इतनी ज्यादा हो गई है कि उसके लिए सरकार को नई स्टोरेज फैसिलिटी बना पड़ी है। एक रिपोर्ट के मुताबिक कनाडा के कई राज्यों में कुछ सालों में लावारिस शवों की संख्या बढ़ती जा रही है और मरने वालों के परिजन उनके शवों को लेने से इनकार कर रहे हैं। इसका कारण अंतिम संस्कार में आने वाले खर्चों में बढ़ोतरी माना जा रहा है। शवों को न लेने का ट्रेंड बढ़ गया है।

यहां लावारिश शवों की संख्या को देखते हुए एक प्रांत को नई स्टोरेज फैसिलिटी बनाना पड़ गई। अंतिम संस्कार के लिए रुपए इकट्ठा करने का भी ट्रेंड यहां दिखाई देने लगा है। उद्योग व्यापार समूह का कहना है कि कनाडा में शव के अंतिम संस्कार का खर्च 1998 में करीब 6000 डॉलर था, जो अब बढ़कर 8,800 डॉलर हो गया है। कनाडा की सबसे घनी आबादी वाला प्रांत ओंटारियो के प्रमुख कोरोनर डिर्क ह्यूयर का कहना है कि ओंटारियो में लावारिस शवों की संख्या 2013 में 242 थी, जो बढ़कर 2023 में 1,183 हो गई। ज्यादातर मामलों में रिश्तेदारों की पहचान कर ली गई थी, लेकिन कई कारणों से शवों पर दावा नहीं करते, जिनमें सबसे आम कारण पैसा होता है।

साल 2022 में कुल लावारिस शवों में से 20 फीसदी को न लेने का कारण पैसा ही था, जो 2023 में 24 फीसदी हो गया। उन्होंने कहा कि यह दुखद है क्योंकि जो व्यक्ति मर चुका है, उसके लिए उसके परिवार का कोई भी सदस्य या दोस्त खड़ा नहीं होता है। आधिकारिक तौर पर 24 घंटे बाद शव को लावारिस मान लिया जाता है। उन्होंने बताया लेकिन परिवार के सदस्यों का पता लगाने में कई सप्ताह लग जाते हैं। अगर रिश्तेदार सूचना मिलने के बाद भी शवों को ले जाने नहीं आते तो नगर पालिका कुछ संस्थाओं के साथ उस शव को साधारण तरीके से दफना देती है।

जब तक शवों को कोई नहीं लेता तब तक उसे तापमान नियंत्रित स्टोरेज फैसिलिटी में रखा जाता है। टोरंटो में फ्यूनरल होम मैकिनॉन और बोवेस चलाने वाले मालिक एलन कोल ने कहा, हमेशा ऐसे परिवार रहे हैं, जिन्हें मदद की जरूरत होती है। लेकिन मैंने अभी की तरह लावारिस शवों की संख्या में बढ़ोतरी नहीं देखी।

विपक्षी पार्टी के नेता जिम डिन के मुताबिक लोगों को अहसास है कि वे दफनाने का खर्च नहीं उठा सकते। इसके अलावा रिपोर्ट्स कहती हैं कि लोकेशन के हिसाब से महंगी जमीनें भी लोगों के लिए शवों को दफनाने में मुश्किल पैदा करती हैं। ग्रेटर टोरंटो क्षेत्र में माउंट प्लेजेंट ग्रुप के साथ वयस्क कब्र की औसतन कीमत 2800 डॉलर है। लेकिन मिडटाउन टोरंटो में यह 34000 डॉलर (32 लाख रुपए) हो जाती है। इसके अतिरिक्त कब्र खोदना, फ्यूनरल, कब्र का पत्थर और अन्य वस्तुएं अंतिम संस्कार को और भी खर्चीला बना देती हैं। सरकार की ओर से भी कोई मदद नहीं मिलती है।

देवी छिन्नमस्ता जयंती आज

तंत्र साधना के लिए की जाती है देवी छिन्नमस्ता की पूजा

अपार धन प्राप्ति के लिए करें ये टोटके

छिन्नमस्ता की पूजा साधक के आध्यात्मिक स्तर को बढ़ाती है। जिन लोगों को टोने-टोटके और बुरी शक्तियों से परेशानियों का सामना करना पड़ता है, उनके लिए यह पूजा अत्यंत लाभकारी होती है। छिन्नमस्ता की पूजा से धन की प्राप्ति और आर्थिक समृद्धि भी होती है।

1. शत्रुओं पर विजय प्राप्त करने के लिए एक लाल कपड़े में एक चुटकी सिंदूर, एक लौंग और एक काली मिर्च लपेटें। इसे किसी मंगलवार को देवी छिन्नमस्ता के सामने रखें और उनसे प्रार्थना करें कि वे आपके शत्रुओं को परास्त करें। अगले दिन, इस कपड़े को अपने साथ रखें या इसे अपने घर के मुख्य द्वार पर लटका दें।

2. भय और चिंता से मुक्ति पाने के लिए एक नीले कपड़े में एक चुटकी नमक, एक नींबू का टुकड़ा और एक लौंग लपेटें। इसे किसी शनिवार को देवी छिन्नमस्ता के सामने रखें और उनसे प्रार्थना करें कि वे आपको भय और चिंता से मुक्त करें। अगले दिन, इस कपड़े को अपने साथ रखें या इसे अपने घर के शयनकक्ष में लटका दें।

3. धन प्राप्ति के लिए एक पीले कपड़े में एक चुटकी हल्दी, एक सिक्का और एक लाल मिर्च लपेटें। इसे किसी गुरुवार को देवी छिन्नमस्ता के सामने रखें और उनसे प्रार्थना करें कि वे आपको धन प्राप्ति में मदद करें। अगले दिन, इस कपड़े को अपने साथ रखें या इसे अपने घर के धन स्थान पर रखें।

4. रोगों से मुक्ति पाने के लिए एक सफेद कपड़े में एक चुटकी कपूर, एक लौंग और एक काली मिर्च लपेटें। इसे किसी बुधवार को देवी छिन्नमस्ता के सामने रखें और उनसे प्रार्थना करें कि वे आपको रोगों से मुक्त करें। अगले दिन, इस कपड़े को अपने साथ रखें या इसे अपने घर के पूजा स्थान पर रखें।

5. शिक्षा और ज्ञान प्राप्ति के लिए एक पीले कपड़े में एक पेन, एक किताब और एक लौंग लपेटें। इसे किसी बुधवार को देवी छिन्नमस्ता के सामने रखें और उनसे प्रार्थना करें कि वे आपको शिक्षा और ज्ञान प्राप्ति में मदद करें। अगले दिन, इस कपड़े को अपने साथ रखें या इसे अपने घर के अध्ययन कक्ष में रखें।

इन टोटकों के अलावा, आप देवी छिन्नमस्ता की पूजा भी कर सकते हैं और उनसे अपनी मनोकामना व्यक्त कर सकते हैं। टोटके करने से पहले, यह महत्वपूर्ण है कि आप देवी छिन्नमस्ता की भक्ति करें और उनसे शुद्ध मन से प्रार्थना करें।

टोटके तभी सफल होते हैं जब आप उनमें विश्वास रखते हैं और उनका पूरे विधि-विधान के साथ पालन करते हैं। ध्यान रखें कि इन टोटकों का प्रयोग गलत तरीके से करने से नकारात्मक परिणाम हो सकते हैं।

देवी छिन्नमस्ता की पूजा से मोक्ष की प्राप्ति होती है । देवी छिन्नमस्ता शत्रुओं पर विजय दिलाती हैं। भय और रोगों से मुक्ति दिलाती हैं। देवी छिन्नमस्ता तंत्र शक्ति में वृद्धि करती हैं। छिन्नमस्ता जयंती देवी दुर्गा के दस महाविद्याओं में से छठी महाविद्या देवी छिन्नमस्ता का जन्मोत्सव है। यह जयंती हर साल वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि को मनाई जाती है। इस साल छिन्नमस्ता जयंती 21 मई 2024 को मनाई जाएगी। देवी छिन्नमस्ता को देवी काली का एक रूप माना जाता है। इनका स्वरूप अत्यंत भयानक और वीर है। देवी छिन्नमस्ता अपने बाएं हाथ में अपना कटा हुआ सिर लिए हुए हैं और अपने दाहिने हाथ से खड्ग लिए हुए हैं। देवी के स्वरूप में रक्त की धारा बह रही है, जिसे दो योगिनियां ग्रहण कर रही हैं। छिन्नमस्ता जयंती के दिन भक्त देवी छिन्नमस्ता की पूजा करते हैं। मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना का आयोजन किया जाता है। भक्त देवी छिन्नमस्ता को फूल, माला, दूध, चावल, और फल अर्पित करते हैं। कुछ लोग इस दिन व्रत भी रखते हैं।

शुभ मुहूर्त

प्रातः काल पूजा- 06:27 बजे से 08:11 बजे तक
अभिषेक का समय- 07:16 बजे से 08:11 बजे तक
दोपहर काल पूजा- 11:55 बजे से 01:40 बजे तक
शाम काल पूजा- 04:24 बजे से 07:09 बजे तक

देवी छिन्नमस्ता की पौराणिक कथा

एक बार, देवी काली और उनके अनुचर रणभूमि में राक्षसों से युद्ध कर रहे थे। युद्ध में देवी काली थक गईं और उन्हें प्यास लगी। उन्होंने अपने अनुचरों से पानी लाने के लिए कहा। लेकिन, सभी अनुचर युद्ध में व्यस्त थे। तभी, देवी काली ने अपने खड्ग से अपना सिर काट दिया और रक्त की धारा अपने मुख में भर ली। इस घटना से उनके अनुचर भयभीत हो गए और युद्ध छोड़कर भाग गए। देवी काली ने अपनी सहचरियों को आदेश दिया कि वे रणभूमि में बह रहे रक्त को इकट्ठा करें। उन्होंने रक्त को इकट्ठा करके एक खप्पर में भर लिया। इसके बाद, देवी काली ने अपना सिर वापस अपने धड़ पर लगा लिया और राक्षसों का वध जारी रखा।

छिन्नमस्ता जयंती का महत्व

छिन्नमस्ता जयंती मां दुर्गा की शक्ति और पराक्रम का प्रतीक है। यह त्योहार हमें सिखाता है कि हमें अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए हर संभव प्रयास करना चाहिए।

यह त्योहार हमें बुराई पर अच्छाई की विजय का संदेश भी देता है। छिन्नमस्ता जयंती के दिन लोग उनकी पूजा करते हैं। व्रत रखते हैं, भजन और कीर्तन करते हैं, दान-पुण्य करते हैं और गरीबों और जरूरतमंदों की मदद करते हैं।

आप भी छिन्नमस्ता जयंती के दिन इन कार्यों को करके इस त्योहार को मना सकते हैं।

छिन्नमस्ता मंत्र ॐ जयन्ती जया जयति चण्डी चामुण्डे स्वाहा।।
छिन्नमस्ता स्तोत्र जय जय रक्तवर्णा देवी जय जय कपालिनी।।

ये हैं देवी छिन्नमस्ता के 5 चमत्कारी मंत्र, जपते ही बन जाते हैं सारे काम!

ॐ जय जयति वैष्णवी जयति चंडी जयति कालिका जयति दुर्गा ।।

यह मंत्र देवी दुर्गा के विभिन्न रूपों की स्तुति करता है। इस मंत्र का जाप करने से देवी छिन्नमस्ता की कृपा प्राप्त होती है।

2) ॐ श्रीं ह्रीं ह्रीं क्लीं ऐं वज्र वैरोचिनीयै ह्रीं ह्रीं फट् स्वाहा ।।

यह मंत्र देवी छिन्नमस्ता का बीज मंत्र है। इस मंत्र का जाप करने से देवी छिन्नमस्ता की विशेष कृपा प्राप्त होती है।

3) ॐ ह्रीं ह्रीं देवी चंडमुंडे प्रसन्न प्रसीद प्रसीद ॐ नमो नमः ।।

यह मंत्र देवी चंडमुंडे (देवी छिन्नमस्ता का एक नाम) की स्तुति करता है। इस मंत्र का जाप करने से देवी चंडमुंडे प्रसन्न होती हैं और मनोकामनाएं पूरी करती हैं।

4) ॐ जय जयति रक्तवती जयति चंडी जयति कालिका जयति दुर्गा ।।

यह मंत्र देवी रक्तवती (देवी छिन्नमस्ता का एक नाम) की स्तुति करता है। इस मंत्र का जाप करने से देवी रक्तवती प्रसन्न होती हैं और भय और रोगों से मुक्ति दिलाती हैं।

5) ॐ क्लीं क्लीं वज्रवती स्वाहा ।।

यह मंत्र देवी वज्रवती (देवी छिन्नमस्ता का एक नाम) का बीज मंत्र है। इस मंत्र का जाप करने से देवी वज्रवती प्रसन्न होती हैं और शत्रुओं पर विजय दिलाती हैं।

इन मंत्रों का जाप करते समय ध्यान और एकाग्रता का होना आवश्यक है। मंत्रों का जाप किसी शांत और निर्मल स्थान पर करना चाहिए। मंत्रों का जाप स्नान करके और स्वच्छ वस्त्र पहनकर करना चाहिए। इन मंत्रों के जाप के अलावा, देवी छिन्नमस्ता की पूजा भी कर सकते हैं। पूजा विधि के बारे में आप किसी गुरु या ज्योतिषी से सलाह ले सकते हैं।

बड़ा ही चमत्कारी है यह शिवलिंग

यहां आज भी माता कुंती करने आती है पूजा-अर्चना, जानिए मान्यता

महाभारत काल में जब पांडव अज्ञातवास पर निकले थे, तब कुछ वर्षों के लिए बाराबंकी जिले के बदोसराय कस्बा से मात्र दो किलोमीटर की दूरी पर राजा विराट की नगरी में अज्ञातवास का समय व्यतीत कर रहे थे। इस दौरान माता कुंती के सपने में भगवान श्री कृष्ण ने बताया कि यदि वह भगवान शिव के शिवलिंग की स्थापना कर पारिजात वृक्ष के पुष्प से उनकी पूजा करेंगे, तो पांडवों की जीत सुनिश्चित होगी। जिसको लेकर के माता कुंती ने भीम को आदेश दिया कि वह कैलाश पर्वत से शिवलिंग ला करके यहां पर स्थापित करें और वैसा ही हुआ। भीम के द्वारा लाया गया शिवलिंग को माता कुंती ने कुंतेश्वर धाम में स्थापित किया और अर्जुन ने अपने गांडीव धनुष से तीर चला कर स्वर्ग से पारिजात वृक्ष को लाकर पृथ्वी पर स्थापित किया और इसी पुष्प से माता कुंती ने भगवान शिव के शिवलिंग की पूजा अर्चना पहली बार की थी।

दरअसल बाराबंकी जिले के बदोसराय कस्बे से महज 2 किलोमीटर की दूरी पर कुंतेश्वर धाम स्थित है। इसका नाम कुंतेश्वर माता कुंती के नाम पर पड़ा है। दूरदराज

से भक्त यहां पर शिवलिंग की पूजा अर्चना करने के लिए आते हैं और सबसे रोचक तथ्य इस मंदिर का यह है कि आज भी लोगों का मानना है कि माता कुंती के द्वारा प्रतिदिन सुबह शिवलिंग की पूजा अर्चना और जलाभिषेक किया जाता है। मंदिर के पुजारी ने बताया कि जब से इस मंदिर की स्थापना हुई है, तब से आज तक जब भी मंदिर के कपाट सुबह खोले जाते हैं, तो शिवलिंग का अभिषेक किया हुआ मिलता है। आज भी कोई अदृश्य शक्ति इस शिवलिंग की पूजा अर्चना करके चली जाती है।

यहां के लोगों की मानें तो उनका कहना है कि शिवलिंग की प्रथम पूजा आखिर कौन और किस रूप में करके चला जाता है इसका पता लगाने के लिए कई वैज्ञानिक और दिल्ली से कई टीमें आई थी।

रात रात भर जाग कर शिवलिंग की निगरानी की गई फिर भी लोग यह पता नहीं लगा पाए कि आखिर शिवलिंग की पूजा कौन कर जाता है। क्योंकि किसी न किसी बहाने निगरानी होने के बावजूद भी पलक झपकते ही शिवलिंग पर पुष्प अक्षत के साथ में जलाभिषेक किया हुआ मिलता है। मंदिर समिति के अध्यक्ष जयचंद यादव ने बताया कि लोगों की आस्था मंदिर के प्रति हजारों वर्षों से बनी हुई है।

यहां पर लोग देश-विदेश से भी भगवान के दर्शन के लिए आते हैं और लोग जो भी मन्नत यहां पर मांगते हैं भगवान भोलेनाथ उनकी मन्नत पूरी करते हैं। कुंतेश्वर धाम से चंद् किलोमीटर की दूरी पर बरौलिया गांव में अर्जुन के द्वारा स्वर्ग से लाया हुआ दुनिया का एकमात्र वृक्ष पारिजात भी स्थित है। जो इस बात का गवाह है कि यह शिवलिंग महाभारत कालीन है और माता कुंती के द्वारा ही स्थापित किया गया है। इसके तथ्य आज भी प्रमाण के रूप में मिलते हैं। लोगों की आस्था इस मंदिर के काफी देखने को मिलती है।

इस मंदिर में नहीं पड़ता है किसी भी तिथि व ग्रहों का अशुभ प्रभाव, पूरे साल होते हैं मांगलिक कार्य

भगवान शिव की पूजा बेहद फलदायी मानी जाती है। शिव जी को औघड़दानी भी कहा जाता है, क्योंकि वे अपने भक्तों से तुरंत प्रसन्न हो जाते हैं और उनकी पूजा में ज्यादा किसी सामग्री की आवश्यकता नहीं होती है। ऐसा कहा जाता है कि शिव जी की पूजा से जीवन के सभी संकट दूर होते हैं, साथ ही घर में संपन्नता बनी रहती है।वहीं, आज हम भोलेनाथ के एक ऐसे मंदिर का जिक्र करेंगे, जहां पर शुभ कार्यों के लिए किसी तिथि व शुभ मुहूर्त की आवश्यकता नहीं होती है, तो आइए उसके बारे में जानते हैं -

झारखण्ड राज्य के देवघर नामक स्थान में बाबा बैद्यनाथ का एक ऐसा मंदिर स्थित है, जिसको लेकर कहा जाता है कि यहां पर किसी भी अशुभ ग्रह, तिथि और खरमास के समय का कोई दुष्प्रभाव नहीं पड़ता है। ऐसी मान्यता है कि बैद्यनाथ मंदिर में किसी भी प्रकार की पूजा, मुंडन, विवाह आदि जैसे शुभ कार्य किए जाते हैं। इस पवित्र शिव धाम में पूरे साल मांगलिक कार्य के लिए किसी भी शुभ तिथि और समय की आवश्यकता नहीं होती है।

शिव मंदिर के शिखर पर आपने हमेशा त्रिशूल देखा होगा, लेकिन यह एक मात्र ऐसा धाम है, जहां त्रिशूल के स्थान पर पंचशूल को विराजमान किया गया है। पंचशूल को इस मंदिर का सुरक्षा कवच माना जाता है, जिसे हर साल महाशिवरात्रि से ठीक एक दिन पहले विधि-विधान के साथ मंदिर के शिखर पर पुन: स्थापित किया जाता है। इस चमत्कारी मंदिर में भक्त दूर-दूर से दर्शन करने आते हैं, जहां उनकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।

मई में दूसरी बार लगने वाले हैं पंचक

हर शुभ से पहले शुभ मुहूर्त और पंचक जरुर देखा जाता है। पंचक के 5 दिन अशुभ काल रहता है, इस दौरान कोई भी मांगलिक कार्य नहीं करते, क्योंकि इसके परिणाम शुभ नहीं होते हैं।

वैसे तो हर महीने में एक बार पंचक जरुर आते हैं लेकिन इस बार मई में दो बार पंचक का संयोग बना है। मई के शुरुआत में पंचक लगे थे अब दूसरी बार मई के आखिरी सप्ताह में पंचक रहेगा।

29 मई 2024 को रात 08.06 बजे पंचक शुरू हो जाएंगे और इसका समापन 3 जून 2024, सोमवार को प्रात: 01.40 मिनट पर होगा। ऐसे में कोई भी शुभ काम करने की सोच रहे हैं तो पंचक की शुरुआत से पहले निपटा।

29 मई को बुधवार से पंचक का आरंभ हो रहा है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार बुधवार से शुरू होने वाले पंचक दोष रहित होते हैं। इन्हें अशुभ नहीं माना जाता, लेकिन कुछ ऐसे काम हैं जो इस पंचक में भी नहीं करना चाहिए।

अग्नि-चौरभयं रोगो राजपीडा धनक्षतिः। संग्रहे तृण-काष्ठानां कृते वस्वादि-पंचके।। - मुहूर्त चिंतामणि में दिए इस श्लोक का अर्थ है - पंचक में तिनकों और काष्ठों के संग्रह से अग्निभय, चोरभय, रोगभय, राजभय और धनहानि होती है।

पंचक में विवाह, मुंडन, गृह प्रवेश, नए बिजनेस की शुरुआत, दक्षिण दिशा में यात्रा, पलंग या चारपाई बनवाना, लकड़ी इक्ट्ठा करना मना है।

शनि की उल्टी चाल कब से शुरू हो रही है ? किन राशियों पर ढहाएंगे कहर?

शनि देव लोगों को उनके कर्मों के अनुसार फल प्रदान करते हैं। शनिदेव के अशुभ परिणामों से लोग भयभीत होते हैं। जल्द ही शनि उल्टी चाल चलेंगे। जिसका असर बहुत सी राशियों पर पड़ेगा।

शनि देव इस समय कुंभ राशि में विराजमान हैं। कुंभ राशि में शनि देव 30 जून को व्रकी अवस्था में चले जाएंगे। इसके बाद शनि देव 15 नवंबर को मार्गी होंगे। कुल 139 दिन शनि देव व्रकी अवस्था।

शनि व्रकी धीरे - धीरे को कम करते होने से पहले अपनी गति हैं। 30 जून 2024, रविवार को रात 12.35 मिनट पर शनि व्रकी हो जाएंगे। इन राशियों को शनि के व्रकी होने से होगा लाभ।

मेष राशि :- मेष राशि के जातकों को कुंभ राशि में शनि के व्रकी होने से करियर और बिजनेस में लाभ हो सकता है। अगर आपके काम लंबे समय से रुके हैं तो वो पूरे होंगे।

मिथुन राशि :- मिथुन राशि वालों को कुंभ राशि में शनि के व्रकी होने से फायदा होगा, लेकिन इस फायदा या लाभ होने में समय लग सकता है। धीमी गति से आपके काम पूरे होंगे।

धनु राशि :- धनु राशि वालों को शनि के व्रकी होने से लाभ मिलेगा। आपको गुड न्यबज सुनने को मिल सकती है। नई जॉब, पैसा आ सकता है। यह समय आपके लिए शुभ है।

घर में इस तरह से जलाएं गुग्गल धूप, हर छोटी-बड़ी समस्या से मिलेगा छुटकारा

सनातन धर्म में अधिकतर चीजों का जुड़ाव विज्ञान से भी माना गया है। हिंदू धर्म में कई ऐसे पारम्परिक अनुष्ठान हैं, जो विज्ञान की दृष्टि से भी लाभदायक हैं। इसी प्रकार घर में गुग्गल धूप को जलाना जहां नकारात्मक ऊर्जा को समाप्त करता है, वहीं इसका सेहत पर भी लाभ देखने को मिलता है। ऐसे में आइए जानते हैं कि घर में किस प्रकार गुग्गल धूप जलाना चाहिए।

वास्तु दोष दूर करने का उपाय

यदि घर में वास्तु दोष व्यापत हो जाता है, तो ऐसी स्थिति में व्यक्ति को कई प्रयासों के बाद भी सफलता हासिल नहीं हो होती।

इस स्थिति से छुटकारा पाने के लिए शाम के समय गुग्गल, पीली सरसों, गाय का घी और लोबान को मिलाकर एक गाय के कंडे पर रखकर जलाएं। इसके बाद पूरे घर में धूनी दें। ये काम आपको लगातार 21 दिनों तक करना है। ऐसा करने से आपको वास्तु दोष से छुटकारा मिल सकता है।

यदि पति-पत्नी के बीच बिना बाद के विवाद की स्थिति बनी रहती है, तो ऐसे में आपको रोजाना गोबर के कंडे में गुग्गल डालकर जलाना चाहिए और पूरे घर में धूनी देना चाहिए। इससे घर की नकारात्मकता समाप्त होती है और सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ता है। जिससे घर के माहौल में शांति बनी रहती है।

यदि घर में हमेशा किसी-न-किसी सदस्य की सेहत खराब बनी रहती है, तो ऐसे में गुग्गल धूप की धूनी पूरे घर में करना आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकता है।

इससे घर का माहौल शुद्ध और सुगंधित बना रहता है। साथ ही इससे मानसिक थकावट भी दूर होती है और मन को शांति का अनुभव होता है।

जैकलीन फर्नांडीज कान्स रेड कार्पेट पर गुलाबी सुनहरे रंग के मिकेल डी कॉउचर गाउन में नजर आईं

बॉलीवुड अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज पहली बार कान्स के रेड कार्पेट पर नजर आईं और उन्होंने निराश नहीं किया। फर्नांडीज जर्मन ऑटोमोबाइल निर्माता, बीएमडब्ल्यू के साथ अपने जुड़ाव के माध्यम से भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए कान्स फिल्म फेस्टिवल में पहुंचीं।

फर्नांडीज ने इस सोमवार को महोत्सव के रेड कार्पेट पर अपनी पहली उपस्थिति दर्ज की। एक परिष्कृत गाउन का चयन करते हुए, उन्होंने अपनी सुडौल काया को बेदाग ढंग से प्रदर्शित किया। दिवा की शुरुआत का उत्सुकता से इंतजार किया गया था, और उसने मिकेल डी कॉउचर द्वारा बनाई गई एक अनूठी कांस्य रचना में अपना प्रवेश करने का फैसला किया। उन्होंने अपने गाउन की शोभा बढ़ाने के लिए खुद को उत्कृष्ट हसनज़ादे आभूषणों से सजाया। एक मंत्रमुग्ध कर देने वाले फ्लोर-लेंथ गाउन में लिपटी हुई, उसने एक स्ट्रैपलेस, सेक्किन डिज़ाइन अपनाया, जिसने उसके फिगर को एक जलपरी सिल्हूट के साथ जोड़ा।

उनकी स्टाइलिंग साधारण लेकिन परिष्कृत रही, आकर्षक स्पर्श के लिए लहराते बाल और हार की जगह झुमके ने ले ली।

जैकलिन की उत्कृष्ट विशेषताओं को उसकी आंखों, गालों और होंठों पर लगाए गए धूल भरे गुलाबी रंग के सूक्ष्म रंगों द्वारा निखारा गया था, जबकि उसके शानदार बाल, स्वतंत्र रूप से कैस्केडिंग करते हुए, सुंदरता के साथ उसके समग्र रूप में लालित्य का स्पर्श जोड़ते थे।

कान्स में अपनी उपस्थिति से पहले बोलते हुए, अभिनेत्री ने एएनआई से साझा किया, मैं इस साल एक

बार फिर कान्स फिल्म फेस्टिवल में जाने के लिए बेहद उत्साहित हूं और मैं इसके लिए इंतजार नहीं कर सकती। वैश्विक स्तर पर दक्षिण पूर्व एशियाई प्रवासी का प्रतिनिधित्व करना बहुत अच्छा लगता है, और प्रतिष्ठित रेड कार्पेट पर चलना एक सम्मान की बात है जहां पहले से ही कई दिग्गज चल चुके हैं।

कान्स की तैयारियों के साथ-साथ जैकलीन अपने पेशेवर दायित्वों में भी पूरी तरह से लगी हुई हैं। इनमें फिल्म वेलकम टू द जंगल (वैकल्पिक रूप से वेलकम 3 शीर्षक) में उनका योगदान और 'फतेह' पर उनके निरंतर प्रयास शामिल हैं।

अपनी व्यस्त समय सारिणी के बावजूद, वह कान्स में अपनी भागीदारी को एक प्रतिष्ठित अवसर मानते हुए, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दक्षिण पूर्व एशियाई समुदाय को प्रदर्शित करने के लिए एक उत्साही समर्पण रखती है।

देवरा : पार्ट 1 का पहला गाना फियर सॉन्ग रिलीज, अभिनेता का दिखा मासी अवतार

हाल ही में देवरा के मेकर्स ने ऐसा ऐलान किया था कि 19 मई को इस फिल्म का पहला गाना रिलीज किया जाएगा । अपना वादा निभाते हुए मेकर्स ने इसका फर्स्ट सॉन्ग रिलीज कर दिया है। इस गाने का टाइटल फियर सॉन्ग है। वीडियो में जूनियर एनटीआर को मैन ऑफ मासेसळ के तौर पर इंट्रोड्यूस किया गया है। उनका मासी अवतार देखने को मिल रहा है। एनटीआर का अंदाज काफी जबरदस्त लग रहा है। हाथ में हथियार लिए वो मार-धाड़ करते नजर आ रहे हैं। उनका लुक स्वैगी लग रहा है और वो अकेले ही ढेर सारों लोगों पर भारी पड़ रहे हैं। इस गाने के लिरिक्स मनोज मुंतशिर ने लिखे हैं और अनिरुद्ध ने इसे कंपोज किया है और उन्होंने ही इसे अपनी आवाज दी है। साथ ही वो वीडियो में भी दिखे हैं। इस सॉन्ग वीडियो में वो एनर्जेटिक और स्वैगी दिख रहे हैं। इस वीडियो के सिनेमैटिक एक्सपीरियंस को शानदार बनाने के लिए मेकर्स ने अच्छा काम किया है। वीडियो में, जो सीन दिख रहे हैं उनका देखने का अनुभव बढिय़ा लग रहा है। ये फिल्म काफी लंबे समय से सुर्खियां का हिस्सा बनी हुई है। फैन्स इस फिल्म का लंबे समय से इंतजार कर रहे हैं। हालांकि, ये इंतजार अभी थोड़ा लंबा है। ये पिक्चर इसी साल 10 अक्टूबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। देवरा को कोरतल्ला शिवा डायरेक्ट कर रहे हैं। ये एक पैन इंडिया फिल्म है। साउथ से जहां इसमें एनटीआर को कास्ट किया गया है तो वहीं हिन्दी ऑडियंस को अट्रैक्ट करने के लिए, साथ ही इस फिल्म को और भी बड़ा बनाने के लिए इसमें सैफ अली खान को भी लिया गया है।सैफ इस फिल्म में निगेटिव रोल में नजर आने वाले हैं। जान्हवी कपूर देवरा की फीमेल लीड हैं। वो एनटीआर के अपोजिट दिखने वाली हैं। ये इस साल रिलीज होने वाली बड़ी फिल्मों से एक है। मेकर्स ने इसपर खूब पैसा खर्च किया है। रिपोर्ट के अनुसार इसका बजट 300 करोड़ रुपये है।

जुबली टॉकीज में अपने किरदार के अटूट समर्पण से प्रभावित हैं खुशी दुबे

एक्ट्रेस खुशी दुबे अपकमिंग शो जुबली टॉकीज- शोहरत, शिद्दत, मोहब्बत में लीड रोल में नजर आएंगी। उन्होंने अपने किरदार शिवांगी सावंत के बारे में खुलासा करते हुए कहा कि वह उसके अटूट समर्पण से प्रभावित हुईं।आशिकाना की एक्ट्रेस खुशी ने शिवांगी का किरदार निभाया है, जो ताकत और मजबूत इरादों वाली मॉडर्न लड़की है।भूमिका के बारे में बात करते हुए, खुशी ने कहा, मैं इस शो को लेकर वास्तव में उत्साहित हूं। जब मैंने पहली बार कहानी सुनी तो मैं हैरान रह गयी, और मुझे आशा है कि दर्शक इससे प्रभावित होंगे। संगम सिनेमा को पुनर्जीवित करने के अपने पैशन के साथ-साथ, शिवांगी की यात्रा अप्रत्याशित मोड़ों से भरी है, जो दर्शकों को अपनी सीट से बांधे रखेगी।आखिरी बार आंख मिचोली में नजर आईं एक्ट्रेस ने कहा, यह किरदार मेरे लिए एक नई चुनौती है और मैं खास तौर से शिवांगी के अपने परिवार और सपनों के प्रति उनके अटूट समर्पण से आकर्षित हुई हूं। यह शो महाराष्ट्र के एक छोटे शहर की रहने वाली शिवांगी की यात्रा को दर्शाता है।शो का प्रीमियर जल्द ही सोनी पर होगा।

सलमान खान ने यूट्यूबर मनी किक्स उर्फ राशिद बेल्हासा के साथ बॉक्सिंग का आनंद लिया

सलमान खान और दुबई के करोड़पति राशिद बेल्हासा, जिन्हें मनी किक्स के नाम से भी जाना जाता है, ने हाल ही में एक चंचल मुक्केबाजी मैच से इंटरनेट का ध्यान खींचा। वीडियो में बॉलीवुड सुपरस्टार और युवा यूट्यूबर को एक मजेदार, हल्के-फुल्के झगड़ते सत्र में शामिल होते दिखाया गया है। ऑनलाइन दुनिया की जानी-मानी हस्ती राशिद बेल्हासा ने यह क्लिप अपने सोशल मीडिया पर पोस्ट की, जहां यह तेजी से वायरल हो गई।

वीडियो में, दृश्य एक आरामदायक, घर जैसे माहौल में सेट किया गया है। अपनी फिटनेस और एक्शन से भरपूर भूमिकाओं के लिए जाने जाने वाले सलमान खान बेल्हासा पर खेल-खेल में मुक्के बरसाते हैं। यूट्यूबर ने मजाकिया अंदाज में जवाब देते हुए डरने का नाटक किया और अपना चेहरा छिपा लिया। वीडियो दोनों पुरुषों के गर्मजोशी से गले मिलने के साथ समाप्त होता है, जो स्पष्ट रूप से चंचल क्षण का आनंद ले रहे हैं।

बेल्हासा ने पोस्ट को कैप्शन दिया, मेरे बड़े भाई, मैं उसके साथ कुश्ती कर रहा था। आप सोच सकते हैं कि वह मेरे साथ कुश्ती कर रहा था, लेकिन वह सिर्फ मुझे गले लगा रहा था, लेकिन उस गले लगाने से बीइंगसलमानखान को चोट लगी। इस कैप्शन ने वीडियो को हल्का-फुल्का बना दिया, जिससे दोनों के बीच सौहार्द्र का पता चलता है।वीडियो ने तेजी से ऑनलाइन लोकप्रियता हासिल की और पोस्ट किए जाने के कुछ ही घंटों के भीतर इसे करीब दो मिलियन बार देखा गया। इसे कई लाइक्स और टिप्पणियां भी मिलीं, प्रशंसकों ने चंचल मजाक पर अपना मनोरंजन व्यक्त किया। एक यूजर ने कमेंट किया, आप दोनों का रिश्ता देखना बहुत खूबसूरत है और मैं बहुत खुश हूं।

सेंसुअल लुक में बला की खूबसूरत दिखीं प्रज्ञा जयसवाल

सुपर गॉर्जियस अंदाज से नजर हटाना हुआ मुश्किल

बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रज्ञा जयसवाल हमेशा अपने बोल्ड और ग्लैमरस लुक्स की तस्वीरें फैंस के बीच साझा करते रहते हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर शेयर होते ही बवाल मचाने लगता है। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपना अब तक की सबसे हॉट फोटोशूट करवाया है। इन तस्वीरों में एक्ट्रेस का कातिलाना अवतार देखकर लोग एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं।साउथ की खूबसूरत हसीना प्रज्ञा जैसवाल ने हाल ही में अपना लेटेस्ट फोटोशूट करवाया है। इन तस्वीरों में उनका कातिलाना अंदाज देखकर फैंस उनके दीवाने हो गए हैं। प्रज्ञा जयसवाल जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस अक्सर उनकी तारीफ करते हुए नहीं थकते हैं।लेटेस्ट फोटोशूट में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है। प्रज्ञा जैसवाल अपने स्टनिंग और बोल्ड फैशन स्टेटमेंट्स के कारण लाइमलाइट में रहती हैं।इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं कि एक्ट्रेस ने व्हाइट कलर के शर्ट लुक में शॉर्ट ड्रेस पहना हुआ है, जिसमें वो कातिलाना अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही हैं।

फिल्मी सितारों ने किया मतदान

ऐश्वर्या राय बच्चन, बॉबी देओल, सनी देओल, रेखा, सारा अली खान, तेजस्वी प्रकाश ने वोट डाला

बॉलीवुड अभिनेत्री ऐश्वर्या राय बच्चन, जो अभी कान्स से लौटी हैं और चोट से जूझ रही हैं, ने आज (20 मई) मुंबई में अपना वोट डालना सुनिश्चित किया।वोट डालने पहुंचीं अभिनेत्री सफेद पोशाक में नजर आईं और उन्होंने अपने बाल खुले रखे थे। बाद में उन्होंने इंतजार कर रहे मीडिया को अपनी स्याही लगी उंगली दिखाई।

अभिनेता बॉबी देओल, सनी देओल, रेखा, सारा अली खान और तेजस्वी प्रकाश उन मशहूर हस्तियों में शामिल थे, जिन्होंने 2024 के लोकसभा चुनाव में वोट डालकर भाग लिया। मतदान केंद्रों पर उनकी उपस्थिति ने महत्वपूर्ण ध्यान आकर्षित किया और किसी के लोकतांत्रिक अधिकारों के प्रयोग के महत्व पर प्रकाश डाला है।

वोट देने पहुंचे बॉबी देओल अंगूठे का निशान देते नजर आए। काली टी-शर्ट, नीली जींस और काली टोपी पहने हुए बॉबी देओल सहज और मिलनसार लग रहे थे। अपने भाई के साथ, एक अन्य प्रमुख अभिनेता और राजनेता सनी देओल ने भी अपना वोट डालना सुनिश्चित किया। हलचल भरे मतदान के माहौल में कैद हुए, देओल बंधुओं को मीडिया और जनता के साथ बातचीत करते हुए, लोकतंत्र के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत करते हुए देखा गया।

अपनी सुंदरता और खूबसूरती के लिए मशहूर दिग्गज अभिनेत्री रेखा को मतदान केंद्र पर देखा गया। सफ़ेद पोशाक पहने हुए, उन्होंने विनम्रता और सम्मान का प्रतीक, हाथ जोड़कर सभी का अभिवादन किया।

युवा और प्रतिभाशाली अभिनेत्री सारा अली खान ने वोट देने आते समय इसे सरल और सीधा रखा। अपनी कार के अंदर देखा गया, सारा ने सफेद पारंपरिक पोशाक पहनी हुई थी, जो सादगी और समर्पण का प्रतीक थी। युवा पीढ़ी को आकर्षित करने के कारण उनकी भागीदारी विशेष रूप से प्रभावशाली थी। टेलीविज़न में अपने काम के लिए मशहूर तेजस्वी प्रकाश ने मतदान के बाद गर्व से अपनी स्याही लगी उंगली प्रदर्शित की।

अमिताभ बच्चन, जया बच्चन, माधुरी दीक्षित

अमिताभ बच्चन, उनकी पत्नी जया बच्चन, माधुरी दीक्षित और टाइगर श्रॉफ उन उल्लेखनीय हस्तियों में शामिल थे, जिन्होंने 2024 के लोकसभा चुनाव में अपना वोट डाला। उनकी भागीदारी ने लोकतांत्रिक समाज में मतदान और नागरिक कर्तव्य के महत्व को रेखांकित किया।

महान अभिनेता अमिताभ बच्चन और उनकी पत्नी जया बच्चन मतदान केंद्र पर नजर आए। पारंपरिक सफेद कुर्ता और क्रीम रंग की बनियान पहने अमिताभ और साधारण सफेद साड़ी पहने जया वोट डालने के लिए भीड़ के बीच से निकले। मीडिया कर्मियों और सुरक्षा से घिरे बच्चन परिवार ने अपनी नागरिक जिम्मेदारियों को पूरा करने के प्रति अपना समर्पण दिखाया।

हमेशा खूबसूरत रहने वालीं माधुरी दीक्षित को भी वोट डालते हुए देखा गया। खूबसूरत हरे रंग की पारंपरिक पोशाक पहने और धूप का चश्मा पहने हुए, माधुरी मुस्कुराई और कैमरे की ओर हाथ हिलाया।

आमिर खान, पूर्व पत्नी किरण राव

संजय दत्त, करीना कपूर, सैफ अली खान, अनन्या पांडे, कियारा आडवाणी और शिल्पा शेट्टी ने परिवार के साथ वोट डाला

बॉलीवुड के सबसे प्रसिद्ध अभिनेताओं में से एक आमिर खान को मुंबई में 2024 लोकसभा चुनाव के लिए वोट डालते हुए देखा गया। उनके साथ उनकी पूर्व पत्नी किरण राव भी थीं। आमिर और किरण दोनों को अपने मतदान कर्तव्यों को पूरा करने के बाद मुस्कुराते हुए और गर्व से अपनी स्याही लगी उंगलियों को प्रदर्शित करते हुए देखा गया।

कैजुअल कपड़े पहने आमिर ने काली टी-शर्ट और चश्मा पहना था, जबकि किरण ने साधारण सफेद पोशाक चुनी। मतदान केंद्र पर उनकी उपस्थिति ने मीडिया और जनता दोनों का बहुत ध्यान आकर्षित किया। अपने व्यस्त कार्यक्रम के बावजूद, जोड़े ने लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भाग लेने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दिखाते हुए, वोट डालने के लिए एक साथ आने का निश्चय किया।

आमिर और किरण का एक साथ मतदान करने का निर्णय नागरिक कर्तव्य के महत्व और मतदाता भागीदारी को प्रोत्साहित करने में सार्वजनिक हस्तियों की भूमिका को रेखांकित करता है। एक उदाहरण स्थापित करके, वे देश के भविष्य को आकार देने में प्रत्येक वोट के महत्व और सामूहिक निर्णय लेने की शक्ति पर जोर देते हैं।

संजय दत्त स्टाइल में वोट डालने पहुंचते दिखे। धूप का चश्मा और पैटर्न वाली शर्ट पहने दत्त की करिश्माई उपस्थिति को इंस्टाग्राम पर दर्ज किया गया था। पोस्ट ने उनके प्रशंसकों के लिए एक उदाहरण स्थापित करते हुए, लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भाग लेने की उनकी प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला।

करीना कपूर और सैफ अली खान भी वोट डालने के लिए पोलिंग बूथ पर पहुंचे। साधारण सफेद कुर्ता और जींस पहने करीना और कैजुअल पोशाक में सैफ को एक साथ आते हुए देखा गया।

शिल्पा शेट्टी अपनी बहन शमिता और मां सुनंदा के साथ वोट डालने पहुंचीं। हरे रंग की पोशाक पहने शेट्टी को मतदान केंद्र पर अपने परिवार के सदस्यों की मदद करते देखा गया। पपराज़ी ने इंस्टाग्राम पर अपनी तस्वीरें साझा कीं, जो चुनावों में उनकी सक्रिय भागीदारी को दर्शाती हैं और अपने अनुयायियों को भी ऐसा करने के लिए प्रोत्साहित करती हैं।

अनन्या पांडे के साथ उनकी मां भावना पांडे भी वोट डालती नजर आईं। साधारण कपड़े पहने, मतदान केंद्र पर पांडे की उपस्थिति को इंस्टाग्राम पर दर्ज किया गया था। चुनावों में पांडे परिवार की सामूहिक भागीदारी ने लोकतांत्रिक प्रक्रिया में परिवार की भागीदारी के महत्व पर जोर दिया।

ऋतिक और उनके पिता को मतदान केंद्र की ओर जाते हुए देखा जा सकता है, जबकि पुलिस भीड़ और मीडिया को नियंत्रित करने की कोशिश कर रही है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वे बिना किसी व्यवधान के मतदान कर सकें। इससे पहले दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह को भी वोट डालते देखा गया, दोनों ने सफेद रंग की पोशाक पहनी हुई थी। यह उल्लेखनीय था क्योंकि यह पहली बार था जब दीपिका को सार्वजनिक रूप से अपना बेबी बंप दिखाते हुए देखा गया था। वरुण धवन और उनके पिता डेविड धवन, धर्मेंद्र और आशा भोंसले सहित अन्य हस्तियों को भी बूथ पर देखा गया।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

तंग आर्थिक हालात के चलते कोई अहम काम बीच में अटक सकता है। दिन के उत्तरार्ध में अचानक आई कोई अच्छी ख़बर पूरे परिवार को ख़ुशी देगी। आपका रचनात्मक काम आस-पास के लोगों को अचरज में डाल देगा और आपको काफ़ी सराहना मिलेगी। अगर आप लंबे समय से अपने जीवन में किसी रोचक चीज़ के होने का इंतज़ार कर रहे हैं, तो निश्चय ही आपको उसके संकेत दिखाई देने लगेंगे। जीवनसाथी की ख़राब सेहत के चलते आप चिंताग्रस्त हो सकते हैं।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

घर पर तनाव का माहौल आपको नाराज़ कर सकता है। इसे दबाना आपकी शारीरिक समस्याओं में इज़ाफ़ा कर सकता है। शारीरिक गतिविधियों को बढ़ाकर इससे निजात पाएँ। ख़राब हालात से दूर रहना ही बेहतर है। आज के दिन आपको आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ सकता हैं । घर में उल्लास का माहौल आपके तनावों को कम कर देगा। आप भी इसमें पूरी सहभागिता करें । ऐसे लोगों से हाथ मिलाएँ जो रचनात्मक हैं और जिनके ख़यालात आपसे मिलते हैं। अगर आप ख़रीदारी पर जाएँ तो ज़रूरत से ज़्यादा जेब ढीली करने से बचें।

मिथुन – क,कि,कू,घ,ङ,छ,के,को,ह

जो व्यापारी अपने कारोबार के सिलसिले में घर से बाहर जा रहे हैं वो अपने धन को आज बहुत संभालकर रखें। धन चोरी होने की संभावना है। सामाजिक समारोह में परिवार के साथ शामिल होना सबके लिए अच्छा अनुभव रहेगा। आज आपके प्रिय को आपके अस्थिर रवैये के चलते आपसे तालमेल बिठाने में काफ़ी दिक़्क़त का सामना करना पड़ेगा। इस राशि के जो लोग रचनात्मक कार्यों से जुड़े हैं उन्हें आज परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। आज आपको महसूस हो सकता है कि रचनात्मक कार्य करने से बेहतर नौकरी करना थी।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज सफलता का मंत्र यह है कि उन लोगों की सलाह पर पैसे लगाएँ, जो मौलिक सोच रखते हों और अनुभवी भी हों। आपके दोस्त आपको ऐसे वक़्त पर दग़ा दे सकते हैं, जब आपको उनकी सबसे ज़्यादा ज़रूरत हो। आप आज रुहानी प्यार की मदहोशी महसूस कर सकेंगे। इसे महसूस करने के लिए कुछ वक़्त बचाकर रखें। कार्यक्षेत्र में लोगों का नेतृत्व करें, क्योंकि आपकी निष्ठा आगे बढ़ने में मददगार सिद्ध होगी। किसी वजह से आज आपके ऑफ़िस में जल्दी छुट्टी हो सकती है इसका आप फ़ायदा उठाएंगे और अपने परिवार के लोगों के साथ कहीं घूमने जाएंगे।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

व्यापारियों को आज व्यापार में घाटा हो सकता है और अपने व्यापार को बेहतर बनाने के लिए आपको पैसा खर्च करना पड़ सकता है। आपके दोस्त आपको ऐसे वक़्त पर दग़ा दे सकते हैं, जब आपको उनकी सबसे ज़्यादा ज़रूरत हो। यह आपको सच्चे अर्थों में धर्म व आध्यात्मिकता की ओर भी ले जा सकता है। दिन की शुरुआत से अन्त तक आप ख़ुद को ऊर्जा से लबरेज़ महसूस करेंगे। ज़िंदगी में चल रही आपाधापी के बीच आज आपको अपने लिए पर्याप्त समय मिलेगा और और आप अपने पसंदीदा कामों को कर पाने में कामयाब हो पाएंगे।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज के दिन आपको आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ सकता हैं आपके माता-पिता की सेहत पर ज़्यादा ध्यान दिए जाने की ज़रूरत है। अगर आपको लगता है कि आपका लवमेट आपकी बातों को समझ नहीं पाता तो आज उनके साथ वक़्त बिताएं और अपनी बातों को स्पष्टता के साथ उनके सामने रखें। आप किसी बड़ी योजना या घटना में भागीदार होंगे, जिसके लिए आपको सराहना और पुरस्कार मिलेंगे। इस राशि के लोगों को आज अपने आप को समझने की जरुरत है। घरेलू मोर्चे पर बढ़िया खाने और गहरी नीन्द का पूरा लुत्फ़ आप ले पाएंगे।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज आप आसानी से पैसे इकट्ठा कर सकते हैं- लोगों को दिए पुराने कर्ज़ वापिस मिल सकते हैं- या फिर किसी नयी परियोजना पर लगाने के लिए धन अर्जित कर सकते हैं। आज आपमें धैर्य की कमी रहेगी। आज आपके दिल की धड़कनें अपने प्रिय के साथ ताल-से-ताल मिलाती मालूम होंगी। दिन की शुरुआत भले ही थोड़ी थकाऊ रहे लेकिन जैसे-जैसे दिन आगे बढ़ेगा आपको अच्छे फल मिलने लगेंगे। दिन के अंत में आपको अपने लिए समय मिल पाएगा और आप किसी करीबी से मुलाकात करके इस समय का सदुपयोग कर सकते हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आपकी कोई पुरानी बीमारी आज आपको परेशान कर सकती है जिसकी वजह से आपको हॉस्पिटल भी जाना पड़ सकता है और आपका काफी धन भी खर्च हो सकता है। प्यार, मेलजोल और आपसी जुड़ाव में इज़ाफ़ा होगा। जो लोग अब तक सिंगल हैं उनकी मुलाकात आज किसी खास से होने की संभावना है सहयोगी मदद के लिए हाथ बढ़ा सकते हैं, लेकिन वे ज़्यादा सहायता नहीं कर पाएंगे। आपने बीते दिनों कार्यक्षेत्र में कई काम अधूरे छोड़े हैं जिसका भुगतान आज आपको करना पड़ सकता है। वैवाहिक जीवन का आनन्द लेने के पर्याप्त मौके हैं आज आपके पास।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज का दिन मौज-मस्ती और आनन्द से भरा रहेगा- क्योंकि आप ज़िन्दगी को पूरी तरह जिएंगे। आज के दिन बिना कुछ ख़ास किए आप आसानी से लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करने में क़ामयाब रहेंगे। रोमांस के लिए बढ़ाए गए क़दम असर नहीं दिखाएंगे। आपका वर्चस्ववादी स्वभाव आलोचना की वजह बन सकता है। गप्पबाज़ी और अफ़वाहों से दूर रहें। अपने जीवनसाथी की नुक़्ताचीनी से आप आज परेशान हो सकते हैं, लेकिन वह आपके लिए कुछ बढ़िया भी करने वाला है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

सेहत से जुड़ी परेशानियाँ असहजता का कारण बन सकती हैं। जीवन के बुरे दौर में पैसा आपके काम आएगा इसलिए आज से ही अपने पैसे की बचत करने के बारे में विचार करें नहीं तो आपको दिक़्क़तें हो सकती हैं। प्यार, मेलजोल और आपसी जुड़ाव में इज़ाफ़ा होगा। खुदरा और थोक व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है। लम्बे वक़्त से लटकी हुई दिक़्क़तों को जल्द ही हल करने की ज़रूरत है और आप जानते हैं कि आपको कहीं-न-कहीं से शुरुआत करनी होगी- इसलिए सकारात्मक सोचें और आज से ही प्रयास शुरू करें।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

खीज और चिढ़चिढ़ेपन के अहसास को ख़ुद पर छाने न दें। घर की छोटी-छोटी चीजों पर आज आपका बहुत धन खराब हो सकता है जिसकी वजह से आप मानसिक तनाव में आ सकते हैं। आज के दिन आपको कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। यथार्थवादी रवैया अपनाएँ और जो आपकी ओर मदद का हाथ बढ़ाएँ, उनसे किसी चमत्कारकी उम्मीद न करें। व्यक्तिगत संबंध संवेदनशील और नाजुक रहेंगे। नयी साझीदारी आज के दिन फलदायी रहेगी। आप जिस प्रतियोगिता में भी क़दम रखेंगे, आपका प्रतिस्पर्धी स्वभाव आपको जीत दिलाने में सहयोग देगा।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

चंद्र की स्थिति की वजह से आज आपका धन बेवजह की चीजों पर खर्च हो सकता है। अगर आपको धन संचय करके रखना है तो अपने जीवनसाथी या माता पिता से इस बारे में बात करें। अपने जीवन-साथी के साथ बेहतर समझ ज़िन्दगी में ख़ुशी, सुकून और समृद्धि लाएगी। प्रेमी को आज आपकी कोई बात चुभ सकती है। आज कार्यक्षेत्र में अचानक आपके काम की छानबीन हो सकती है। इस राशि के कारोबारी आज अपने कारोबार को नई दिशा देने के बारे में विचार कर सकते हैं। आज किसी सहकर्मी के साथ आप शाम का वक्त बिता सकते हैं हालांकि अंत में आपको महसूस होगा कि आपने उनके साथ समय बर्बाद किया है और कुछ नहीं।

मंगलवार का पंचांग

दिनांक : 21 मई 2024 , मंगलवार
विक्रम संवत : 2081
मास : वैशाख , शुक्ल पक्ष
तिथि : त्रयोदशी सायं 05:41 तक
नक्षत्र : चित्रा प्रात: 05:46 तक
योग : व्यतिपात दोपहर 12:34 तक
करण : तैतिल सायं 05:41 तक
चन्द्रराशि : तुला
सूर्योदय : 05:42, सूर्यास्त 06:43 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:53 , सूर्यास्त 06:39 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:44 , सूर्यास्त 06:33 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:35, सूर्यास्त 06:33 (विजयवाडा)
शुभ चौघड़िया
चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : श्री नृसिंह जयंती

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

सामूहिक बलात्कार कर बच्ची को जिंदा जलाने वालों को सजा-ए-मौत

पॉक्सो कोर्ट का फैसला, दो भाइयों ने चार घंटे तक की थी हैवानियत

जयपुर, 20 मई (एजेंसियां)। राजस्थान में शाहपुरा जिले के कोटड़ी में 14 साल की बच्ची से गैंगरेप कर जिंदा जलाने वालों को फांसी की सजा सुनाई गई है। इस बहुचर्चित मामले में सोमवार को भीलवाड़ा पॉक्सो कोर्ट-2 ने फैसला सुनाया, जिसमें दोनों दोषियों कालू और कान्हा को मौत की सजा दी है। जज ने इस मामले को रेयरेस्ट ऑफ द रेयर माना।

इससे पहले शनिवार 18 मई को भीलवाड़ा पॉक्सो कोर्ट ने कालू और कान्हा को दोषी करार दिया था, जबकि सात आरोपियों को बरी कर दिया था। कोर्ट ने फैसला सोमवार तक के लिए सुरक्षित रख लिया था। आज सुनवाई के दौरान कोर्ट में पीड़ित के माता-पिता भी मौजूद थे। फैसला सुनकर पीड़ित की मां ने कहा कि आज हमें न्याय मिल गया। जिन सात आरोपियों को बरी किया है, उनमें दोनों दोषियों की पत्नी, मां, बहन और अन्य शामिल हैं।

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने न्यायालय द्वारा कोटड़ी में नाबालिग के साथ गैंगरेप एवं हत्या के मामले में दोषियों को मृत्युदंड की सजा का निर्णय स्वागतयोग्य बताया है। इस मामले में सोमवार को फैसला आने के बाद श्री शर्मा ने इसे स्वागतयोग्य बताते हुए कहा कि आज भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की डबल इंजन सरकार के यशस्वी कार्यकाल में प्रदेश में बालिकाओं के साथ अपराध के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति है। उन्होंने कहा कि आज राजस्थान में अपराध और अपराधियों के लिए कोई जगह नहीं है और अगर किसी ने अपराध करने का दुस्साहस भी किया तो उसे किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

सरकारी वकील महावीर किसनावत ने बताया- नाबालिग लड़की को पिछले साल अगस्त में गैंगरेप के बाद कोयले की भट्ठी में जिंदा जला दिया गया था। पुलिस ने एक महीने के अंदर 473 पन्नों की चार्जशीट दाखिल की थी। इसमें कई चौंकाने वाले खुलासे हुए थे। कोर्ट ने भी इस हत्याकांड को जघन्य अपराध माना। महावीर किसनावत ने बताया- दोनों दोषियों के लिए लगातार फांसी की मांग की जा रही थी। आरोपी कालू ने दो बार रेप किया था। मारपीट करने के बाद मरा हुआ समझकर भट्ठी में डाल दिया था। मामला 2 अगस्त 2023 की है। शाहपुरा के कोटड़ी थाना इलाके के एक गांव में 14 साल की नाबालिग सुबह करीब 8-9 बजे मवेशी चराने निकली थी। दोनों भाई कालू और कान्हा उसका मुंह दबाकर भट्ठी के पीछे ले गए और 4 घंटे तक गैंगरेप किया। दोनों भाई की पत्नी, मां, बहन और एक नाबालिग को गैंगरेप का पता चल गया। सभी ने चर्चा की कि मामला खुला तो फंस जाएंगे। फिर उसे भट्ठी में जला दिया गया।

सूरत में गिरफ्तार मौलवी के तार बीकानेर से जुड़े, एक अरेस्ट

बीकानेर, 20 मई (एजेंसियां)। गुजरात के सूरत में सोहैल नाम के मौलवी की गिरफ्तारी के बाद उस के मोबाइल में मिले नंबर के आधार पर सूरत पुलिस ने बीकानेर पुलिस की मदद से नया शहर थाना इलाके से एक युवक को गिरफ्तार किया है। जिला पुलिस अधीक्षक तेजस्विनी गौतम ने बताया कि गुजरात पुलिस से मिले इनपुट के बाद अशोक सुथार उर्फ अबू बकर निवासी विश्वकर्मा गेट को नया शहर पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

उन्होंने बताया कि सूरत क्राइम ब्रांच पुलिस ने बीकानेर आकर स्थानीय पुलिस को युवक के बारे में इनपुट दिया था, जिसके बाद स्थानीय पुलिस और गुजरात की सूरत क्राइम ब्रांच पुलिस टीम ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया। बताया जा रहा है कि सूरत पुलिस ने एक बड़े आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ करते हुए सोहैल नाम के मौलवी को गिरफ्तार किया था, जो देश के प्रमुख नेताओं को मारने की योजना बना रहा था। मौलवी को गिरफ्तार किए जाने के बाद उसके मोबाइल में संदिग्ध चैटिंग मिली थी, जिसके आधार पर ट्रेस किए गए मोबाइल नंबरों में बीकानेर के विश्वकर्मा गेट निवासी अशोक सुथार उर्फ अबू बकर का नंबर मिला। जिला पुलिस अधीक्षक तेजस्विनी गौतम ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी के मोबाइल से पाकिस्तान से जुड़े मोबाइल व फोन नंबर मिले हैं। गिरफ्तार युवक कट्टरपंथी संगठनों से जुड़ा हुआ है। फिलहाल विभिन्न एजेंसियों की संयुक्त टीमें इस आरोपी युवक से संयुक्त पूछताछ कर रही हैं। यदि इसके खिलाफ ऐसा कुछ संदिग्ध मिलता है तो बीकानेर पुलिस द्वारा भी विधिवत कार्रवाई की जाएगी। बताया जा रहा है कि अशोक सुथार धर्म परिवर्तन कर दिल्ली में रह रहा था, फिलहाल पुलिस ने उसके मोबाइल और कम्प्यूटर को जब्त कर लिया है।

गर्मी के तल्ख हुए तेवर, शिक्षा विभाग ने 24 तक की आठवीं कक्षा तक की छुट्टियां

झज्जर, 20 मई (एजेंसियां)। गर्मी के तेवर पूरी तरह से तल्ख हो चुके हैं और तापमान 46 डिग्री से ऊपर जा चुका है। ऐसे में जिला उपायुक्त ने बाल वाटिका से लेकर आठवीं कक्षा तक के बच्चों की छुट्टियां घोषित कर दी है। इसका पत्र सभी सरकारी, एडिड व निजी स्कूलों को जारी कर दिया गया है। हालांकि शिक्षा विभाग की तरफ से सरकारी व निजी स्कूलों के समय में परिवर्तन के आदेश दिए हुए हैं, लेकिन जिले के कई निजी स्कूलों ने अब तक भी समय में परिवर्तन नहीं किया है।तापमान में बढ़ोतरी होने और मौसम विभाग द्वारा आरेंज अलर्ट जारी करने के बाद अब डीसी शक्ति सिंह ने आठवीं कक्षा तक की छुट्टियां करने के आदेश जारी कर दिए हैं। रविवार को भी डीसी की तरफ से जारी प्रेस बयान में निजी स्कूलों को शिक्षा विभाग के जारी किए गए निर्देश मानने के आदेश दिए थे, लेकिन उसके बावजूद अब तक कई निजी स्कूलों ने नौवीं से बारहवीं तक के समय में बदलाव नहीं किया है और विद्यार्थियों को सुबह आठ बजे से दोपहर तीन बजे तक बुलाया जा रहा है। इसके चलते गर्मी में विद्यार्थियों को परेशानी हो रही है।

जिला शिक्षा अधिकारी राजेश खन्ना ने बताया कि डीसी के आदेश के बाद बाल वाटिका से लेकर आठवीं तक की कक्षाओं की छुट्टियां सोमवार से कर दी गई है। कई स्कूलों के पास सूचना नहीं पहुंची होगी, इसलिए होमवर्क देकर छुट्टी करवा दी जाएगी। जहां तक स्कूल समय के परिवर्तन की बात है तो सभी निजी स्कूलों को समय परिवर्तन के आदेश मानने होंगे अन्यथा विभागीय कार्रवाई की जाएगी। हीट वेव के चलते नर्सरी से आठवीं कक्षा तक के सभी सरकारी, अर्ध सरकारी, प्राइवेट विद्यालयों का 20 से 24 मई तक अवकाश घोषित किया है। उपायुक्त नरेश नरवाल ने बताया कि जिला में सभी शिक्षण संस्थानों को 20 से 24 मई तक गर्मी की अधिकता को देखते हुए छुट्टी के निर्देश जारी किए गए हैं।उन्होंने बताया कि शिक्षक, गैर-शिक्षक व कर्मचारी, अधिकारी पूर्व की भांति विद्यालय में उपस्थित रहेंगे। डीसी ने जिला शिक्षा अधिकारी व जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी भिवानी को निर्देश दिए है कि वे निर्देशों की पालन सुनिश्चित करेंगे। कोई भी नर्सरी से आठवीं कक्षा तक के सरकारी, अर्ध सरकारी, प्राइवेट विद्यालय अवकाश अवधि के दौरान बच्चों के लिए न खोला जाए।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर तीन वाहन आपस में भिड़े, दो लोगों की मौत

दौसा, 20 मई (एजेंसियां)। जिले से गुजर रहे दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस हाईवे पर लालसोट के नजदीक दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस हाईवे पर एक साथ तीन वाहनों के भिड़ जाने से दो लोगों की मौत हो गई। अभी कुछ दिन पूर्व भी इसी क्षेत्र में सड़क दुर्घटना में तीन लोगों की मौत हो चुकी है।दुर्घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को लालसोट जिला अस्पताल में भर्ती कराया है और शवों को मोर्चरी में रखवाकर मामले की पड़ताल जुटी गई है। झापदा पुलिस थानाधिकारी मदन सिंह ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे पर संवासा के समीप एक खराब ट्रक को दूसरा ट्रक टोचन करके ले जा रहा था कि अचानक पीछे से आ रहे तूड़ी से भरे ट्रक ने टक्कर मार दी। जिसमें दो लोगों की मौत हो गई है और दो लोग घायल हो गए, जिनका इलाज जिला अस्पताल में इलाज जारी है। खबर लिखे जाने मृतकों की शिनाख्त नहीं हो पाई थी।

बिजली किल्लत पर लोगों ने लगाया जाम, ट्रांसफार्मर आने तक जेई और एसडीओ को बैठाए रखा

दादरी, 20 मई (एजेंसियां)। चरखी दादरी में बिजली किल्लत को लेकर शहर की विभिन्न कॉलोनियों के लोगों का गुस्सा सोमवार को फूट पड़ा। करीब 48 घंटे बाद भी बिजली आपूर्ति बहाल न होने पर लोगों ने लामबंद होकर सरदार झाड़ू सिंह चौक रोड पर जाम लगा दिया। 45 मिनट तक लोग सड़क पर डटे रहे जबकि इसके अलावा नया ट्रांसफार्मर आने तक एसडीओ और जेई को वहीं बैठाए रखा। पुलिस टीम व्यवस्था बहाल करवाने के बाद ही वापस लौटी। बता दें कि सरदार झाड़ू सिंह चौक से लेकर चरखी दरवाजा तक लगाई गई केबल लोड पड़ने पर जल गई जबकि यहां लगे छोटे ट्रांसफार्मर में भी खराबी आ गई। शनिवार रात से लाधान पाना समेत मथुरी घाटी, रविदास नगर, छोटी बाजा, पंजाबी मौहल्ला समेत विभिन्न कॉलोनियों की बिजली सप्लाई बाधित है। 48 घंटे बाद भी बिजली आपूर्ति बहाल न होने पर विभिन्न कॉलोनियों के लोग लामबंद होकर सरदार झाड़ू सिंह चौक पर पहुंच गए और रोड जाम कर दिया।

जाम की सूचना मिलते ही सिटी थाना पुलिस टीम मौके पर पहुंची और आक्रोशित लोगों से जाम लगाने का कारण पूछा। इस पर लोगों ने पुलिस अधिकारियों को बताया कि सरदार झाड़ू सिंह चौक से चरखी दरवाजा तक डाली गई केबल जल गई है जबकि यहां लगा कम क्षमता के ट्रांसफार्मर में खराबी आ गई है। 48 घंटे बीतने के बाद भी समस्या का समाधान नहीं हुआ है जबकि लोग 50 से अधिक शिकायतें बिजली निगम कर्मचारियों से कर चुके हैं। बावजूद इसके संज्ञान नहीं लिया गया और मजबूरीवश उन्हें जाम लगाना पड़ा। लोगों ने पुलिस टीम से बिजली निगम के अधिकारियों को मौके पर बुलाने की मांग की। इसके बाद बिजली निगम के जेई और एसडीओ मौके पर पहुंचे और लोगों से बातचीत भी की। उन्हें नया ट्रांसफार्मर लगवाने और जली केबल को बदलवाने का आश्वासन दिया और इसके बाद पुलिस टीम के आग्रह करने पर 45 मिनट बाद लोगों ने जाम खोल दिया।

किसानों ने शंभू रेल ट्रैक से धरना उठाने का किया ऐलान

बॉर्डर पर जारी रहेगा आंदोलन

चंडीगढ़, 20 मई (एजेंसियां)। अपनी मांगों को लेकर शंभू में रेल ट्रैक पर बैठे किसानों ने धरने को तुरंत प्रभाव से उठाने का ऐलान किया है। रेलवे और यात्रियों के लिए ये एक बड़ी राहत की खबर है। हालांकि शंभू बॉर्डर पर किसानों का धरना जारी रहेगा। किसान आंदोलन 2 के 100 दिन पूरे होने और शंभू रेलवे स्टेशन पर तीनों किसानों की रिहाई को लेकर चल रहे रेल रोको आंदोलन के संबंध में किसान मजदूर मोर्चा और एसकेएम (नॉन पॉलिटिकल) ने चंडीगढ़ के किसान भवन में पत्रकारों से बात की। इस दौरान किसान नेताओं ने बताया कि किसान आंदोलन 2 के 100 दिन पूरे होने पर शंभू बॉर्डर, खनोरी, डबवाली और रतनपुरा में विशाल किसान सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे। किसान नेता दिलबाग सिंह गिल ने बताया कि सभी तैयारियां मुकम्मल कर ली गई हैं और देश भर से सम्मेलन में हिस्सा लेने आ रहे किसानों के रुकने के और उनकी लंगर की व्यवस्था को पूर्ण रूप कर ली गईं हैं। हरियाणा सरकार द्वारा गिरफ्तार किए गए तीनों किसानों की रिहाई को लेकर एक महीने से शंभू रेलवे स्टेशन पर चल रहे रेल रोको आंदोलन के बारे में किसान नेता सुरजीत सिंह फुल ने बताया कि सोमवार शाम से तुरंत प्रभाव से किसान शंभू रेलवे स्टेशन और रेल ट्रैकों से उठ जाएंगे। अपने साथी किसानों की रिहाई को लेकर आने वाले दिनों में पंजाब और हरियाणा के भाजपा नेताओं के घरों का घेराव किया जाएगा। 23 मई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पटियाला में चुनावी सभा करने के बारे में किसान नेता सुखजीत सिंह खैरा और सुरजीत फूल ने बताया कि अपनी कॉल के अनुसार किसान सांविधानिक और लोकतांत्रिक तरीके से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी सवाल करेंगे और उनसे पूछेंगे कि आखिर क्यों उन्होंने किसानों के साथ पिछले आंदोलन में छल-कपट किया और झूठ बोला।

हाईवे पर अनियंत्रित होकर पलटा रिफाइंड से भरा हुआ टैंकर

तेल बटोरने के लिए दौड़े लोग

जींद, 20 मई (एजेंसियां)। जींद-रोहतक बाइपास पर करसोला रोड के पास रविवार रात को एक रिफाइंड से भरा हुआ टैंकर अनियंत्रित होकर पलट गया। इसमें चालक को चोटें आई। सूचना पाकर जुलाना पुलिस मौके पर पहुंचकर घायल चालक को जुलाना के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भिजवाया जहां पर उसका प्राथमिक उपचार किया गया। टैंकर पलटने से 34 हजार रिफाइंड सड़क पर बिखर गया। आसपास के लोगों में इसे उठाने के लिए भागदौड़ मच गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को संभाला।

त्रिपुरा के धर्मनगर निवासी टैंकर चालक मानव विश्वास ने बताया कि वह टैंकर में 34 हजार लीटर रिफाइंड तेल भरकर कलकता से जालंधर जा रहा थी। रात देर जब वह जुलाना के करसोल रोड़ बाईपास पर पहुंचा तो अचानक उसका ट्रक अनियंत्रित हो गया और सर्विस रोड़ के साथ बने नाले में जा गिरा। सूचना पाकर जुलाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को जुलाना के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में दाखिल करवाया। जहां पर उसका प्राथमिक उपचार किया गया।

टैंकर पलटने की सूचना पाकर आस पास के गांव के बच्चे, महिलाएं और पुरूष तेल उठाने के लिए बाल्टी और पीपे लेकर दौड़ पड़े। चालक के मना करने पर भी लोग नही माने तो पुलिस को मौके पर बुलाया गया। पुलिस ने लोगों को मौके से भगा दिया। उसके बाद फिर से पुलिस के जाने के बाद लोग दौड़े।

राजनीतिक दल से आगे समाज के लिए कुछ करना ही सुशील मोदी को सच्ची श्रद्धांजलि: राज्यपाल

पटना/एजेंसियां। पूरी तरह राष्ट्र के लिए समर्पित सुशील कुमार मोदी समाज के अंतिम पायदान तक मदद के लिए तत्पर रहे। तन समर्पित, मन समर्पित, और ये जीवन समर्पित, यह पंक्ति सुशील मोदी ने साकार किया। इससे आगे क्या किया जाए, सुशील मोदी इसके लिए सोचते थे। यह बातें बिहार के गवर्नर राजेन्द्र आर्लेकर ने कही। वे मां ब्लड सेंटर में दिवंगत सुशील मोदी के श्रद्धांजलि कार्यक्रम में शामिल हुए। इस मौके पर गवर्नर राजेन्द्र आर्लेकर ने कहा कि मैं जब गवर्नर बना, तो पहला

कॉल उन्हीं का आया। जब पटना आया तो पहले वही आकर मिले। उस दिन से जीवनपर्यंत उन्होंने मुझे बताया कि बिहार में क्या है और किसकी जरूरत है। उन्होंने बार बार बताया कि कैसे क्या किया जाना चाहिए। यह मेरे लिए मददगार रहा। उन्होंने अपने जीवन से सीख दी कि कर्म पर मानव का अधिकार है, वह करते जाएं। राज्यपाल ने कहा कि मां ब्लड बैंक वही मुझे लेकर आए। मुझे लगता था कि इस ब्लड बैंक में मेरा बड़ा योगदान है, लेकिन बाद में जब पता चला कि उन्होंने इसके लिए डेढ़ करोड़ रुपए दिए थे। मैं अचंभित था, कि कोई ऐसा उदार और दूरदर्शी भी हो सकता है। राजनीतिक दल से आगे समाज के लिए कुछ करना ही उन्हें श्रद्धांजलि होगी।

गंगा में डूबे दो व्यक्तियों की मिली लाशें

सब्जियों से लदी नाव नदी में डूब गई थी

पटना/एजेंसियां।

पटना के मनेर थाना क्षेत्र के महावीर घाट पर रविवार की सुबह सब्जियों से लदी नाव गंगा में समा गई थी। नाव पर 12 लोग सवार थे। जिसमें 10 तैर कर किसी तरह पानी से बाहर निकल गए थे। जबकि 2 लोग लापता हो गए थे। लापता व्यक्तियों की पहचान थाना क्षेत्र के गौरैयास्थान नागा टोला निवासी बिजेंद्र कुमार राय और रणवीर कुमार के रूप में हुई थी। दोनों की खोजबीन के लिए एसडीआरएफ ने सर्च अभियान चलाया।

रविवार की शाम तक शव नहीं मिलने के बाद एसडीआरएफ की टीम लौट गई थी। सोमवार की सुबह ग्रामीणों को सूचना मिली कि एक शव गौरैयास्थान घाट के पास और एक शव रतनतोला घाट के पास गंगा में उपला रहा है। जिसके बाद परिजनों ने दोनों शवों को पानी से निकाला। दोनों लाशें लापता बिजेंद्र कुमार राय और रणवीर कुमार की है। शवों को देखकर मृतकों के परिजनों में चित्कार का माहौल हो गया। लोगों ने शव मिलने की सूचना मनेर थाने को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में ले पोस्टमॉर्टम के लिए दानापुर अनुमंडल अस्पताल भेज दिया। मृतक ने परिजन राजनाथ कुमार यादव ने बताया कि सोमवार को ग्रामीणों से सूचना मिला कि गौरैयास्थान घाट पर शव उपला रहा है।

हमलोग वहां पहुंचे और शव को बाहर निकाला। फिर सूचना मिली की एक अन्य शव रतनटोला घाट पर पानी में उपला रहा। फिर उस शव को भी हमलोगों ने बाहर निकाला। गौरतलब हो कि थाना क्षेत्र के दरवेशपुर गांव के किसान महावीर टोला घाट के सामने दियारा में सब्जी की खेती करते हैं। रविवार की सुबह सब्जी तोड़कर नाव पर लादा था और बेचने के लिए ला रहे थे। नदी में तेज बहाव के कारण नाव डूब गई। नाव पर बारह लोग सवार थे। जिसमें दस लोगों ने तैरकर अपनी जान बचाई। वही दो व्यक्ति लापता हो गए थे। जिनकी लाशें मिल गई है।

मुजफ्फरपुर में तीन दोस्तों के साथ बॉयफ्रेंड ने किया गैंगरेप

मुजफ्फरपुर/एजेंसियां।

जिले में एक युवती (19) ने अपने बॉयफ्रेंड समेत चार लोगों पर गैंगरेप का आरोप लगाया है। युवती का कहना है कि उसका बॉयफ्रेंड राजू उसे बाइक पर बैठाकर सुनसान एक लीची बगान में ले गया, जहां नशे की हालत में उसने अपने दोस्तों के साथ मिलकर उसका गैंगरेप किया। इस दौरान उसके साथ मारपीट और जान से मारने की धमकी भी दी गई। रेप के बाद लड़की को बेहोशी की हालत में छोड़कर सभी फरार हो गए। इस मामले में पीड़िता की ओर से महिला थाने में आवेदन दिया गया है। पीड़िता के बयान पर महिला थाने में एफआईआर दर्ज की गई है। आरोपी बॉयफ्रेंड को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। बाकी तीन फरार हैं। घटना अहियापुर थाना क्षेत्र का है। सदर थाना क्षेत्र के रहने वाली युवती का चक अहमद गांव के रहने वाले राजू कुमार से 5 साल से प्रेम-प्रसंग चल रहा था। दोनों की दोस्ती मिस्ड कॉल से शुरू हुई थी। बातचीत करते-करते दोनों काफी नजदीक आ गए थे। पीड़िता ने अपने आवेदन में बताया कि उसका बॉयफ्रेंड उसे बाइक से घुमाने के बहाने लीची बगान ले गया। वहां उसने अपने तीन दोस्तों को भी बुला लिया। बॉयफ्रेंड और उसके तीनों दोस्त नशे में थे। सभी लड़की के साथ जोर जबरदस्ती करने लगे। विरोध करने पर युवती को जान से मारने की धमकी भी दी। फिर चारों ने युवती के साथ गैंगरेप किया और फिर युवती को बेहोशी की हालत में छोड़कर भाग गए। पीड़िता ने अपने एफआईआर में राजू और उसके तीन दोस्तों को आरोपी बनाया है। महिला थाना अध्यक्ष अदिति कुमारी ने बताया कि आरोपी को जेल भेज दिया गया है। बाकी तीन की तलाश जारी है। पुलिस ने सीआरपीसी की धारा 164 के तहत युवती का कोर्ट में बयान दर्ज कराया है।

बिहार के 19 जिलों में 23 और 24 मई को बारिश-वज्रपात की संभावना

पटना/एजेंसियां।

बिहार के मौसम में लगातार बदलाव देखने को मिल रहा है। कभी गर्मी तो कभी बारिश की संभावना बनी हुई है।

बेतिया में सुबह तेज हवा के साथ झमाझम बारिश हुई, जिससे लोगों को यहां गर्मी से राहत मिली। इसके अलावा मोतिहारी, सीवान और सुपौल में भी तेज बारिश हो रही है। वहीं, मुजफ्फरपुर, मधुबनी में बूंदाबांदी जारी रही।

मधेपुरा में आसमान में काले बाद छाए हुए हैं। वहीं, राजधानी पटना में तेज पूरवा हवा से लोगों को गर्मी से हल्की राहत मिली है। मौसम विभाग ने प्रदेश के अधिकतर जिलों गर्म दिन रहने के साथ हल्की बूंदाबांदी की

संभावनाएं जताई है। दक्षिण बिहार में भीषण गर्मी का दौर जारी रहेगा। हालांकि, उत्तर में हुई बारिश का असर दक्षिण बिहार के कुछ जिलों में देखने को मिल सकता है।

मौसम विभाग के मुताबिक, 23 और 24 मई को 19 जिले में बारिश हो सकती है। विभाग के मुताबिक बंगाल की खाड़ी की तरफ से नमी युक्त हवा का आना जारी है। सतह पर उत्तर-पश्चिम से हवा भी आ रही है। इन सभी वजहों से मौसम में हलचल देखी जा रही है।

रविवार को बक्सर का अधिकतम तापमान प्रदेश में सबसे अधिक 44.9 और औरंगाबाद में 44.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। मौसम विभाग के अनुसार, उत्तर बिहार और सीमांचल के कटिहार, दरभंगा, समस्तीपुर, पूर्वी चंपारण, पश्चिमी चंपारण, गोपालगंज, सीवान, सारण, किशनगंज, पूर्णिया, अररिया, सहरसा, सुपौल, मधुबनी, वैशाली, सीतामढ़ी, शिवहर समेत 19 जिलों में गरज के साथ बारिश की चेतावनी दी गई है। मौसम विभाग की माने तो फिलहाल मानसून ने अंडमान निकोबार में दस्तक दे दिया है। सबकुछ सही रहा तो बिहार में 15 जून तक मानसून पहुंच जाएगा। हालांकि उससे पहले भी बंगाल की खाड़ी में बनते दबाव के चलते उत्तर बिहार में बारिश की प्रबल संभावना बन रही है। उससे पहले भी मानसून दस्तक दे सकता है।

होटल संचालक पर गोलीबारी मामले में 8 से पूछताछ

पटना/एजेंसियां।

शहर के शास्त्रीनगर थाना क्षेत्र में अपराधियों ने एक हॉस्पिटल और होटल संचालक गुड्डू सिंह उर्फ अविनाश आनंद को सिर में गोली मार दी थी। घटना राजाबाजार के मछली गली में सुबह तब हुई थी जब संचालक घर से निकल कर बाइक से कहीं जा रहे थे।

आनंद जैसे ही साईं मंदिर के पास पहुंचे लाइनर के इशारे पर पीछे से बाइक पर सवार 3 अपराधी आए और आनंद के सिर में गोली मार कर फरार हो गए थे। इस मामले में पुलिस ने खटाल चलाने वाले मनोज राय को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने 8 और लोगों को पूछताछ के लिए उठाया है।

पुलिस खटाल चलाने वाले मनोज के पिता देवकी राय को भी पूछताछ के लिए थाना ले कर आई है। इन लोगों से लगातार पूछताछ जारी है। आरोपी मनोज राय और पीड़ित अविनाश आनंद दोनों मछली गली में ही रहते हैं। आनंद का होटल और हॉस्पिटल भी इसी गली में है। मनोज का खटाल भी इसी गली में है। खटाल की वजह से उस गली में गंदगी बनी रहती थी। आनंद हमेशा उसको बंद कराने की बात करता था। इसको लेकर दोनों में कई बार हल्की लड़ाई भी हो चुकी है, लेकिन कुछ दिन पहले कोर्ट के आदेश के बाद इस खटाल को प्रशासन ने खाली करा लिया।

मनोज और उसके पिता को लगने लगा कि आनंद ने ही हमारा खटाल हटवाया है। इसी बात का बदला लेने के लिए मनोज ने आनंद को मारने की साजिश रची। पुलिस इस मामले में 8 लोगों से पूछताछ कर रही है।

पूछताछ में पुलिस को पता चला है कि इस घटना को अंजाम देने वाले तीनों अपराधी बेली रोड पर रुके रहे। जब आनंद अपने घर से निकले उसी समय लाइनर ने बदमाशों को जानकारी दी कि वो निकल गया। जैसे ही आनंद साईं मंदिर पहुंचा लाइनर के इशारा करने पर बदमाशों ने आनंद पर गोली चला दी।

करंट लगने से वृद्ध की मौत

पटना/एजेंसियां।

पटना के मनेर थाना क्षेत्र के गौरैयास्थान में रविवार की रात बिजली के गिरे तार से करंट लगने से वृद्ध की मौत हो गई। घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि गौरैयास्थान नागा टोला निवासी 59 वर्षीय दीनबंधु राय अपनी गाय को पकड़ने के लिए उसके पीछे दौड़े। इसी दौरान ट्रांसफार्मर के पास गिरे बिजली तार की चपेट में आ गए। स्थानीय लोगो ने बिजली विभाग को कॉल कर बिजली सप्लाई बंद करवाई। आसपास मौजूद लोग डॉक्टर के पास ले गए। जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। मृतक दीनबंधु राय गाय दुहाई का काम करते थे। ग्रामीणों ने इस बात की सूचना मनेर पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंच शव को पोस्टमॉर्टम के लिए दानापुर अनुमंडल अस्पताल भेज दिया। घटना की जानकारी मिलते ही भाजपा के पाटलिपुत्र से लोकसभा प्रत्याशी रामकृपाल यादव, बीजेपी के अति पिछड़ा प्रकोष्ठ के निखिल आनंद दानापुर अनुमंडल अस्पताल पहुंचे और मृतक के परिजनों को सांत्वना दी। मृतक के पुत्र बबन राय ने बताया कि रात में पिताजी दूध दुहने के बाद निकल रहे थे।

इसी दौरान एक गाय भागने लगी। उसे पकड़ने के लिए उसके पीछे दौड़े। पास के ट्रांसफार्मर के पास तार टूटा हुआ था। वह उसके चपेट में आए गए। मौके पर मौजूद निखिल आनंद ने कहा कि बिजली विभाग की लापरवाही से गौरैयास्थान निवासी नगाटोला निवासी दीनबंधु राय की मृत्यु हो गई है।

जिनकी मौत हुई उनके एक बच्चे की एक माह पूर्व संदेहास्पदक स्थिति मौत हुई। हत्या कर फेंक दिया गया था। उसका कंकाल मिला था। बिजली विभाग को मृतक के परिजनों को उचित मुआवजा देना चाहिए।

ट्रैक्टर के डाले से दबकर एक मासूम की मौत, दो घायल

पटना/एजेंसियां।

नालंदा में सोमवार की सुबह ट्रैक्टर के डाले से दबकर एक मासूम की मौत हो गई। घटना में पिता-पुत्र गंभीर रूप से जख्मी हो गए। मृतक की पहचान संगतपर मोहल्ला निवासी सूरज कुमार का 4 वर्षीय पुत्र प्रियांशु कुमार है। जबकि इस घटना में प्रियांशु का जुड़वा भाई दिव्यांशु और उसके पिता सूरज कुमार जख्मी हो गए। सूरज कुमार अपने दोनों जुड़वा बच्चों को घर से पैदल विद्यालय छोड़ने जा रहे थे। इसी बीच हादसा हुआ।

ट्रैक्टर चालक फरार हो गया। मामला सोहसराय थाना क्षेत्र अंतर्गत संगतपर मोहल्ले का है। परिजनों ने बताया कि मकान के

लिए मोहल्ले के एक व्यक्ति ने ईंट मंगाई गई थी। ट्रैक्टर से ईंट उतारी जा रही थी। इसी बीच ट्रैक्टर का डाला पलट गया। तेज आवाज और चीख पुकार सुन आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। ईंट से दबे दोनों जुड़वा भाइयों और उसके पिता को बाहर निकला गया। घटना के बाद ट्रैक्टर चालक गाड़ी छोड़ मौके से फरार हो गया। सूचना पर सोहसराय थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। ट्रैक्टर को जब्त करते हुए कार्रवाई में जुट गई है। थानाध्यक्ष राजमणि ने बताया कि ट्रैक्टर का डाला पलटने से 1 बच्चे की मौत हुई है। जबकि दो अन्य जख्मी है। जिनका इलाज सदर अस्पताल में किया जा रहा है। शव को कब्जे में लेकर पुलिस पोस्टमॉर्टम की प्रक्रिया में जुट गई है। आवेदन मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

हत्या कर बेटी का शव दफनाया, ऊपर बिस्तर लगाकर सोया

बेटे से नमक मंगाकर कब्र में डाला

मोतिहारी/एजेंसियां।

मोतिहारी में एक पिता ने अपनी नाबालिग बेटी की गला दबाकर हत्या कर दी। फिर उसके शव कमरे में 2 फीट गड्ढा खोदकर दफना दिया। इतना ही नहीं कब्र के ऊपर बिस्तर लगा दिया ताकि मौत का राज न खुल पाए और उस पर आराम से सो गया। आरोपी पिता पूरी रात अपनी बेटी के कब्र के ऊपर सोता रहा। बच्ची की गलती सिर्फ इतनी थी कि उसने पिता के शराब पीने का विरोध किया था। वारदात रामगढ़वा थाना क्षेत्र के मुड़ला गांव की है। पिता ने बेटी की हत्या करने के बाद उस पर 4 किलो नमक भी डाला, ताकि उसकी लाश पूरी तरह से गल जाए और किसी को कुछ पता नहीं चले। पिता की इस करतूत को चोरी से देख रहे पांच साल के बेटे ने उजागर कर दिया। पुलिस ने शव को कब्र से बाहर निकाला।

आरोपी पिता की तलाश में छापेमारी की जा रही है। मृतका की पहचान 14 साल की रानी कुमारी के रूप में हुई है। उसका पिता भगवान दास हमेशा दारू पीकर मां गीता देवी से लड़ाई करता था। रानी अक्सर अपनी मां की तरफ से आवाज उठाती थी। पिछले शनिवार को भी उसके मां और पिता के बीच झगड़ा हुआ था। इस दौरान भगवान दास पत्नी को मारने के लिए बढ़ा तो रानी ने

इसका विरोध किया। मां घर से भागकर पड़ोस के घर पर चली गई। उसके बाद घर में रानी अपने भाई के साथ अकेले रह गई। इसी बीच नशे में धुत भगवान दास ने घर में बेटी की दुपट्टा से गला घोंटकर हत्या कर दी। सुबह गीता घर लौटी तो उसने बेटी रानी को घर पर नहीं पाया। उसने अपनी बेटी की तलाश शुरू कर दी, लेकिन उसका कहीं पता नहीं चला।

जिसके बाद रानी की मां रामगढवा थाना अध्यक्ष सचिदानंद पांडे के पास पहुंची। सूचना मिलने के बाद पुलिस उसकी तलाश में जुट गई। इसी बीच रानी के छोटे भाई ने बताया कि पापा ने दीदी की हत्या कर घर में ही गाड़ दिया है। जैसे ही इस बात की जानकारी थानाध्यक्ष को लगी, वैसे ही मजिस्ट्रेट को लेकर घटनास्थल पर पहुंचे। घर में खुदाई कर शव को कमरे के अंदर मिट्टी खोद कर बाहर निकाला। भाई ने बताया कि दीदी की हत्या करने के बाद पापा ने पहले दस रुपए दिए और कहा एक किलो नमक ले आओ। फिर दोबारा तीस रुपए दे कर तीन किलो और नमक मंगाया। उसके बाद शव के ऊपर नमक डालकर मिट्टी से ढंक दिया। रानी कि मां गीता देवी ने बताया कि उसका पति उसे छोड़ कर लुधियाना चला गया था, जहां से उसे पकड़ कर घर लाई। वह बीमार था तो उसका इलाज भी कराया और आज मेरी ही बेटी की गला घोंट कर हत्या कर दी। मुझे केवल इंसाफ चाहिए। भगवान दास को चार बेटा और एक बेटी थी। इसलिए घर में रानी को दुलार भी ज्यादा मिलता था। रामगढ़वा थानाध्यक्ष सच्चिदानंद पांडेय ने कहा कि शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। मां गीता देवी ने आवेदन देकर अपने पति पर बेटी की हत्या करने का आरोप लगाया है, जिसकी जांच की जा रही है।

छात्रा से छेड़खानी का मामला : नालंदा में ग्रामीणों ने स्कूल पहुंचकर पांच शिक्षकों को पीटा

पटना/एजेंसियां।

बिहार के नालंदा में सोमवार को छात्रा से छेड़खानी का आरोप लगाकर ग्रामीणों ने मुख्य आरोपी समेत पांच शिक्षकों की स्कूल में पहुंचकर पिटाई कर दी। यह घटना कल्याण विगहा थाना क्षेत्र के एक स्कूल की है। मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को काबू किया। कल्याण बीघा थाना क्षेत्र के एक गांव की महिला ने आरोप लगाते हुए कहा कि जब सभी बच्चों की स्कूल से छुट्टी हो जाती थी, तब स्कूल के ही एक शिक्षक द्वारा पांचवी क्लास की छात्रा को रोक लिया जाता था। उक्त शिक्षक पिछले तीन-चार दिनों से यह हरकत कर रहा था। इसकी बात की जानकारी छात्रा ने अपने घर आकर अपने परिवार वालों को दी थी। उन्होंने आरोप लगाया कि सोमवार को फिर से उक्त शिक्षक ने छात्रा को स्कूल के कमरे में अंदर

से बंद कर लिया और उसके साथ छेड़खानी करने लगा। इसी बीच परिवार वाले पहुंच गए। जानकारी के मुताबिक, छात्रा से छेड़खानी की जानकारी मिलने के बाद अन्य ग्रामीण भी स्कूल पहुंच गए। फिर वहां मौजूद पांच शिक्षकों की पिटाई कर दी। मौके पर पहुंची पुलिस को भी काफी विरोध का सामना करना पड़ा। इसके बाद ग्रामीण कल्याण विगहा थाना शिकायत करने पहुंचे। इसी बीच पुलिस से उनकी नोकझोंक भी हुई। वहीं, आरोपी शिक्षक ने कहा कि उनके ऊपर लड़की से छेड़खानी करने का आरोप लगाकर ग्रामीणों ने पिटाई कर दी। जबकि उन्होंने कुछ नहीं किया है। अचानक ग्रामीण स्कूल पहुंच गए और उनकी पिटाई शुरू कर दी। बीच-बचाव करने आए अन्य शिक्षकों के साथ भी ग्रामीणों ने हाथापाई कर दी।

इधर, कल्याण विगहा थाना अध्यक्ष विकास कुमार ने बताया कि स्कूल के शिक्षक पर छेड़खानी का आरोप लगाकर ग्रामीणों ने स्कूल में मौजूद शिक्षकों के साथ मारपीट कर दी। इस घटना में एक शिक्षक गंभीर रूप से जख्मी हो गए। फिलहाल पुलिस अभिरक्षा में आरोपी शिक्षक का इलाज कराया जा रहा है। वहीं, उनसे पूछताछ भी की जा रही है। पीड़िता अपने परिवार के साथ महिला थाना शिकायत दर्ज कराने के लिए गई है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com